ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य में सबसे खराब कानून व्यवस्था : डीवी सदानंद गौड़ा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 29 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-149

सोनिया के दामाद, राहुल के जीजा, प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा का बेबाक बयान

केजरीवाल : अवसरवादी, दिग्विजय : अनुभवहीन, अय्यर : बड़बोला

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। सोनिया गांधी के दामाद, राहुल गांधी के जीजा और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अवसरवादी, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को अनुभवहीन और बेजा बयानबाजी करने वाले मणिशंकर अय्यर को बड़बोला बताया।

दिग्विजय सिंह, मणिशंकर अय्यर और अरविंद केजरीवाल के बारे में रॉबर्ट वाड्रा ने ये बेबाक टिप्पणियां कीं। इसके अलावा उन्हें सैम पित्रोदा के बारे में भी कहा कि पित्रोदा को रिटायर हो ही जाना चाहिए। उन्होंने केजरीवाल को अवसरवादी कहा, तो उन्हें याद दिलाया गया कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दिल्ली में मिलकर चुनाव मैदान में हैं। इस पर वाड्रा ने कहा, यह मेरा विचार है और मैं अपना स्वतंत्र विचार रखने और अभिव्यक्त करने का हकदार हूं। पाकिस्तान के पास परमाणु बम है, कह कर भारत को उससे बातचीत की धमकीभरी सलाह देने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर के बारे में रॉबर्ट वाड्रा ने साफ-साफ कहा, वे बड़बोले हैं।

वाड्रा ने कांग्रेस को अपनी टिप्पणियों से मुश्किल में डालने वाले सैम पित्रोदा पर भी टिप्पणी की। वाड्रा ने कहा, सेवानिवृत्त व्यक्ति को सेवानिवृत्त ही रहना चाहिए। पित्रोदा ने हाल में भारतीयों के त्वचा के रंग को लेकर टिप्पणी की थी। यह पूछने पर कि प्रियंका को चुनाव लड़ने से कौन रोक रहा है? रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, कोई नहीं। प्रियंका खुद चुनाव नहीं लड़ना चाहती। खुद के राजनीति

में आने के सवाल पर कहा कि अगर लोगों ने चाहा और उनके परिवार ने कहा तो वह राजनीति में जरूर आएंगे।

अपनी बेबाक टिप्पणी देकर रॉबर्ट वाड्रा ने कांग्रेस के समक्ष अपना स्वतंत्र सियासी स्टैंड प्रदर्शित कर दिया है और नेतृत्व से यह इशारा भी कर दिया है कि पार्टी को दिग्विजय सिंह, मणिशंकर अय्यर और सैम पित्रोदा जैसे नेताओं से दूरी रखनी चाहिए। इसके अलावा रॉबर्ट वाड्रा ने अरविंद केजरीवाल को मौकापरस्त बता कर उन कांग्रेसियों का साथ दिया है, जो आम आदमी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन में जाने का विरोध कर रहे थे। इसी वजह से दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली समेत कई नेताओं ने कांग्रेस छोड़ दिया।

राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा की राजनीति में गहरी रुचि रही है। वह लंबे वक्त से सियासत में आने की राह देख रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा भी जताई थी, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट ही नहीं दिया। पार्टी हाईकमान ने उनकी जगह के एलशर्मा को टिकट दे दिया। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, मैं खुश हूं कि केएल शर्मा अमेठी से और राहुल गांधी रायबरैली से चुनाव लड़ रहे हैं। मैं काफी लोगों से मिलता हूं। जहां भी मैं गया हूं लोगों को लगता है कि मुझे सक्रिय राजनीति में आना चाहिए। हमने काफी मेहनत की और 2004 में हम सोनिया गांधी को अमेठी से जीता कर लाए तब से लोगों ने हमें बहुत प्यार दिया और इज्जत दी। मैं गांधी परिवार का सदस्य हूं और दुनिया से लोग आते हैं तो उनकी इच्छा होती है कि वे हमसे मिलें। यह कोई पहली बार नहीं है जब रॉबर्ट वाड्रा ने इतना खुलकर बोला हो। इससे पहले भी उन्होंने कई बार कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के नेताओं को आईना दिखाया है।

एस-एसटी, ओबीसी को अंधेरे में रख कर आरक्षण लूटा जा रहा है

वोट के समय देश के लोगों को आगाह करना जरूरी : मोदी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को सतर्क करते हुए कहा है कि उन्हें अंधेरे में रखकर उनके आरक्षण को लूटा जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि चुनाव ऐसा समय है, जब मुझे देशवासियों को इस सबसे बड़े खतरे को लेकर आगाह करना चाहिए। मैं लोगों को समझा रहा हूं कि यह भारत के संविधान की मूल भावना का उल्लंघन है और ये वोटबैंक की राजनीति के लिए किया जा रहा है। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल को लेकर भी बड़ा दावा किया और कहा कि इस बार बंगाल में भाजपा को बंपर सीटें मिलेंगी।

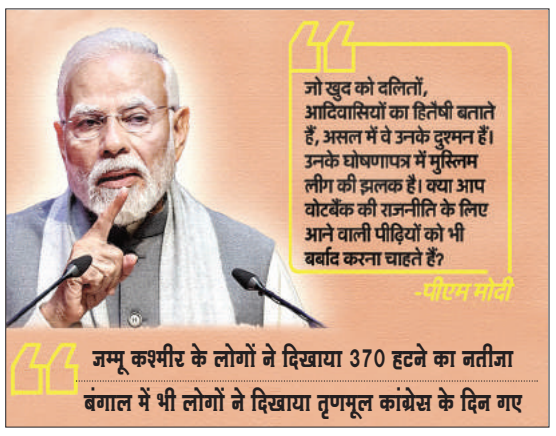

पीएम मोदी ने कहा जो खुद को दलितों, आदिवासियों का हितैषी बताते हैं, असल में वे उनके दुश्मन हैं। उनके घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की झलक है। क्या आप वोटबैंक की राजनीति के लिए आने वाली पीढ़ियों को भी बर्बाद करना चाहते हैं? मैं दलितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़े वर्ग के भाइयों और बहनों के लिए लड़ रहा हूं।

बंगाल हाईकोर्ट द्वारा साल 2010 के बाद जारी किए गए सभी ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द करने के फैसले पर पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा उनके पास एक कार्यप्रणाली है। सबसे पहले, उन्होंने आंध्र प्रदेश में कानून बनाकर इसे अल्पसंख्यकों को देने का पाप शुरू किया, लेकिन वे हार गए। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता है इसलिए उन्होंने चतुराई से पिछले दरवाजे से खेल शुरू किया और इन लोगों ने रातों-रात मुस्लिमों की सभी जातियों को ओबीसी बना दिया और ओबीसी से उनके अधिकार छीन लिए। जब हाईकोर्ट का फैसला आया तो साफ हो गया कि इतना बड़ा फर्जीवाड़ा हो रहा है, लेकिन उससे भी ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण ये है कि वोट बैंक की राजनीति के लिए अब वो न्यायपालिका का भी दुरुपयोग कर रहे हैं। ये स्थिति किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं हो सकती।

पीएम मोदी ने बंगाल को लेकर कहा, बंगाल के चुनाव में टीएमसी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में हमारे 3 विधायक थे और बंगाल की जनता ने हमें 80 पर पहुंचा दिया। हमें पिछले चुनाव में भारी बहुमत मिला था। इस बार पूरे हिंदुस्तान में बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट कोई होगा तो पश्चिम बंगाल होने वाला है। भाजपा को सर्वाधिक सफलता पश्चिम बंगाल में मिल रहा है। वहां का चुनाव एक तरफा है। जनता उसकी अगुवाई कर रही है। टीएमसी के लोग बौखलाए हुए हैं लगातार हत्याएं हो रही हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं को चुनाव के पहले जेलों में बंद किया जा रहा है। कश्मीर में रिकॉर्ड वोटिंग पर पीएम मोदी ने कहा, मैं चाहूंगा कि कश्मीर की जो

▶9 पर

मैं गाली प्रूफ हो गया हूं, अपशब्द बोलना उनका स्वभाव है

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, चुनाव हो या न हो ये लोग मानते हैं कि गालियां देना उनका अधिकार है। पीएम मोदी ने कहा कि वह अब गाली प्रूफ हो चुके हैं। संसद में हमारी पार्टी के सदस्य ने हिसाब लगाया, चुनाव हों या न हों, ये लोग मानते हैं कि गालियां देने का हक उनका ही है। गालियां देना, अपशब्द बोलना उनके शायद स्वभाव में हो गया है। मुझे मौत का सौदागर और गंदी नाली का कीड़ा किसने कहा?

प्रधानमंत्री ने कहा, लोकतंत्र में दुश्मनी नहीं होती है। देश के उद्योगपतियों और कारोबारियों पर लगाए गए आरोप-प्रत्यारोप पर पलटवार करते हुए पीएम मोदी ने कहा, विपक्ष के जो लोग इसे कूड़ा बता रहे हैं, उनसे पूछना चाहिए कि ये कहां से लेकर आए हैं। ऐसी चर्चा उन्हीं से की जाएगी।

चुनाव प्रचार खत्म कर कन्याकुमारी में ध्यान करेंगे पीएम

नई दिल्ली/चेन्नई, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को लोकसभा चुनाव प्रचार के समाप्त होने के बाद कन्याकुमारी का दौरा करेंगे। यहां वे स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाए गए स्मारक रॉक मेमोरियल में ध्यान लगाएंगे। भाजपा नेताओं ने मंगलवार को बताया कि वह 30 मई की शाम से 1 जून की शाम तक ध्यान मंडपम में ध्यान करेंगे। माना जाता है कि यहां विवेकानंद को भारत माता के बारे में दिव्य दृष्टि प्राप्त हुई थी। प्रधानमंत्री ने 2019 के चुनाव अभियान के बाद केदारनाथ गुफा में इसी तरह का ध्यान लगाया था।

पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि अपने आध्यात्मिक प्रवास के लिए कन्याकुमारी में स्थान चुनने का पीएम मोदी का फैसला देश के लिए विवेकानंद के दृष्टिकोण को साकार करने की उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

▶9 पर

दुमका में पीएम मोदी ने विजय संकल्प जनसभा को किया संबोधित

चार जून के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ और तेज होगी कार्रवाई

दुमका, 28 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि इंडिया गठबंधन के नफरती एजेंडे को उनकी सरकार सदैव फेल करती रहेगी और गरीब आदिवासी, दलित एवं पिछड़े वर्ग के हक को छीनने वाले भ्रष्टचारियों के खिलाफ 4 जून के बाद कार्रवाई और तेज होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज मंगलवार को दुमका एयरपोर्ट मैदान में संताल परगना प्रमंडल के दुमका से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन, गोड्डा से निशिकांत दुबे और राजमहल से ताला मरांडी के पक्ष में आयोजित महा विजय संकल्प जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और झामुमो पर जमकर निशाना साधा। इसी क्रम में उन्होंने अपने दस साल के कार्यकाल में दलित आदिवासी और गरीबों के कल्याण के लिए किये गये कार्यों और उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद के नेता खुलेआम, बेशर्मी के साथ धमकी दे रहे हैं और कह रहे हैं कि मोदी को हटाना है, ताकि उनको फिर से घोटाले करने का मौका मिल सके। उन्होंने कहा जेएमएम और कांग्रेस झारखंड को हर तरह से लूट रहे हैं। यहां इतने खूबसूरत पहाड़ है, लेकिन झारखंड की चर्चा नोटों के पहाड़ के लिए हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा झामुमो और कांग्रेस वालों के यहां नोटों के पहाड़ पकड़े जा रहे हैं। आप जानते हैं, ये पैसा कहां से आ रहा है? ये पैसा आ रहा है शराब के घोटाले से, ये पैसा आ रहा है करोड़ों रुपयों के टेंडर के घोटाले से, ये पैसा आ रहा है खान-खनिज-खनन घोटाले से।

श्री मोदी ने कहा कि 4 जून के बाद भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई और तेज होगी। प्रधानमंत्री ने कहा इन लोगों ने जमीनें हड़पने के लिए अपने माता-पिता का नाम बदल लिया। अब गरीबों और आदिवासियों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। इन लोगों ने तो सेना की जमीन को भी लूट लिया। आपको झारखंड को इन लोगों से मुक्ति दिलानी ही होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- इंडी गठबंधन के लिए सिर्फ अपना वोट बैंक जरूरी है। उसे आदिवासी समाज के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। जहां-जहां ये लोग सत्ता में आए, आदिवासी समाज और संस्कृति खतरे में पड़ गई। आदिवासियों के खिलाफ नक्सलवाद, घुसपैठ और तुष्टीकरण इनके हथियार रहे हैं।

उन्होंने कहा- अब झारखंड में एक बड़ा संकट घुसपैठियों का हो गया है। हमारा ये संथाल परगना तो बहुत ज्यादा घुसपैठियों की चुनौती से जूझ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप कई इलाकों में आदिवासियों की संख्या तेजी से कम हो रही है और घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। आदिवासी बेटियों की सुरक्षा और उनका जीवन खतरे में पड़ गया है।

▶9 पर

कार्टून कॉर्नर

ईडी की चार्जशीट से हुआ सत्ता-संरक्षित माफिया का खुलासा

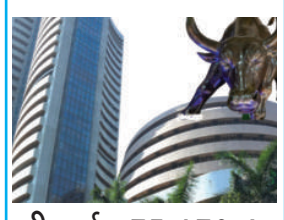

संदेशखाली का विलेन 261 करोड़ अवैध सम्पत्ति का मालिक

कोलकाता, 28 मई (एजेंसियां)। संदेशखाली मामले में ईडी ने टीएमसी के पूर्व नेता शाहजहां शेख के खिलाफ विशेष अदालत में 113 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की, जिसमें शेख के अलावा उसके भाई आलमगीर और उनके दो साथी दीदार बक्स और शिबू हाजरा का भी नाम है। संदेशखाली में जमीन हड़पने को लेकर ईडी अधिकारियों के हाथ कई सनसनीखेज जानकारियां लगी हैं। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता शाहजहां शेख की गिरफ्तारी के 56 दिन बाद

सोमवार को ईडी ने उसके खिलाफ जमीन कब्जाने के मामले में विशेष अदालत में 113 पन्नों की पहली चार्जशीट दाखिल की। इसके मुताबिक, शेख ने 261 करोड़ रुपए की अवैध सम्पत्ति केवल अवैध कब्जों से बनाई है। संदेशखाली मामले में चार्जशीट में शाहजहां के अलावा उसके भाई आलमगीर और उनके दो साथी दीदार बक्स और शिबू हाजरा का भी नाम है। संदेशखाली में जमीन हड़पने को लेकर ईडी अधिकारियों के हाथ कई सनसनीखेज जानकारियां लगी हैं।

▶9 पर

केजरीवाल की अंतरिम जमानत आगे बढ़ाने पर शीघ्र सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाले में जमानत पर बाहर चल रहे दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत अवधि बढ़वाने की याचिका पर जल्द सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि जब जस्टिस दत्ता की पीठ पिछले हफ्ते बैठी हुई थी, तब याचिका क्यों दायर नहीं की गई थी? दिल्ली सीएम ने स्वास्थ्य आधार पर अपनी जमानत

अवधि को सात दिन बढ़वाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी, जिससे कोर्ट ने इनकार कर दिया।

केजरीवाल ने उनका वजन अचानक छह से सात किलो कम हो जाने के कारण कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने केजरीवाल की अंतरिम याचिका को स्वयं सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और

▶9 पर

आपा नेता आतिशी को मानहानि मामले में कोर्ट का समन

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी (आपा) की नेता और दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने आतिशी को समन भेजा है। जिसमें कोर्ट ने आतिशी को 29 जून को पेश होने के लिए कहा है। कोर्ट ने यह समन भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर द्वारा दायर मानहानि के मामले में भेजा है।

▶9 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 75,170.45
-220.05 -0.29% ↓
एनएसई :22,888.15
-44.30 (-0.19%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 23°

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बयान ने चौंकाया

बांग्लादेश को ईसाई मुल्क बनाने की साजिश

ढाका, 28 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि उनके देश के हिस्सों को तोड़ कर ईसाई मुल्क बनाए जाने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि म्यांमार और बांग्लादेश के कुछ हिस्से मिला कर गोरे लोगों वाला एक देश यहां एक ईसाई मुल्क बनाना चाहता है।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक कार्यक्रम में यह खुलासा किया है। यह कार्यक्रम बांग्लादेश के आम चुनावों के बाद 14 पार्टियों की एक बैठक को लेकर रखा गया था। इसकी शुरुआत पीएम शेख हसीना के भाषण से हुई। पीएम हसीना सत्ताधारी अवामी लीग की अध्यक्ष भी हैं। पीएम शेख हसीना ने कहा कि म्यांमार और बांग्लादेश के हिस्से काट कर एक ईसाई मुल्क बनाए जाने की साजिश है, जो कि पूर्वी तिमोर की तर्ज पर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा

म्यांमार और बांग्लादेश के हिस्सों को तोड़ने का षडयंत्र

कि इसे बांग्लादेश के चट्टोगाम (चटगांव) और म्यांमार के सीमाई इलाके लेकर बनाया जाएगा, इसी के साथ बंगाल की खाड़ी में एक सैन्य ठिकाना बनाए जाने की भी योजना है।

शेख हसीना ने आरोप लगाया कि यह सब गोरी चमड़ी वाले देश के लोग करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें यह प्रस्ताव मिला था कि यदि वह इस देश को बंगाल की खाड़ी में अपना सैन्य अड्डा बनाए जाने की अनुमति दे दें तो उनका दोबारा चुन कर आना काफी आसान कर दिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने देश का नाम नहीं लिया।

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने कहा कि वह अपने देश के हिस्सों को बेच कर सत्ता में नहीं आना चाहती थीं। उन्होंने लोगों को चेताया कि अभी आगे और भी समस्याएं बांग्लादेश के लिए खड़ी की जाएंगी,

▶9 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,850/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 96,510/- (प्रति किलोग्राम)

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वाराणसी-प्रयागराज, अयोध्या-लखनऊ की चार दिवसीय यात्रा का आयोजन

आस्था या आध्यात्मिक अनुशासन के लिए तीर्थ यात्रा एक मजबूत अवधारणा: बिन्दु रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यात्रा मनुष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह हमें नई जगहों की खोज करने, विभिन्न संस्कृतियों और लोगों से मिलने, अनुभवों को जीने और स्वयं को परिवर्तित करने का अवसर प्रदान करती है। साथ ही यह हमें आत्म-विकास, ज्ञान, समझ, और सामर्थ्य की ओर अग्रसर करती है। आज के मनोवैज्ञानिक युग में शिक्षण को मनोरंजक, आकर्षक, रुचिकर एवं समृद्ध बनाने का प्रयत्न किसी ना किसी माध्यम से होता है, उसमें एक पर्यटन यात्रा है।

जिससे शिक्षण विधि मजबूत हो और नेटवर्किंग भी बढ़े। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा नेटवर्किंग हेतु चार दिवसीय यात्रा एम्बार्क ऑन ए स्पिरिचुअल जर्नी-वाराणसी-प्रयागराज, अयोध्या-लखनऊ की ओर यात्रा का आयोजन अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में किया गया। बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस अध्यात्मिक यात्रा का लक्ष्य खुद को जानना है। हर धर्म में आस्था या आध्यात्मिक अनुशासन के एक कार्य के रूप में तीर्थ यात्रा एक मजबूत अवधारणा है। भारत के आध्यात्मिक महत्व को कायम रखते हुए यह यात्रा चलेगी। पर्यटन यात्रा एवं पर्यटन भारत देश का सबसे बड़ा सेवा क्षेत्र है। इसके अंतर्गत भारतीय परंपरा, संस्कृति, चिकित्सा, व्यापार एवं खेल पर्यटन के क्षेत्र आते हैं। संयोजिका सुमन सिंघवी ने बताया कि यात्रा पर्यटन स्थल की महत्ता एवं गुणवत्ता को बरकरार रखना एवं उपलब्ध पर्यटन सुविधाओं एवं सेवाओं का विस्तार करना है, ताकि इस क्षेत्र का आर्थिक विकास हो सके एवं इसमें रोजगार के अवसर बन सकें। सह-संयोजिका सुनीता बोरन्दिया ने सभी आध्यात्मिक क्षेत्रों की महत्ता जानने हेतु सभी को प्रेरित किया। इस यात्रा में जीतो चैप्टर साउथ महिला विंग की अध्यक्ष सुनीता गांधी, पूर्व अध्यक्ष अनिता पिरगल, बेंगलूरु नॉर्थ मेंटर सरिता खिंवेसरा, पैट्रन सदस्य अनीता गांधी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, कार्यसमिति सदस्य नीता गादिया, मनीषा डोशी, संगीता मुथा, जिगना कपासी, मीना मेहता, चंद्रा बोहरा ने व्यवस्था सँभाली। 42 सदस्यों का समूह वाराणसी मंदिर दर्शन एवं बुद्ध स्तूप, गंगा घाट आरती एवं प्रयागराज संगम आदि साथ-साथ किया।

केआरटीए का प्रथम स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

किलारी रोड ट्रेडर्स एसोसिएशन (केआरटीए) का प्रथम स्नेह मिलन रविवार को वीर डेंसी रिसोर्ट देवनहल्ली में आयोजित किया गया, जिसमे 150 सदस्यो ने भाग लिया।

एसोसिएशन के सचिव पूनम मेहता ने बताया कि मनोरंजन एवं खेल-कूद प्रतियोगिताओं में एसोसिएशन के सदस्यों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और विजेताओं का विभिन्न उपहारों से बहुमान किया गया।

भोजन उपरांत बैंक्वेट हॉल में संयोजकों के प्रोडक्ट्स की प्रदर्शनी बैनर्स द्वारा लगायी गई थी, जिनका बहुमान किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष सज्जन राज कोठारी, कोषाध्यक्ष गणपत माली ने आगन्तुकों का स्वागत किया एवं अध्यक्ष ने एसोसिएशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। साथ ही आने वाले समय में ऐसे प्रोग्राम रखने का आश्वासन भी दिया। मीडिया प्रायोजक ट्रेडिंग कंपनी का भी मोमेंटो द्वारा बहुमान किया गया। पदाधिकारी और समस्त कोर कमेटी के सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा जिनमें से उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं का मोमेंटो द्वारा बहुमान भी किया गया। कार्यक्रम में सभी सहयोगियों एवं पदाधिकारियों द्वारा केआरटीए की सदस्यता प्रमाणपत्र का अनावरण किया गया।

प्रवर्तिनी विचक्षणजी का संयम शताब्दी दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी द्वारा साध्वी स्वर्णांजना श्री जी की निश्रा में विलक्षण व्यक्तित्व की धनी प्रवर्तिनी विचक्षण श्री जी के 100 वें शताब्दी संयम दिवस पर गुणानुवाद सभा और सामूहिक सामायिक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अध्यक्ष तेजराज मालानी ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया और कहा कि सम्पूर्ण जैन समाज के लिए और विशेषकर खरतरगच्छ में ऐसी समतामूर्ति का होना अपने आप में गौरव की बात है। ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि कभी कभी प्रकृति की महान कृपा से विश्व को कुछ ऐसी विरल विभूति अनायास मिल जाती हैं जिन्हें पाकर यह वसुन्धरा धन्य हो उठती है। ऐसी दिव्य विभूतियों का जीवन भूली-भटकी मानवता का पथ आलोकित करता है। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अनेक अनछुए प्रसंगों को बताते हुए कहा कि विचक्षण जी ही एकमात्र ऐसी साध्वी थी जिन्होंने चिकपेट मन्दिर के 110 वर्षों के इतिहास में 45 वर्ष पूर्व स्वतंत्र चातुर्मास करके इतिहास रचा था, और अपने अद्भुत ज्ञान के द्वारा सार्थक नेतृत्व प्रदान किया। प्रवर्तिनी श्री विचक्षण जी ऐसी ही संत पंक्ति में आकर विराजती हैं। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने पूज्य प्रवर्तिनी के बारे में बताया कि आप श्री का जन्म अमरावती (महाराष्ट्र) में सन् 1912 में हुआ, आठ वर्ष में पिता के देहांत से वैराग्यवासित सांसारिक नाम दाखी ने 11 वर्ष की अल्पायु में बहुत संघर्ष के पश्चात राजस्थान के पीपाड़.नगरी में जेठ वदि पंचमी, वि.सं 1981, सन् 1924 के आज ही के शुभ दिन मां रूपाबाई के साथ साथ संयम मार्ग पर अग्रसर हुई। सम्पूर्ण भारत के विभिन्न प्रांतो में पद विचरण करके उन्होंने धर्म की अलख जगाई। उनके व्यक्तित्व से प्रभावित अनेकानेक संतों व श्रीसंघों ने जैन कोकिला विश्व प्रेम प्रचारिका, व्याख्यान भारती, व्याख्यान वाचस्पति, जैन मीरा, समन्वय साधिका, शासन प्रभाविका, गुड़श्री आदि कितनी ही पदवीयों से अलंकृत किया। श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के राजेन्द्र गु-लेच्छा ने पूज्य विचक्षण जी के समतामयी जीवन को दर्शाते गीत से उनको भावांजली दी। अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् की अध्यक्षा आरती जैन ने अपने विचार रखे। सामूहिक सामायिक कार्यक्रम में श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल का विशेष सहयोग रहा। आज की सामूहिक प्रभावना कुसुम देवी तेजराज मालानी परिवार, मोकलसर - बेंगलूरु निवासी की ओर से प्रदान की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भन्साली, पारसमल पगारिया, अनिल भडकतिया के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

राकेश छाजेड़ बने राजाराजेश्वरी नगर के नये अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, राजाराजेश्वरी नगर की वार्षिक साधारण सभा 2024 का आयोजन सोमवार शाम को अध्यक्ष छतरसिंह सेठिया की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन में किया गया। सभा से पूर्व अध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी एवं साध्वी उदितयशा जी से मंगल पाठ श्रवण किया।

नमस्कार महामंत्र स्मरण के द्वारा साधारण सभा का शुभारम्भ हुआ। सरोज आर बैद ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया। अध्यक्ष ने पधारे हुए सभी महानुभावों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए पूज्य आचार्य प्रवर, साध्वी प्रमुखाजी और विगत दो वर्षों में बेंगलूरु पधारे सभी चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की, जिनका मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहा। अपने 2 साल के कार्यकाल की सफलता का श्रेय अपने पूर्व अध्यक्षों, कैबिनेट, कार्यकारिणी सदस्यों, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल एवं श्रावक समाज को दिया। सभा के प्रथम अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ एवं निवर्तमान अध्यक्ष मनोज डागा ने पूरी टीम को बधाई देते हुए आगामी कार्यकाल की सफलता की शुभकामनाएं प्रेषित की। दो वर्ष के गति-प्रगति का वर्णन मंत्री हेमराज सेठिया ने किया। कोषाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने व्यवस्थित रूप से गत वर्ष के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया, जिसे सदन ने ओम अर्हम की ध्वनि से पारित किया। ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़ ने बताया कि इस वर्ष 15 नये बच्चे और जुड़े है तथा ज्ञानशाला सुचारू रूप से नियमित चल रही है। संगठन मंत्री राजेश छाजेड़ ने इस क्षेत्र के सभी परिवारों को सभा से जोड़ने हेतु सघन सदस्यता अभियान चलाने एवं आजीवन सदस्यता फीस को कम करने का प्रस्ताव रखा, जिसे कुछ विचार-विमर्श उपरांत पारित किया गया। तत्पश्चात गणपत कोठारी की फर्म जीएल कोठारी एंड कं को आगामी दो वर्ष हेतु पुनः अंकेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। तत्पश्चात वर्तमान कार्यसमिति के सभी सदस्यों ने अपने पद का विसर्जन किया। चुनाव अधिकारी धनराज टाँटिया एवं सह-अधिकारी विकास दुगड़ ने मनोनयन की प्रक्रिया को शुरू करते हुए एकमात्र प्राप्त नामांकन के आधार पर वर्ष 2024-26 के अध्यक्ष पद हेतु राकेश छाजेड़ के नाम की घोषणा की। सदन में उपस्थित सभी सदस्यों ने जोरदार ध्वनि के साथ नवमनोनीत अध्यक्ष का स्वागत किया। छतरसिंह सेठिया ने नवनियुक्त अध्यक्ष को जैनपट्ट एवं माला पहनाकर अध्यक्ष पद पर स्थापित किया। नवमनोनीत अध्यक्ष को हार्दिक बधाई एवं सदैव साथ देने का विश्वास दिलाया एवं सक्षम हाथों में मंडल की बागडोर सौंपने पर गर्व व्यक्त किया। ट्रस्ट, तेयुप, तेममं, समण संस्कृति संकाय, ज्ञानशाला परिवार, उपस्थित गणमान्य सदस्यों एवं सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने नवनियुक्त अध्यक्ष को बधाइयां दी।

बेलूर में भीड़ ने घरों में तोड़फोड़ की

हिंदू संगठनों ने बंद का किया आह्वान

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

कथित व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता को लेकर भीड़ ने एक युवक पर हमला किया और कुछ घरों में तोड़फोड़ की, जिसके बाद बेलूर शहर में तनाव फैल गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कई परिवारों ने सोमवार रात बेलूर पुलिस स्टेशन पर प्रदर्शन किया। पुलिस के मुताबिक, लोगों के एक बड़े समूह ने अभिलाष (29) पर हमला किया और उसे बुरी तरह घायल कर दिया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

जीतो ग्रोथ समिट की स्टॉल बुकिंग का कार्य प्रगति पर

जीतो बेंगलूरु साउथ का 8-9 जून को विशाल आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो जैन व्यवसाइयों, उद्योगपतियों, पेशेवरों इत्यादियों का एक वैश्विक संगठन है जो नैतिक व्यवसायिक प्रथाओं तथा सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिये प्रतिबद्ध है।

इसी कड़ी में जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा जीतो ग्रोथ समिट व जीतो ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है, जो 2030 तक होने वाले व्यवसायिक रुझानों को प्रदर्शित करेगा।

अपने क्षेत्र के सबसे बड़े व्यापारिक मेलों में से एक बनने के लिये तैयार इस ट्रेड फेयर में अनेकों श्रेणियों के उत्पादकों व विभिन्न प्रकार के व्यापारियों को अपने उत्पाद व पेशेवर सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से ट्रेड फेयर में टेक पवेलियन, रियल स्टेट, आई टी, ज्वैलरी, परिधान, डिजायनर कपड़े, होम डेकॉर एवं पेशेवरों इत्यादि की स्टॉल्स प्रमुख है। आने वाले 8-9 जून को चाम्रा वज्रा में आयोजित होने वाले जीतो ग्रोथ समिट एवं ट्रेड फेयर की स्टाल बुकिंग के बारे में जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने बताया कि 200 स्टाल की बुकिंग हो चुकी है और बाकी के स्टाल की बुकिंग का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि व्यापार मेले को मिली इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखकर वो रोमांचित है और हमे पूरा विश्वास है कि यह आयोजन व्यवसाइयों को ग्राहकों से जुड़ने और आगंतुकों को नये उत्पादों व सेवाओं की खोज करने का अनूठा मंच प्रदान करेगा।

महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल के अनुसार आयोजन में दो दिनों में 50000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है और यह ऐसा अवसर है जिसे छोड़ा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि व्यापार मेला पूरे क्षेत्र के व्यवसायों और व्यक्तियों को एक साथ लाने के जीतो के प्रयासों का एक प्रमाण है। उनके अनुसार ग्रोथ समिट में व्यवसायिक गतिविधियों के साथ में जैन पवेलियन, बच्चों का अखाड़ा और जैन भोजन परोसने वाला फूड कोर्ट भी होगा, जो इसे सभी उम्र के आगंतुकों के लिए एक मजेदार अनुभव बना देगा। ग्रोथ समिट व व्यापारिक मेले तथा स्टाल बुकिंग की अधिक जानकारी के लिये जीतो के चामराजपेट कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

अनुभव दौरा में बच्चों ने छोटे बड़े पशु पक्षियों को नजदीक से देखा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में संचालित नवकार संस्कार क्लास के बच्चों को मंगलवार को कनकपुरा रोड स्थित प्राणी पशु पक्षी सेन्क्चुरी (अभयारण्य) का अनुभव दौरा कराया। धार्मिक अध्यापक एवं युवक संघ के सदस्यों के नेतृत्व में 70 बच्चों ने छोटे बड़े पशु पक्षियों को नजदीक से देखा और उनकी जीवन चर्या को अनुभव किया। प्राणी संस्था के व्यवस्थापकों ने संस्था के कार्य की बच्चों को जानकारी दी और बताया कि हमारे शोर से मासुम प्राणियों को परेशानी होती हैं। बच्चों ने भी कई सवाल पूछ कर अपनी जिज्ञासा का परिचय दिया। बच्चों ने छोटे छोटे और कई अद्भुत पशु पक्षियों की आवाजें सुनी। उनकी चाल देखी। आंखों से झरती मासुमियत देखी। उनका आपस में अपनत्व और वात्सल्य को देखा और भावुक हो गए। कइ बच्चों ने इन प्राणियों से बात करने का प्रयास किया।

उनका हौसला देखा और आजादी की आकांक्षा देखी। बच्चों ने बहुत उत्सुकता से पशु पक्षियों का खान-पान देखा और वहां के व्यवस्थापकों के निर्देशन में सभी को हाथों से छू कर देखा और प्यार किया। उन की प्रतिक्रिया देखी। महिला मंडल से सूरजी बाई छाजेड, इन्दिरा बाई गादिया, किरण बाई गादिया, पिंकी चोरडिया, राजेश्वरी तातेड तथा युवक संघ के मंत्री गौतम बांठिया इस अनुभव यात्रा में सम्मिलित थे। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने मांगलिक प्रदान कर यात्रा बस को रवाना किया।

राज्य में सबसे खराब कानून व्यवस्था: डीवी सदानंद गौड़ा

राज्य सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी.सदानंद गौड़ा ने आलोचना की कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। भाजपा की ओर से मंगलवार को शहर के फ्रीडम पार्क के पास एक बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने चिंता व्यक्त की कि सड़कों पर गुंडागर्दी की प्रवृत्ति बढ़ गई है और जो महिलाएं और युवा घर छोड़ चुके हैं उनमें घर लौटने की हिम्मत नहीं है। सोमवार को एक अधिकारी ने आत्महत्या कर ली, जो भ्रष्टाचार का दर्पण है। मालूम हो कि राज्य के सभी अधिकारी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों के दबाव में हैं। भाजपा अधिकारियों के पक्ष में है। उन्होंने अनुरोध किया कि किसी को भी आत्महत्या नहीं करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही गड्ढों को बंद करने का कार्य नहीं किया गया और भ्रष्टाचार इसी तरह जारी रहा तो उग्र संघर्ष अवश्यंभावी होगा। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार सही दिशा में नहीं आएगी तो भाजपा कार्यकर्ता सही काम करेंगे। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि वह बेंगलूरु ब्रांड के जरिए सिंगापुर, न्यूयॉर्क, यूएसए बनाएंगे। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि बेंगलूरु को एक साल से एक रुपया भी जारी नहीं किया गया है। राज्य का 60 से 65 फीसदी टैक्स बेंगलूरु से वसूला जाता है। सिद्धरामैया ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि हमारा टैक्स हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि अब बेंगलूरु के लोग टैक्स के अधिकार के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं।

ये बारिश का ट्रेलर है। बरसात का मौसम शुरू होते ही सड़कें गड्ढों से भर गई हैं। कूड़ा-कचरा हर जगह है। कूड़ा बीनने वालों को जनवरी से भुगतान नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने पहले सूखे पेड़ को हटाने का सुझाव दिया था। पूर्व डीसीएम डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा अगर बेंगलूरु के लोगों को परेशान किया गया तो हम चुप नहीं रहेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि विरोध तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस सरकार के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने बेंगलूरु जैसे प्रतिभाशाली, आशाजनक शहर की उपेक्षा के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की और कहा कि क्या इस सरकार को कोई समझ है। यह सबसे भ्रष्ट सरकार है। उन्होंने शिकायत की कि सरकार ठेकेदारों का खून चूस रही है। पूर्व मंत्री बैराती बसवराज, गोपालैय्या, मुनिरत्न, नारायण गौड़ा, विधायक विश्वनाथ, मुनिराजू, रविसुब्रमण्यम, कृष्णप्पा, विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी, बेंगलूरु के पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, बीबीएमपी के पूर्व सदस्य, भाजपा बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सी.के. राममूर्ति एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

चन्द्रशेखरन की हत्या के मामले में पूरी कैबिनेट शामिल

अशोक ने गंभीर आरोप लगाया है कि कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम के अधीक्षक चंद्रशेखरन की हत्या में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली पूरी कैबिनेट शामिल है। कांग्रेस नेता हमसे पूछते थे कि क्या विपक्षी नेताओं के पास उनकी आत्महत्या का कोई सबूत या रिकॉर्ड है। डेथ नोट में कई बातें लिखकर चन्द्रशेखरन ने आत्महत्या कर ली और सबूत चाहिए? अशोक ने कहा कि एक अधिकारी ने पत्र लिखकर आत्महत्या कर ली। 187 करोड़ की लूट हुई जिसका जिक्र डेथ नोट में लिखा है। उन्होंने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इससे ज्यादा सबूत क्या चाहिए। पूर्व मंत्री के.एस.ईश्वरप्पा ने अपने ऊपर आरोप लगने पर नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। अब जब ऐसा ही आरोप एक मंत्री पर लगा है तो उन्होंने मांग की है कि मंत्री नागेंद्र को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर मुख्यमंत्री को कैबिनेट से बर्खास्त कर देना चाहिए। सरकार में एक भी विकास कार्य नहीं हो रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र में यह आरोप सुनने को मिलते हैं कि रिश्वत देने पर ही सब कुछ ठीक से चलेगा।

किसानों को सूखा राहत नहीं देने पर भाजपा ने सरकार पर साधा निशाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्र से राज्य को सूखा राहत जारी करने के बावजूद किसानों के खाते में राशि जमा करने में विफल रहने पर भाजपा राज्य सरकार के खिलाफ उतर आई है। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर.अशोक ने अपनी आधिकारिक सोशल नेटवर्किंग साइट पर अलग-अलग पोस्ट कर सरकार के खिलाफ तीखा हमला बोला है। भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि परेशान किसानों की बात सुनने वाला कोई नहीं है।

पिछले मॉनसून और मॉनसून की नाकामी से जूझ रहे किसानों ने सरकार के प्रति नाराजगी जताई है कि इस बार की बारिश के बीच वे नकदी के बिना बुआई का काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में भी सरकार द्वारा दी जाने वाली सूखा राहत भी किसानों के खाते में नहीं जाती है, यही हाल फसल बीमा नकदीकरण का भी है। कांग्रेस सरकार आने के बाद एक साल से किसान भले ही किसी न किसी परेशानी से जूझ रहे हैं, लेकिन इस सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के अलावा किसी भी लोकप्रिय काम पर ध्यान नहीं दिया है। अन्नदाता ने किसानों से अपील की है कि वे किसानों की मदद के लिए आगे आएं और तकनीकी दिक्कतों के नाम पर बिना पैसे जोड़े उस किसान की मदद करें जो हताशा की स्थिति में है। इस संबंध में विजयेंद्र ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया निर्देश भी स्थिति के लायक नहीं है। एक अन्य पोस्ट में विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने चेतावनी दी कि अगर अच्छी बारिश के बावजूद भी कांग्रेस सरकार किसानों की मदद के लिए नहीं आती है, तो लोग यह निष्कर्ष निकाल लेंगे कि इस सरकार के पास कोई विकल्प नहीं है।

मानो भगवान ने दिया, लेकिन पुजारी ने नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने किसानों के सूखे से राहत के लिए 3,454 करोड़ रुपये जारी किए हैं, एक महीना बीत जाने के बाद भी यह किसानों के बैंक में जमा नहीं हुए हैं। अशोक ने आलोचना करते हुए कहा कि जब तक यह बेचारी कांग्रेस सरकार खत्म नहीं होगी, तब तक देश के अन्नदाताओं को कोई राहत नहीं मिलेगी। इससे पहले विजयेन्द्र ने कहा कि यौन अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे जद (एस) के निलंबित सांसद प्रज्वल रेवन्ना को राज्य जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होना चाहिए। विजयेंद्र ने कहा एक सांसद होने के नाते प्रज्वल रेवन्ना को इस मामले में स्पष्ट बयान देना चाहिए। उन्हें एसआईटी जांच का सामना करना चाहिए। यह हमारी भी मांग है। इसके अलावा, सत्ता में एक साल पूरा होने पर कर्नाटक सरकार पर निशाना साधते हुए, राज्य भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी उपलब्धि एक बड़ा शून्य है। कांग्रेस सरकार ने सत्ता में एक साल पूरा कर लिया है, लेकिन उनकी उपलब्धि शून्य है। कोई विकास नहीं हुआ है। कर्नाटक में कानून व्यवस्था की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। लोग सवाल पूछ रहे हैं कि यहां कोई सरकार है या नहीं। सीएम और गृह मंत्री को इसकी कोई परवाह नहीं है।

भाजपा को वंशवादी राजनीति से मुक्त कराना होगा: के एस ईश्वरप्पा

कांग्रेस की वंशवादी संस्कृति का अनुसरण कर रही भाजपा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वयोवृद्ध भाजपा नेता और पूर्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा ने कहा राज्य भाजपा की राजनीति को शुद्ध करने की जरूरत है। पार्टी को वंशवादी राजनीति से मुक्त करना होगा। मुझे निराशा है कि भाजपा कांग्रेस की वंशवादी राजनीति की संस्कृति का अनुसरण कर रही है। यहां मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए, ईश्वरप्पा ने कहा मैं दक्षिण-पश्चिम स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार रघुपति भट के पक्ष में प्रचार करने के लिए उडुपी आया हूं। मैं भाजपा को कांग्रेस की वंशवादी संस्कृति का अनुसरण करते हुए देखकर बहुत आहत हूं। पिता और पुत्र दोनों निर्णय ले रहे हैं और पार्टी पर शासन कर रहे हैं। हर पार्टी कार्यकर्ता ने, जाति से ऊपर उठकर, पार्टी के उत्थान के लिए काम किया है और हर संघर्ष में शामिल रहा है।

भाजपा ने हिंदुत्व को एक तरफ रख दिया है और जाति की राजनीति में लगी हुई है, जो पिछले चुनाव में बीजेपी की 60 सीटें हारने का कारण है। जो लोग बीएस येदियुरप्पा के करीबी हैं, उन्हें टिकट के लिए विचार किया जा रहा है, जबकि बाकी लोगों को लगातार काम करने के बावजूद नजरअंदाज किया जा रहा है। राज्य

भाजपा की राजनीति को शुद्ध करने, भाजपा को वंशवाद की राजनीति से मुक्त करने की आवश्यकता है। रघुपति भट और मैं वंशवाद की राजनीति से आहत हुए हैं। उन्होंने अंतिम क्षण में एमएलसी टिकट से इनकार करके और किसी को देकर रघुपति भट को धोखा दिया है। जो कभी हिंदू विरोधी थे और हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए हैं। मुझे विश्वास है कि रघुपति भट विजयी होंगे क्योंकि हमें उम्मीदों से परे जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। लोगों ने मेरे और रघुपति भट दोनों के साथ हुए अन्याय को देखा है, हिंदुत्व की उपेक्षा की गई है। भाजपा अब स्वार्थी नेताओं के हाथों में है, और वहां इसे इसकी पूर्व स्थिति में बहाल करने के लिए इसके शुद्धिकरण की आवश्यकता है। ईश्वरप्पा ने कहा मैं बागी उम्मीदवार बताए जाने से असहमत हूं, क्योंकि मैं एक स्वतंत्र उम्मीदवार हूं और पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता। प्रज्वल रेवन्ना मामले के बारे में पूछे जाने पर केएस ईश्वरप्पा ने कहा यह पूरे देश के लिए शर्मनाक मुद्दा है और महिलाओं का अपमान है। मैं एसआईटी के बजाय मामले की सीबीआई जांच की मांग करता हूं। मतदाता शिक्षित हैं और भाजपा, जद(एस), कुमारस्वामी और डीके शिवकुमार की भूमिका के बारे में जानते हैं। रायन्ना ब्रिगेड को फिर से शुरू करने पर ईश्वरप्पा ने कहा चुनाव नतीजों के बाद मैं रायन्ना ब्रिगेड को दोबारा शुरू करने के बारे में चर्चा करूंगा और फैसला करूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि मैंने शहर में सड़क पर नमाज पढ़ने वाले लोगों का एक वीडियो देखा है। मैं सड़क पर नमाज पढ़ने वालों की तत्काल गिरफ्तारी और देश विरोधी मामला दर्ज करने की मांग करता हूं। सभी मुसलमान विरोधी नहीं हैं। लेकिन कुछ लोगों के कृत्यों के कारण पूरे मुस्लिम समुदाय को दोषी ठहराया जाता है, और अच्छे मुस्लिम लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं।

विजयपुरा में लड़की के परिवार ने युवक को आग लगा दी

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के मुद्देबिहाल में एक लड़की से प्यार करने वाले युवक को लड़की के परिवार ने कथित तौर पर आग लगा दी। हालांकि, परिवार की ओर से एक जवाबी शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि युवक ने खुद लड़की को जलाने की कोशिश की। यह घटना सोमवार रात को हुई और युवक, जिसकी पहचान राहुल बिरादर के रूप में हुई है, जल गया है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लड़की के परिवार के तीन सदस्य भी झुलस गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राहुल बिरादर और ऐश्वर्या प्यार में थे और जब उनके परिवारों को इसके बारे में पता चला, तो उन्होंने कथित तौर पर बातचीत की और प्रेमियों को अलग कर दिया। युद्धविराम के मुताबिक युवक और युवती ने खुद को एक दूसरे से दूर रखा था। हालाँकि, हाल ही में, राहुल ऐश्वर्या के घर के आसपास घूमता रहता था। लड़की ने उसे डांटने और उसके घर के पास न आने के लिए फोन किया था। हालाँकि, बातचीत ने कथित तौर पर खराब मोड़ ले लिया और राहुल जानबूझकर उसके घर गया। आरोप यह है कि ऐश्वर्या के घर पहुंचने पर उसके पिता अप्पू मदारी ने उसे रोक लिया और कथित तौर पर उसे आग लगा दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटना में लड़की के पिता, उसकी चाची और चाचा भी झुलस गए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, लड़की के परिवार ने आरोप लगाया है कि वह युवक ही उनकी बेटी को जलाने के लिए अपने साथ पेट्रोल लाया था। मुद्देबिहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

व्यक्ति ने पत्नी की हत्या की, शव के टुकड़े किये

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तुमकुरु जिले में एक चौंकाने वाली घटना में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फिर शव को टुकड़ों में काट दिया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटना जिले के होस्पेट गांव में हुई। मृतक महिला की पहचान 32 वर्षीय पुष्पा के रूप में हुई। आरोपी पति की पहचान शिवराम के रूप में हुई, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक सोमवार रात पत्नी से झगड़े के बाद शिवराम ने वारदात को अंजाम दिया। उसने कथित तौर पर पुष्पा का सिर काट दिया और रसोई में उसके शरीर के टुकड़े कर दिए। पुष्पा शिवमोग्गा जिले के सागर शहर की रहने वाली थीं। दंपति अपने आठ साल के बच्चे के साथ किराए के मकान में रहते थे। आरोपी एक आरा मशीन पर हेल्पर के तौर पर काम करता था। अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दंपति के बीच अक्सर झगड़ा होता था।

कांग्रेस में 7 काउंसिल सीटों के लिए 300 से अधिक उम्मीदवार हैं, हाईकमान चुनेगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है, को जून के पहले सप्ताह में 7 विधान परिषद सीटों के लिए 300 से अधिक उम्मीदवारों के चुनाव का सामना करना पड़ रहा है।

मंगलवार को कांग्रेस पार्टी आलाकमान के साथ चर्चा के लिए दिल्ली रवाना होने से पहले मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि पार्टी आलाकमान चयन के लिए मानदंड अपनाएगा और उम्मीदवारों का चयन करेगा। विभिन्न श्रेणियों के उम्मीदवार हैं। सभी जातियों, समुदायों और क्षेत्रों को समायोजित करना संभव नहीं है, भले ही उम्मीदवारों ने ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर पार्टी के लिए काम किया हो। केपीसीसी प्रमुख ने कहा कि मांग है कि तटीय कर्नाटक, कित्तूर और कल्याण कर्नाटक के साथ-साथ पुराने मैसूरु क्षेत्र को प्रतिनिधित्व के लिए मौका मिलना चाहिए। उन्होंने यह समझाते हुए कहा कि कुछ मौजूदा एमएलसी हैं, जो फिर से चुनाव की मांग कर रहे हैं। यह हाईकमान पर छोड़ दिया गया है। देखते हैं क्या फैसला होगा। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर के इस बयान पर कि उम्मीदवारों के चयन पर अकेले मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को निर्णय नहीं लेना चाहिए,

उन्होंने कहा निश्चित रूप से, हम उनके विचार भी जानेंगे। प्रबंध निदेशक पर उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के बाद वाल्मिकी विकास निगम के एक अधिकारी की आत्महत्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैंने इस घटना के बारे में समाचार पत्रों में पढ़ा। मैं विवरण प्राप्त करूंगा और बाद में इसके बारे में बात कर सकूंगा। उन्होंने केपीसीसी अध्यक्ष को बदलने की संभावना पर सवालों को टाल दिया और कहा आपके पास विवरण होना चाहिए। मैं किसी भी चीज से अनजान हूँ। इससे पहले सुबह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष केआर रमेश कुमार ने शिवकुमार से उनके आवास पर मुलाकात की और चर्चा की। कांग्रेस विधायक प्रदीप ईश्वर, कोट्टानूर मंजूनाथ, नसीर अहमद, अनिल कुमार और अन्य उपस्थित थे।

20 बांग्लादेशी घुसपैठियों को मुंबई की कोर्ट ने सुनाई सजा

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)।

मुंबई की एक अदालत ने भारत में घुसपैठ करने वाले 20 बांग्लादेशियों को 8 माह की सजा सुनाई है। इन पर 4-4 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर इन्हें 16 महीने की अतिरिक्त सजा काटनी पड़ेगी। अदालत ने इन्हें गैर कानूनी तरीके से भारत में प्रवेश करने और फर्जी पहचान पत्र तथा अन्य कागजात बनवाने का दोषी पाया। सजा का ऐलान शुक्रवार 24 मई 2024 को हुआ।

19 अक्टूबर 2023 को मुंबई की बोरीवली पुलिस को अवैध तौर पर मौजूद बांग्लादेशियों की सूचना मिली थी। पुलिस ने दबिश देकर 3 बांग्लादेशी गिरफ्तार किए। इनसे हुई पूछताछ के आधार पर नालासोपारा, विरार और पुणे से 17 और घुसपैठियों को दबोचा गया। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ जांच कर आरोप-पत्र अदालत में पेश कर दिए थे। जांच के दौरान पुलिस की टीमें महाराष्ट्र के कई हिस्सों के अलावा पश्चिम बंगाल तक गईं।

गिरफ्तार घुसपैठियों के पास से अवैध तौर पर बने भारतीय पहचान पत्र व अन्य कागजात बरामद हुए थे।

पुणे से इन बांग्लादेशियों को भारत में बसाने और सुविधाएं देने वाले कुछ एजेंट भी गिरफ्तार किए गए थे। उनसे हुई पूछताछ में कुछ पुलिस अधिकारियों के नाम सामने आए जो घुसपैठ में मददगार थे। उन्होंने घुसपैठियों के अवैध कागजातों को तैयार करने में एजेंटों का साथ दिया था। पुणे के पुलिस कमिश्नर ने पूरे मामले की जांच करवाई और 3 अलग-अलग थानों में तैनात कुछ पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर उनके विरुद्ध विभागीय जांच बिठा दी थी।

इन सभी के खिलाफ मुंबई के किला कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत में बचाव और अभियोजन दोनों पक्षों ने अपनी बात रखी। शुक्रवार को कोर्ट ने पुलिस द्वारा पेश किए गए सबूतों को सजा के लिए पर्याप्त माना। सभी 20 बांग्लादेशी घुसपैठियों को 8-8 माह की कैद और 4-4 हजार के जुर्माने की सजा हुई। सभी घुसपैठियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। सजा पूरी होने के बाद इन्हें बांग्लादेश को सौंप दिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार इनमें से कई ने भारतीय पहचान का इस्तेमाल कर पासपोर्ट भी बनवा लिए थे। इस पासपोर्ट के आधार पर ये विदेश जाने की फिराक में थे।

नागालैंड में भारी बारिश के कारण चार लोगों की मौत, 40 से अधिक घरों को नुकसान

कोहिमा, 28 मई (एजेंसियां)।

रेमल चक्रवात के बाद से नागलैंड में भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण राज्य में करीब चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, 40 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है। बता दें, चक्रवाती तूफान रविवार रात को पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों से टकराया था। तूफान के कारण बंगाल-बांग्लादेश में सबसे अधिक नुकसान हुआ। वहीं, तूफान के कारण नागालैंड-ओडिशा में भी अलर्ट था। नागालैंड के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि चक्रवात के कारण भारी बारिश के बाद मेलुरी उपखंड में एक सात साल का बच्चा डूब गया। सोमवार को वोखा जिले के दोयांग बांध में दो लोग डूब गए। इसके अलावा, फेक जिले में दीवार गिरने से एक बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि नागालैंड राज्य आपदा

प्रबंधन प्राधिकरण (एनएसडीएमए) को राज्य भर से घरों और संपत्तियों को हुए नुकसान की रिपोर्ट मिली है। रिपोर्ट में मोकोकचुंग जिले का चुचुयिमलांग गांव, तुएनसांग जिले का नोक्सेन उपखंड और जुन्हेबोटो जिले के अवोत्साकिली गांव भीषण रूप से प्रभावित हैं। राहत-बचाव एनडीआरएफ भी मुस्तैद है।

अधिकारी ने बताया कि राज्य के इतिहास में पहली बार खोज अभियान के लिए एनएसडीएमए ने एक अंडरवाटर ड्रोन की मदद भी ली। लगातार बारिश के कारण मंगलवार को फेक जिले के किकरूमा गांव में भूस्खलन भी हुआ। मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री पेमा खांडु ने मंगलवार को राज्य के लोगों से सभी एहतियाती कदम उठाने और तूफान से प्रभावित क्षेत्रों से बचने का अनुरोध किया। मौसम विभाग ने मंगलवार और बुधवार को कुरुंग कुमेय, निचला सुबनसिरी, शि-योमी, पश्चिम सियांग, लोहित, चांगलांग, तिरप और लोंगडिंग जिले में भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है।

इस साल पहले पांच महीने में हुए भयंकर अग्निकांड

अबतक 55 की मौत, 300 से अधिक घायल

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय राजधानी में इस साल अब तक आग लगने से 55 लोगों की मौत हुई। जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। सोमवार को सामने आए आधिकारिक आंकड़ों में इसका खुलासा किया गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के मुताबिक आग लगने से जनवरी में 16, फरवरी में 16, मार्च में 12 , अप्रैल में चार और 26 मई तक 7 लोगों की मौत हुई। आग लगने की घटनाओं में जनवरी में 51, फरवरी में 32, मार्च में 62, अप्रैल में 78 और 26 मई तक 71 लोगो घायल हुए हैं। एक जनवरी से 26 मई तक डीएफएस को आग की घटनाओं से जुड़ी 8,912 फोन कॉल मिले। आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में इसी अवधि के दौरान 36 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल आग लगने की कॉल की संख्या बढ़कर 32.26 फीसदी हो गई। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 1 जनवर से 26 मई के बीच आग लगने की घटनाओं से जुड़े 6,436 फोन कॉल आए थे। लेकिन इस साल इसी अवधि के दौरान 8,912 आग से संबंधित कॉल के साथ यह संख्या 32 फीसदी से अधिक बढ़ गई है।

अधिकारी ने कहा, पिछले साल 36 लोगों की जान गई थी, इस साल अब तक कुल 55 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार स्थित एक निजी बाल अस्पताल में रविवार को भीषण आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया कि नवजात बच्चों के अस्पताल में शनिवार की रात करीब साढ़े 11 बजे आग लगी और जल्द ही पास की दो अन्य इमारतों तक फैल गई। आग बुझाने के लिए 16 दमकल वाहनों को लगाया गया और अस्पताल से 13 बच्चों को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया। इसमें से छह की मौत हो गई। पुलिस ने कहा था कि आग लगने से पहले ही एक बच्चे की मौत हो चुकी थी।

डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि नवजात अस्पताल के पास फायर एनओसी नहीं थी और यहां तक कि आग को बुझाने के लिए भी उचित इंतजाम नहीं थे। इसके अलावा वहां ऑक्सीजन सिलेंडर भी रखे हुए थे, जो फट गए थे। एनओसी जरूरी हो या नहीं, सभी को सभी प्रकार की इमारतों में उचित आग से सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। स्प्रिंकलर लगाना आगे से निपटने और अग्निशामकों को सूचित करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। इस घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मृतक नवजातों के शोक-संतप्त माता-पिता के साथ संवेदना व्यक्त की थी। पुलिस ने रविवार को अस्पताल के मालिक को गिरफ्तार किया। अस्पताल में योग्य डॉक्टर भी नहीं थे और अग्निशमन विभाग से कोई मंजूरी भी नहीं थी।

राजद के अंधकार को दूर कर आरके सिंह ने देश में पहुंचाई बिजली: योगी

आरा से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री आरके सिंह के पक्ष में योगी ने की जनसभा

भोजपुर (बिहार), 28 मई (एजेंसियां)।

आरा ने आरके सिंह को चुनाव जिताया तो उन्होंने राजद के अंधकार को दूर कर जगह-जगह बिजली पहुंचाई और पूरे देश को उजाला दिया। आरके सिंह के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के एक लाख 20 हजार मजरों में बिजली पहुंचाई गई। 1.53 करोड़ गरीबों को फ्री में विद्युत कनेक्शन दिए गए। अब उत्तर प्रदेश में बिजली 24 घंटे मिलती है। आरा ने सांसद चुना। आपका एक वोट यश का भागीदार बना देता है। मोदी जी के अभियान, मिशन और विजन को आरके सिंह पूरे देश में लागू कर रहे हैं। इससे बिहार और आरा का नाम हो रहा है। जनता अच्छा फैसला लेती है तो परिणाम अच्छे आते हैं। सात वर्ष में से नो कर्फ्यू, नो चंगा, यूपी में सब चंगा है। हमने भगवान राम के संकल्प को जीवन का हिस्सा बनाया। यूपी में अब कोई रंगदारी नहीं लेता। माफिया की वहां

रामनाम सत्य की यात्रा निकल गई। बेटी-व्यापारी के लिए खतरा बनने वाले को यमराज अगले चौराहे से उठा ले जाते हैं। बिहार में राजद और कांग्रेस का गठबंधन फिर से नक्सलियों को आपकी सुरक्षा में सेंध लगाने भेज रहा है। इसे पनपने न देना।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री व आरा से सांसद आरके सिंह के पक्ष में मंगलवार को भोजपुर के पररिया स्पोर्ट्स ग्राउंड में जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि आरा की बात आती है तो 1857 याद आता है। 80 वर्ष की आयु में वीर बाबू कुंवर सिंह ने अंग्रेजों को मार-मारकर खदेड़ा था और आजमगढ़ तक का भूभाग मुक्त कराया था। आरके सिंह जब आईपीएस हुए थे तो उनकी आयु 20 साल थी। जब शादी हुई तो वे आईएएस बने। यहां के दामाद और आरा के सपूत प्रशासनिक सेवा के जिस भी पद पर रहे, यहां की धरती के मान को बड़े गर्व से बढ़ाया। भारत के गृह सचिव के रूप में उन्होंने शानदार काम किया। पांच साल से उनके कार्य को बहुत नजदीक से देख रहा हूं। सीएम ने अपील की कि राजकुमार सिंह को आरा का फिर से आशीर्वाद प्राप्त हो।

सीएम ने कहा कि हमने बदलते भारत को देखा है। 2014 के पहले और बाद के भारत में जमीन-आसमान का अंतर दिखेगा। 2014 के पहले के भारत में कांग्रेस और बिहार में राजद ने पहचान का संकट खड़ा किया था, लेकिन 2014 के बाद का भारत दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रहा है। 2014 के बाद के भारत में आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हो गया। जब देश मजबूत हाथों में रहता है तो दुश्मन दबकर चलते हैं। अब एक्सप्रेसवे, टूलेन, फोरलेन, 12 लेन के हाईवे बन रहे हैं। आरा का रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट सरीखा बन रहा है। 2014 के पहले के भारत में गरीब भूख से मरता था। आज 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिलता है। मोदी जी के नेतृत्व में विकास, सम्मान, सुरक्षा व गरीब कल्याण है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस व राजद ने मौका मिलने पर देश, बिहार, सनातन धर्म से छल किया। वोट आपका, लेकिन सरकार बनने पर पेट भरा परिवार का। लालू जी परिवार के बाहर किसी के बारे में नहीं सोच सकते। कम्युनिस्ट बंगाल समेत दुनिया से समाप्त हो रहे हैं, लेकिन यहां से नक्सली को प्रत्याशी बनाकर उतारा है।

यह आपकी सुरक्षा पर खतरा हैं। यह अराजकता पैदा करना चाहते हैं। इंडी गठबंधन का घोषणा पत्र कहता है कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे। इससे महिलाओं को बुर्का पहनकर घर में दुबकना पड़ेगा। यह लोग फिर से तीन तलाक की कुप्रथा को देश में लागू करेंगे। कांग्रेस व राजद वाले आधी आबादी का विरोध कर रहे हैं।

योगी ने कहा कि भाजपा भारत में शरियत कानून लागू नहीं होने देगी। लालू ने कहा है कि ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को दे देंगे।

बिहार का नाम डुबोने वाली पार्टी है राजद और कांग्रेस: योगी

भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के पक्ष में योगी ने की जनसभा

पटना, 28 मई (एजेंसियां)।

अयोध्या में 500 वर्ष का इंतजार समाप्त कराने के लिए मोदी जी का नेतृत्व है तो रामलला के वकील रविशंकर प्रसाद हैं। सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़कर उन्होंने भव्य मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कराया। जितनी खुशी अयोध्या और उत्तर प्रदेश वासियों को है, उससे अधिक खुशी बिहार को है, क्योंकि यह मां जानकी का मायका है। बिहार से ही सबसे पहले उपहार अयोध्या भेजे गए। आपके सांसद ने भारत के सनातन धर्मावलंबियों को पुण्य का भागीदार बनाया है। हम उस पीढ़ी के लोग हैं, जिसने रामलला को विराजमान होते देखा। इंडी गठबंधन पर बरसे योगी ने कहा कि राजद और कांग्रेस बिहार का नाम डुबोने वाली पार्टी है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने साईं मंदिर के पीछे पॉलीटेक्निक ग्राउंड, पाटलिपुत्र पटना में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने पूर्व केंद्रीय मंत्री, पटना साहिब के सांसद व भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद को फिर से चुनाव जिताने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि मोदी का नेतृत्व है, लेकिन श्रेय आपको है, क्योंकि आपने कमल के फूल पर ईवीएम का बटन दबाकर रविशंकर प्रसाद को चुनाव जिताया और वे रामलला का केस लड़े। पीएम बनने के बाद मोदी जी ने ही राम

मंदिर का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। आज अयोध्या साक्षात प्रभु राम के समय की लग रही है। सीएम ने कहा कि पता है कि वोट बैंक की राजनीति के कारण लालू जी दर्शन नहीं करेंगे पर काशी-अयोध्या के बाद हम मथुरा की तरफ बढ़ने वाले हैं। अब कृष्ण कन्हैया भी इंतजार नहीं करेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि आतंकवाद के ताबूत की अंतिम कील धारा-370 हटाने का कार्य पीएम मोदी ने किया, लेकिन कानून मंत्री के रूप में हस्ताक्षर आपके सांसद ने किया। कोर्ट में भी वे इस लड़ाई लड़ने के लिए आगे रहते हैं। मोदी जी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित कराया। इससे पहले तीन तलाक की प्रथा को समाप्त किया। इस मामले को भी आगे बढ़ाने में आपके सांसद रविशंकर प्रसाद का योगदान है। नए भारत का जब इतिहास लिखा जाएगा तो आप कहेंगे कि हमारा वोट तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त करने के लिए गया था। कश्मीर में धारा-370 समाप्त करने के लिए हमारे सांसद ही लीड कर रहे थे। हमारे सांसद ही रामलला के वकील के रूप में सुप्रीम कोर्ट में खड़े हुए थे। यह गौरव ईश्वर किसी-किसी को ही देते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा तीन वर्ष में भारत की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए समर्थन मांग रही है, लेकिन कांग्रेस व राजद का चुनावी गठबंधन आत्मनिर्भर भारत के लिए नहीं, बल्कि परिवार का पेट भरने के लिए है। मोदी-रविशंकर प्रसाद के लिए यह चुनाव देश के निर्माण और भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए है, लेकिन राजद-कांग्रेस परिवार के लिए चुनाव मैदान में है। देश में संकट के समय भाई-बहन की जोड़ी देश छोड़कर चली जाती है। कोरोना में राजद या कांग्रेस के लोग कहीं नहीं दिखे, लेकिन सेवा ही संगठन के मंत्र के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के लोग कार्य कर रहे थे। इंडी गठबंधन के घटक दल आम आदमी पार्टी दिल्ली से लोगों को जबरन निकाल रही थी तो मैंने 14 हजार बस लगाई। लोगों ने कहा कि यह बिहार के लोग हैं तो मैंने कहा कि बिहार के लोग मेरे मेहमान हैं। उनकी सेवा करुंगा, उनके खानपान, उपचार की व्यवस्था होगी। कोई भेदभाव नहीं होगा। कांग्रेस ने पहले देश, फिर क्षेत्र-भाषा और अब जातियों के नाम पर लड़ाएंगे फिर कहेंगे कि आप झगड़ा निपटाइए, हम आपका आरक्षण मुसलमानों को दे देते हैं। डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा।

सीएम योगी ने कहा कि मोदी जी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उभारा। कांग्रेस और राजद भी अपना आंकड़ा बताए। कांग्रेस व राजद गठबंधन को खारिज करना है। इंडी गठबंधन वालों की बुद्धि पर तरस आता है। यह अल्पसंख्यकों को खानपान की स्वतंत्रता देना चाहते हैं। आपके वोट के कारण यदि गोहत्या होती है तो हम पाप से वंचित नहीं हो सकते। यूपी में सीएम बनते ही 24 घंटे में स्लाटर हाउस बंद कराया। माफिया की सूची बनवाई और कहा कि गरीबों-व्यापारियों की कब्जा की गई जमीन को 12 घंटे में खाली कर माफी मांग लो वरना जहन्नुम में पहुंचाऊंगा। यूपी के जिन माफिया के आगे सत्ता गिड़गिड़ाती थी। माफिया के सामने प्रोटोकॉल समाप्त हो जाते थे। उसके काफिले के आगे मुख्यमंत्री-राज्यपाल का काफिला रुक जाता था, आज कोर्ट में उनकी पैंट गीली हो जाती है।

योगी ने कहा कि यूपी में माफिया जहन्नुम में चले गए। यूपी दंगा, कर्फ्यू से मुक्त है। बाकी बचे काम को बुलडोजर ने कर दिया है। बिहार के नाम को बदनाम करने वाली राजद व कांग्रेस ने प्रतिभावान युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था। देश को नेतृत्व देने वाले बिहार को राजद व कांग्रेस ने कहां पहुंचा दिया। यहां के नौजवान पहचान छिपाते थे। बिहार पर हम सभी को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। भारत के इतिहास का स्वर्णयुग पाटलिपुत्र और बिहार ने दिया है।

राजद और कांग्रेस बिहार का नाम डुबोने वाली पार्टी है। जो लोग रामद्रोही होने की पहचान समाप्त नहीं कर पाए, ऐसे लोग सत्ता में नहीं आने चाहिए। जनसभा में बिहार के मंत्री नितिन नवीन, दिलीप जायसवाल, विधायक डॉ. संजीव चौरसिया, अरुण सिन्हा, पूर्व मंत्री महाचंद्र प्रसाद, पटना की महापौर सीता साहू, उप महापौर रश्मि चंद्रवंशी, भाजपा पटना के जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार आदि की मौजूदगी रही

आइजोल में भारी बारिश के कारण ढह गई खदान, 22 की मौत

सीएम लालडुहोमा ने बुलाई बैठक

आइजोल, 28 मई (एजेंसियां)।

मिजोरम की राजधानी आइजोल के बाहरी इलाके में भारी बारिश के कारण एक खदान ढह गई। इस हादसे में समाचार लिखे जाने तक 22 लोगों की जान चली गई, जबकि दो लोगों को बचाया गया है। पुलिसकर्मी बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। भारी बारिश के कारण नदियों का स्तर भी बढ़ चुका है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को अपने घरों से निकलकर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ रहा है। राज्य की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री लालडुहोमा ने बैठक बुलाई।

यह घटना सुबह के छह बजे आइजोल शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके में मेल्थम और ह्लिमेन के बीच घटी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनिल शुक्ला ने कहा कि अबतक मलबे से दस शव को बाहर निकाला गया है, जबकि कई लोग अभी भी इसमें दबे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में सात स्थानीय, जबकि तीन दूसरे राज्य के थे। उन्होंने आगे कहा, मलबे में अभी भी 10 से ज्यादा के फंसे होने की संभावना है।

भारी बारिश के कारण अलग-अलग इलाकों में भूस्खलन की घटना सामने आई है। हुनथर में राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर भूस्खलन के कारण आइजोल देश के बाकी हिस्सों से कट गया। बारिश के कारण मौजूदा स्थिति को देखते हुए सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

चक्रवात रेमल के प्रभाव से भारी बारिश के कारण राज्य के विभिन्न इलाकों में भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि आइजोल के सेलम वेंग में भूस्खलन से एक इमारत ढह गई, इस हादसे में तीन लोग लापता हो गए। फिलहाल उनकी तलाश जारी है। भूस्खलन के कारण कई अंतर्राज्य राजमार्ग भी बाधित हो गए। मौजूदा स्थिति का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री लालडुहोमा ने गृह मंत्री के. सपडंगा, मुख्य सचिव रेनू शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी के साथ एक बैठक की।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर: योगी

लोकसभा का यह चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच

पीपीगंज (गोरखपुर), 28 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को रामद्रोही बताते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच है। बकौल सीएम, एक तरफ भगवान राम को नकारने वाले, रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले, राम मंदिर को बेकार बनाने वाले लोग हैं तो दूसरी तरह पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त कराकर प्रभु रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान कराने वाले लोग हैं। राम मंदिर पूरे भारत की सनातन आस्था का प्रतीक है इसलिए आज पूरे देश मे एक ही स्वर सुनाई पड़ रहा है, रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर। तुष्टिकरण की राह पर चलने वाली कांग्रेस और सपा को देश की जनता वहां पहुंचा देगी, जहां उनका कोई नाम लेवा नहीं होगा।

सीएम योगी मंगलवार पूर्वाह्न पीपीगंज में गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद व भाजपा प्रत्याशी रविकिशन शुक्ल के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चुनाव में वह प्रचार के लिए देश मे जहां भी गए, हर जगह लोग मोदी जी को भरपूर समर्थन देते मिले। हर क्षेत्र से एक ही आवाज गूंज रही है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो राम मंदिर पूरे भारतवर्ष के लोगों के लिए गौरव है, उसे लेकर कांग्रेस कहती है कि यह मंदिर नहीं बनना चाहिए था इससे दुनिया में गलत संदेश गया है। वहीं समाजवादी पार्टी कहती है कि राम मंदिर बेकार बना है। सीएम योगी ने इन बयानों के लिए कांग्रेस-सपा पर प्रहार करते हुए कहा राम मंदिर तो ठीक बना है लेकिन राम मंदिर को बेकार बताने

वाले लोगों की बुद्धि में भूसा भर गया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राम भक्तों और रामद्रोहियों के बीच जा चुका है। एक तरफ राम और राम मंदिर का विरोध करने वाले रामद्रोही लोग हैं। वहीं दूसरी तरह राम की सेवा करने वाले, रामलाल को विराजमान करने के लिए 500 वर्षों की प्रतीक्षा के कालखंड को समाप्त करने वाले रामभक्त हैं। ये वो रामभक्त हैं जिन्होंने रामलला के विराजमान होने से पहले अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि के नाम पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनवाया, श्रीराम के सखा निषादराज के नाम पर प्रतीक्षालय बनवाया, माता शबरी के नाम पर भोजनालय बनवाया। ये वो रामभक्त हैं जो प्रयागराज में निषादराज की 56 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित कराते हैं, निषादराज को पूरा सम्मान देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे में निषादराज के कोई भी अनुयाई रामद्रोहियों के साथ खड़े नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि चुनाव में रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले लोग आज आपके आंख में धूल झोंकने का प्रयास करेंगे, लेकिन बहकावे में नहीं आना है।

सीएम योगी ने कहा कि रामद्रोही कभी चैन से नहीं बैठ पाया है। वह कितना ही बड़ा क्यों ना हो, कितना ही ताकतवर हो, उसकी दुर्गति जरूर हुई है, उसका पतन जरूर हुआ है। उन्होंने कहा कि जबकि रामभक्त प्रभु के आशीर्वाद से प्रगति पर ध्यान देते हैं। आज रामभक्त देश के विकास के लिए, टूलेन से लेकर ट्वेल्व लेन सड़क बनाने के लिए, एम्स, मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, एयरपोर्ट बनाने के लिए, हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए, औद्योगिकीकरण के लिए काम कर रहे हैं। रामभक्त मोदी सरकार ने चार करोड़ गरीबों के मकान बनवाए, जो बच गए हैं उन्हें चार जून के बाद सरकार बनने पर मिल जाएंगे। गरीबों के इलाज के लिए आयुष्मान योजना, धुएं से मुक्ति के लिए उज्ज्वला योजना से निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन रामभक्त सरकार की ही देन है। कहा कि 4 जून को जब फिर से रामभक्तों की सरकार बनेगी तो 70 वर्ष से ऊपर के प्रत्येक व्यक्ति को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध करा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस ने स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह को इसलिए सीएम पद से हटाया था कि स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह रामभक्त थे। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर का ताला खुलवाने में अपना योगदान दिया था। इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ रामभक्तों के द्वारा किए गए कार्य हैं तो दूसरी तरफ रामद्रोहियों के शासन में क्या होता था, यह भी सबको पता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार प्रदेश में थी और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करता था, नौजवान पलायन करता था, बेटियां और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। गरीब को मकान नहीं मिलता था, पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी, इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी से मासूम तड़प तड़प कर दम तोड़ता था। आतंकवादी घटनाएं होती थीं। अयोध्या में राम मंदिर और वाराणसी में संकटमोचन मंदिर पर हमला समाजवादी पार्टी की सरकार में हुआ था। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद में आतंकी विस्फोट कांग्रेस की सरकार में हुए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तब लगातार घटनाएं होती थी और हम संसद में मुद्दों को उठाते थे। कांग्रेस सरकार कहती थी आतंकवादी सीमा पार के हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जबकि आज मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हो गया है। आज दुनिया मे भारत का सम्मान बढ़ा है, आतंकवाद, नक्सलवाद समाप्त हुआ है, तो यह सब मोदी जी की देन है।

बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहती है आरजेडी : योगी

पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र में सीएम योगी ने जनसभा को किया संबोधित

पटना, 28 मई (एजेंसियां)।

कांग्रेस जबरदस्ती देश पर धारा 370 लादे हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 को हटाकर आतंकवाद को पूरी तरह खत्म कर दिया है। वहीं लोकसभा प्रत्याशी रवि शंकर प्रसाद ने न्यायालय में इस लड़ाई को लड़ा और हमेशा के लिए कश्मीर से धारा 370 को समाप्त कर आतंकवाद के ताबूत पर अंतिम कील ठोकने का काम किया है। यह लड़ाई भारतीय जन संघ के समय से लड़ी जा रही थी, जिसमें एक देश, एक विधान, एक प्रधान और एक निशान की बात होती थी। इस नये भारत में अयोध्या में रामलला अपने दिव्य मंदिर में विराजमान हो गये हैं। काशी में काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण पूरा हो चुका है।

अब हम मथुरा की ओर बढ़ चुके हैं क्योंकि हमारे भगवान कृष्ण कन्हैया कहां इंतजार करने वाले हैं। यह काम आरजेडी नहीं कर सकती है क्योंकि उनको तो वोट चाहिये। यह काम सिर्फ रामभक्त ही कर सकते हैं। इसी के तहत इस कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बिहार के पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं लोकसभा प्रत्याशी रवि शंकर प्रसाद के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परम राम भक्त हैं। ऐसे में देश की जनता कहती है कि राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 वर्षों के बाद अयोध्या में रामलला को भव्य मंदिर में विराजमान किया। वहीं आपके प्रत्याशी रवि शंकर प्रसाद भगवान राम के वकील रहे, जिन्होंने देशवासियों की आस्था के लिए कई वर्षों तक संघर्ष किया। उन्होंने हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट में प्रभु राम की लड़ाई को प्रभावी ढंग से लड़ा। इतना ही नहीं इनके पिता जी ने पिछले 5 दशकों तक भारत की भारतीयता और राष्ट्रीयता के लिए लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में निष्ठा के साथ प्रभु श्री राम की लड़ाई को लड़ा है। उन्होंने भारत के लोगों के जीवन को पुण्यमय करने का काम किया है। अब हमें अपना फर्ज निभाना है। सीएम ने कहा कि बिहार के लोगों का अयोध्या से आत्मीयता का संबंध है, जिसे कोई अलग नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी की सरकार में देश और पटना में सीरियल ब्लास्ट होते थे। उस दौरान सुबह की शुरुआत देश के अलग-अलग हिस्सों में विस्फोट, बड़े-बड़े घोटाले से होती थी और शाम को आतंकी वारदात की सूचना मिलती थी। वहीं पीएम मोदी के नेतृत्व में आज देश में आतंकवाद और नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हुआ है। देश में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है।

यूपी में 10 हजार से ज्यादा अवैध शस्त्र जब्त किए गए

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

बड़ी संख्या में चेक पोस्ट के माध्यम से प्रदेश में आने वाली गैर कानूनी चीजों की जांच की जा रही है तो वहीं शांति भंग की आशंका में बड़ी संख्या में लोगों को पाबंद किया गया है। इसके अलावा, पुलिस ने हजारों अवैध शस्त्र, कारतूस और विस्फोटक को सीज किया है, जबकि अवैध शस्त्र बनाने वाले केंद्रों को भी बंद कराया गया है। उल्लेखनीय है कि 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभन मुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में सघन जांच के लिए 464 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1730 चेक पोस्ट संचालित किए जा रहे हैं। 16 मार्च से 27 मई, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 537 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए गए हैं। वहीं, 4766 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराए गए हैं। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 28,28,174 लोगों को पाबंद किए जाने के लिए नोटिस जारी किए गए है, जिनमें से 26,82,469 लोगों को पाबंद किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 10099 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 10258 कारतूस, 3099.32 किलोग्राम विस्फोटक व 604 बम बरामद कर सीज किए गए हैं। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 5289 केंद्रों पर रेड डाली गई और 188 केंद्रों को सीज किया गया।

गाजीपुर के चुनावी दंगल में प्रत्याशी नहीं, जातियां लड़ रहीं

गाजीपुर, 28 मई (एजेंसियां)।

मैं अपने दोनों तरफ एक सा हूं तेरे लिए, किसी से शर्त लगा फिर मुझे उछाल के देख। सिटी स्टेशन के सामने दुकान पर चाय की चुस्कियां ले रहे आशुतोष राय गाजीपुर के सियासी मिजाज के सवाल पर शायर अबरार कासिफ का ये शेर उछाल देते हैं। वह कहते हैं, बस ऐसा ही है अपना गाजीपुर। यहां की गलियों में आपको वोटर नहीं मिलते। यहां मिलते हैं तो सिर्फ भूमिहार, ब्राह्मण, यादव, राजभर, राजपूत, दलित, हिंदू और मुसलमान। यहां टिकट जाति के नाम पर तय होता है, तो वोट भी जाति और धर्म के नाम पर मिलता है। यानी सिक्के के दोनों ओर जाति और धर्म ही मिलेगा। समीकरणों को समझने के लिए चुनावी बातों से पहले समर के योद्धाओं की चर्चा जरूरी है। भगवा खेमे ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के करीबी माने जाने वाले पारसनाथ राय पर दांव लगाया है। वहीं, 2019 में बसपा से दिवंगत मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी बदली परिस्थितियों में इस बार साइकिल पर सवार हैं। बसपा से डॉ. उमेश कुमार सिंह मैदान में हैं। गाजीपुर की फिजा में जिस तरह के सवाल हैं, उन सवालों पर मतदाताओं के जैसे बोल हैं, उन सबका मनोवैज्ञानिक विश्लेषण करें तो साफ हो जाता है कि यहां भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला है। अलबत्ता बसपा लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में जुटी हुई है।

परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की धरती गाजीपुर का जिक्र आते ही लोगों को याद आते हैं विश्वनाथ सिंह गहमरी। 1962 में सांसद बने गहमरी ने सिर्फ गाजीपुर ही नहीं, पूरे पूर्वांचल के हालात, भुखमरी, बेरोजगारी के दर्द को जिस तरह से संसद में रखा था, वह सबकुछ लोगों की जुबां पर होता है। भुखमरी की पीड़ा को रखते हुए उन्होंने कहा था, स्थिति ऐसी है कि क्षेत्र की एक बड़ी आबादी के लिए बैल के गोबर से छानकर निकाला अनाज ही भोजन का एकमात्र सहारा है। यह सब सुन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू से लेकर हर सदस्य की आंखें नम हो गई थीं। यह गहमरी की ही कामयाबी थी कि उसी दिन आर्थिक और सामाजिक स्थिति के आकलन के लिए पटेल आयोग का गठन हुआ, जिसने पूर्वांचल के विकास की नींव तैयार की। इसके बाद चीनी मिलें और कताई मिलें शुरू की गईं। सड़कों का निर्माण शुरू हुआ और बजट में पूर्वांचल का ख्याल रखा जाने लगा। पूर्वांचल विकास के आकाश में उड़ान भरने को अपना पर फड़फड़ा ही रहा था कि माफिया, गैंगवार, लूट और छिनैती के कलंक उसकी पहचान के साथ पैबस्त होते चले गए।

अब आमजन के सियासी मिजाज और अंदाज की बात। चुनावी माहौल के सवाल पर लंका तिराहे पर मिले सतेंद्र मौर्य कहते हैं, भाजपा प्रत्याशी को तो कोई पहचानता ही नहीं है। कब तक मोदी-योगी के नाम पर वोट मिलेगा। इस पर दीपक तंज कसते हुए कहते हैं, हां माफिया को तो सब पहचानते हैं, उनके नाम पर वोट दिया जाएगा। पलटवार करते हुए सतेंद्र कहते हैं, वह माफिया नहीं थे, गरीबों के मसीहा थे। रजनीकांत राय इस पर कहते हैं, मेरी जेब से सौ रुपए निकालकर किसी को दस रुपए दे देना, इसे मसीहा नहीं कहते।

दरअसल यहां बात मुख्तार अंसारी की हो रही थी। इन लोगों का कहना है कि भले ही मुख्तार की मौत हो चुकी हो, पर चुनाव तो मुख्तार के नाम पर ही लड़ा जा रहा है। वहीं, रजनीकांत मनोज सिन्हा के रेल राज्यमंत्री रहने के दौरान गाजीपुर में हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहते हैं, पारसनाथ राय को पहचानें या न पहचानें कमल के फूल को तो सब पहचानते हैं और वोट उसी पर पड़ेगा।

मनोज सिन्हा के करीबी कहे जाने वाले पारसनाथ राय को टिकट देकर भाजपा ने सभी को चौंका दिया था। टिकट की घोषणा हुई तो पारसनाथ राय अपने स्कूल में पढ़ा रहे थे। तब उन्होंने कहा था, मैंने तो टिकट के लिए कोई आवेदन ही नहीं किया था। इसके बाद चर्चा आम हुई कि मनोज सिन्हा ने टिकट दिलवाया है। हालांकि बाद में पारसनाथ राय ने खुद कहा कि उन्हें किसी ने टिकट नहीं दिलवाया, बल्कि संगठन चुनाव लड़ा रहा है।

48 डिग्री तापमान भी डिगा नहीं पाया आपका उत्साह

हम विकास करके जताएंगे जनता का आभार: योगी

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के पक्ष में योगी ने की जनसभा

मिर्जापुर, 28 मई (एजेंसियां)।

48 डिग्री तापमान भी राजग प्रत्याशियों के समर्थन में आपका उत्साह डिगा नहीं पा रहा है। विकास कार्य कराकर आपने पसीने का आभार भाजपा व एनडीए सरकार रिटर्न करेगी। 2014 में आपने अच्छा जनप्रतिनिधि चुना तो मिर्जापुर भी विकास की दौड़ में बुलेट ट्रेन की स्पीड से दौड़ रहा है। भीषण गर्मी में कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसने वाले इस क्षेत्र में हर घर नल योजना क्रियान्वित हो रही है। बहुत जल्द जल की समस्या का स्थायी समाधान भी हो जाएगा। 2014 के पहले मिर्जापुर में मेडिकल कॉलेज कल्पना थी पर आज यहां मेडिकल कॉलेज है। अगले वर्ष मिर्जापुर में विश्वविद्यालय का उद्घाटन करने भी आएंगे।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री व मिर्जापुर से राजग (अपना दल एस) प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल के पक्ष में मंगलवार को महाशक्ति इंटर कॉलेज के सामने बिहसड़ा में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि छानबे में कोल जाति के सभी लोगों को मकान उपलब्ध करा दिया गया है। सौ फीसदी सेचुरेशन के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़े हैं।

सीएम योगी ने कहा कि यहां का नौजवान पढ़ने बाहर जाता था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हों या भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, इन्हें भी पढ़ने मिर्जापुर से बाहर जाना पड़ा था। कोई दूसरे जनपद तो कोई रिश्तेदार के घर और छात्रावास रहने जाता था। साधन का अभाव था, फिर भी मेहनत से पढ़ते थे पर अब मिर्जापुर वाले भी कह सकेंगे कि यहां विश्वविद्यालय है। रिश्तेदार आकर यहां अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। मां विंध्यवासिनी के त्रिकोण में रोपवे के लिए कार्य या वॉटर वे के माध्यम से कोलकाता व हल्दिया को जोड़ने के लिए प्रयागराज, वाराणसी, बलिया होते हुए हल्दिया तक की कनेक्टिविटी बढ़ाने का कार्य, मिर्जापुर अब कहीं भी पीछे नहीं रहने वाला क्योंकि अच्छा जनप्रतिनिधि चुनने से परिणाम भी अच्छा आता है।

सीएम योगी ने कहा कि मिर्जापुर ने अनुप्रिया पटेल को चुना तो यह वोट मोदी जी के पास जाता है। मोदी जी प्रधानमंत्री बनते हैं तो दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ता है और आतंकियों के आका पाकिस्तान की हालत बदतर हो जाती है। पाकिस्तान को पता है कि नया हिंदुस्तान एयर व सर्जिकल स्ट्राइक के माध्यम से दुश्मन को पाताल लोक से लाकर पटककर मारता है। पाकिस्तान की 23 करोड़ की आबादी भूख से बिलख रही है और मोदी जी के नेतृत्व में भारत के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से उभर चुके हैं, इसलिए पाकिस्तान का राग अलापने वाले भारत पर बोझ न बनें, वहीं चले जाएं।

सीएम ने कहा कि आप और पूर्वज नारा लगाते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। आप सड़कों पर उतरते थे तो प्रताड़ित किया जाता था, झूठे मुकदमे दर्ज होते थे, लेकिन अब अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं। वहां के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया गया है। 5000 यात्रियों के लिए बनाए गए सरकारी विश्रामालय निषादराज के नाम पर है। माता शबरी के नाम पर अयोध्या के फ्री भोजनालय चल रहे हैं। आपको माफिया के प्रति संवेदनशील लोगों के साथ नहीं, बल्कि रामभक्तों के साथ खड़ा होना है।

सीएम योगी ने कहा कि मां विंध्यवासिनी का भव्य कॉरिडोर बन रहा है। इस बार नवरात्रि में 35 लाख श्रद्धालु मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने आए थे। कॉरिडोर बनने के बाद यह संख्या एक करोड़ हो जाएगी। ऐसा होते ही टैक्सी, होटल, फूल, दुकान, नाव वाले भी कमाएंगे। इस पूरे जनपद का नाम देश-दुनिया में होगा। सीएम ने अनुप्रिया पटेल की तारीफ करते हुए कहा कि पूरे देश में मिर्जापुर के ओडीओपी पीतल के उत्पाद की ब्रांडिंग करती हैं।

सीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले झूठ फैलाते हैं। कारनामे वे करते हैं और दोषारोपण हम पर करते हैं। यह ओबीसी, अनुसूचित जाति व जनजाति का आरक्षण मुसलमानों को देना चाहते हैं, लेकिन भाजपा ऐसा कतई नहीं होने देगी। सत्ता में आने पर इंडी गठबंधन पर्सनल लॉ लागू कर तालिबानी शासन लाना चाहता है पर भाजपा यह भी नहीं होने देगी, क्योंकि भारत संविधान से चलेगा, शरीयत से नहीं। सपा-कांग्रेस ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान और मोदी ने सम्मान किया। पश्चिम बंगाल में इंडी गठबंधन की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस ने ओबीसी के आरक्षण को मुसलमानों की 118 जातियों को दे दिया, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। आंध्र प्रदेश व कर्नाटक में कांग्रेस भी ऐसा कर चुकी है। सपा सत्ता से बाहर है, वरना 2012-2014 में उसने भी अपने घोषणा पत्र में ऐसा कहा था।

सीएम ने कहा कि सपा ने दंगाइयों की रीढ़ तोड़ने वाली पीएसी की 54 कंपनियों को समाप्त कर दिया था। हमने फिर सभी कंपनियों को बहाल किया। देश में कहीं भी दंगा होता है तो दंगाइयों की ठुकाई के लिए यूपीपीएसी को बुलाया जाता है। इनका नाम सुनकर दंगाई घरों में दुबक जाते हैं। दंगा शांत हो जाता है तो जनता कहती है कि पीएसी तो आ गई है, योगी जी बुलडोजर भी भेज दीजिए।

शैंपू में चीनी मिलाना फायदेमंद!

ये तो सभी जानते हैं कि शुगर हमारी बॉडी के लिए अच्छी नहीं है लेकिन एक एक्सपर्ट का कहना है कि ये बालों के लिए बहुत अच्छी है। स्किन स्पेशलिस्ट डॉ फ्रांसिस्का का मानना है कि शैंपू में चीनी मिलाने से बालों को क्लीन करने और हेल्दी रखने में मदद मिलती है। मैरी क्लेयर ने बताया कि एक चम्मच चीनी को शैंपू में मिलाने से स्काल्प को अच्छी तरह से साफ करने में मदद मिलती है। ऐसा करने से ना सिर्फ बालों की चिपचिपाहट को आसानी से दूर किया जा सकता है बल्कि ये डेड स्किन सेल्स को भी हटा देता है। अगर आप स्काल्प को बेहतर तरीके से क्लीन करना चाहते हैं और बालों को मॉइस्चर देना चाहते हैं तो आपको शैंपू में चीनी का इस्तेमाल करना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक, मॉइस्चराइजिंग शैंपू में चीनी का इस्तेमाल हर चौथे वॉश में करें इससे स्काल्प पर पपड़ी भी नहीं जमेगी।

ऐसे दिनभर रहेगी परफ्यूम की खुशबू

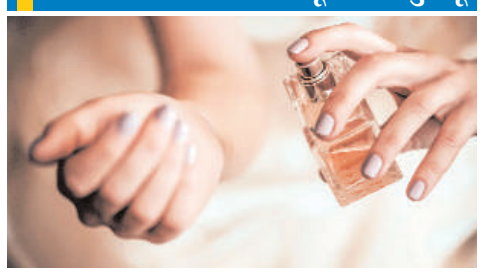

आप अपने फेवरेट परफ्यूम की खुशबू दिनभर बरकरार रखना चाहते हैं तो आपको एक छोटी सी ट्रिक अपनानी होगी। जब सुबह आप घर से बाहर निकलो तो आप कॉन्फिडेंड महसूस करो, इसके लिए आपको परफ्यूम लगाने का तरीका बदलना होगा। आपको परफ्यूम के साथ ही वैसलीन की जरूरत होगी। जी हां, आप गर्दन, हाथ या बॉडी के जिस भी हिस्से पर परफ्यूम लगाते हैं वहां पर वैसलीन की हल्के हाथ से मसाज करें। वैसलीन की मसाज के बाद उन जगहों पर परफ्यूम स्प्रे करें जहां आपने वैसलीन लगाई हैं। इस ट्रिक से आपके परफ्यूम की खुशबू दिनभर बरकरार रहेगी। दरअसल, वैसलीन मेकअप की तरह काम करता है। ये परफ्यूम की तरोताजा खुशबू को लॉक कर लेता है। परफ्यूम ड्राई स्किन पर उतनी बेहतर तरीके से परफॉर्म नहीं करता।

तेल के बिना भी सिर की मालिश...

तेल के बिना भी सिर की मालिश बालों की मालिश का मतलब ये नहीं कि आप किसी तेल या जैल का ही इस्तेमाल करें, बिना तेल के भी मालिश करके आप कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं। चलिए जानते हैं सिर की मालिश के कुछ ऐसे फायदों के बारे में जिसके बाद आप भी झटपट मसाज करवाने की सोचेंगे। सिर में दर्द हो या कोई टेंशन हो, बालों की मालिश से सिर दर्द की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता है। तनाव दूर करने और थकान मिटाने में भी चंपी फायदेमंद होती है। बालों संबंधित समस्याओं को दूर करने, बालों को मजबूत बनाने और बालों को खूबसूरत बनाने के लिए भी चंपी फायदेमंद हैं। आपको नींद ना आने की बीमारी है या फिर बेहतर नींद लेना चाहते हैं तो आपको बालों की मसाज करवानी चाहिए। अगर आप अपने काम पर फोकस नहीं कर पा रहे हैं तो आपको बालों की मालिश करनी चाहिए।

जानिए शरीर पर एल्कोहल रगड़ने के कई फायदे

शराब पीना सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है लेकिन इसे शरीर पर रगड़ने से काफी फायदा होता है। घाव को जल्दी भरने के लिए उस पर एल्कोहल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा शराब को बॉडी पर रगड़ने से कई बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है। आइए जानिए किन बीमारियों में एल्कोहल को शरीर पर रगड़ना चाहिए।

कान में पानी जाना

नहाते समय या स्विमिंग करते वक्त कई बार कान में पानी चला जाता है जिससे कान में खुजली और इंफैक्शन हो जाता है और दर्द होने लगता है। ऐसे में एल्कोहल की बूंदों को कान के पास रगड़ना चाहिए । जिससे कान के अंदर पानी सूख जाएगा। इसके अलावा एल्कोहल में सिरका मिक्स करके भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लाल निशान

बुखार या किसी और वजह से होंठ, नाक के नीचे या ठोडी के असापास लाल चको हो जाते हैं जिससे काफी दर्द होता है। इसके लिए त्वचा के उस हिस्से पर एल्कोहल लगा लें और 10 मिनट के बाद पानी से धोएं। 2-3 दिन लगातार ऐसा करने से फायदा होगा।

घाव

कई बार चोट लगने की वजह से घुटने या कोहनी पर हल्की चोट लग जाती है जिसके लिए डॉक्टर के पास जाना जरूरी नहीं होता। ऐसे में कॉटन पर एल्कोहल लगाकर घाव पर लगाएं और 10 मिनट के लिए ऐसा ही छोड़ दें। इससे इंफैक्शन नहीं होगी और घाव भी जल्दी भरेगा।

मांसपेशियों में दर्द

मांसपेशियों में दर्द होने पर दवा खाने की जगह एल्कोहल का इस्तेमाल करें। इसके लिए दर्द वाली जगह पर एल्कोहल रगड़ें। 1 घंटा लगा रहने के बाद इसे पानी से धो लें। इससे दर्द कम हो जाएगा।

खराब नाखुन

कई बार इंफैक्शन की वजह से हाथ या पैर पर फंगस की समस्या हो जाती है। ऐसे में नाखुनों का रंग सफेद या पीला पड़ जाता है और नाखुन कठोर हो जाते हैं। इसके लिए कॉटन पर एल्कोहल डालें और इसे नाखुनों पर लगाएं। आधा घंटा कॉटन को नाखुन पर ही रहने दें और फिर धोकर अच्छे से पौंछ लें। इससे फंगस इंफैशन ठीक हो जाएगा।

प्राकृतिक प्यूरीफायर से घर की हवा को बनाएं जीवनदायी

वायु प्रदूषण की वजह से शहर ही नहीं बल्कि गांवों का भी जीवन स्तर प्रभावित होता जा रहा है। जो लोग स्वस्थ हैं उनमें भी दिल और फेफड़े से संबंधित बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है। लेकिन घर के बाहर से ज्यादा घर के अंदर प्रदूषण होता है, जिससे हमें शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। घर से निकलने पर तो लोग मास्क का प्रयोग कर लेते हैं, और घर में एयर प्यूरीफायर लगवा लेते हैं। मगर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो मंहगा होने के कारण एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद पाते, तो उनके लिए प्राकृतिक एयर प्यूरीफायर बेहतर विकल्प हो सकता है। जी हां, कुछ पेड़-पौधे ऐसे होते हैं जो हमारे लिए प्राकृतिक रूप से हवा को शुद्ध करते हैं, जिन्हें घर में लगाकर आप अपने घर की हवा को शुद्ध कर सकते हैं। आइए इस लेख में जानते हैं उन पौधों के बारे में...

रबर प्लांट

इसका बॉयोलॉजिकल नाम फाइकस इलेस्टिका है, इसे कई नाम से जाना जाता है। रबर प्लांट आमतौर पर भारत, नेपाल, भूटान, वर्मा, चीन, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और अमेरिका के फ्लोरिडा में पाया जाता है। आमतौर पर इसे सजावटी पौधे के तौर पर जाना जाता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह घर के अंदर की वायु को प्रदूषित होने से बचाता है।

एलोवेरा (घृतकुमारी)

आमतौर पर एलोवेरा के पौधे को लोग औषधि के तौर पर देखते हैं। एलोवेरा का प्रयोग कॉस्मेटिक प्रयोग में भी लाया जाता है, ये बातें तो हर कोई जानता ही है, लेकिन एलोवेरा का पौधा हमारे आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। ये पौधा हवा को शुद्ध करता है।

स्पाइडर प्लांट

यह पौधा क्लोरोफाइटम कोमोसम नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे की खास बात यह है कि ये कई तरह के प्रदूषित तत्वों से हमें बचाता है। यह कार्बन मोनोऑक्साइड, बेंजीन, फोर्मल्डिहाइड और जायलीन जैसे जहरीले तत्वों से हमें दूर रखता है। सजावट के तौर पर इसे लोग घर में भी लगाते हैं। ऐरेका पाम प्लांट वैसे तो इस प्लांट को कहीं भी रखा जा सकता है। खासतौर पर उन घरों में जहां कारपेट होते हैं और फ्रेश पेंट किया फर्नीचर होता है। टॉक्सीन गैसों के निगेटिव इंपेक्ट को कम करता है।

बोस्टन फर्न

यह पेड़ दूसरे अन्य पेड़ों की तुलना में ज्यादा फॉर्मल्डिहाइड को साफ करता है। इसके अलावा यह बेंजीन और जायलान को भी हटाता है। बास्केट में टांगने के लिए यह बेहतर प्लांट है। इसे घर के बाहर टांग सकते हैं।

घर के पास लगाएं ये वृक्ष

पीपल, नीम, जामुन, बरगद और गूलर जैसे पौधे आसानी से उपलब्ध होते हैं ये हमें जहरीली गैसों से बचाते हैं। इसके अलावा साल, हरड़-बहेड़ा, अमलतास, बेल, रीठा, केम, साजा, ढाक, सैंबल, दूधी, लिसोढ़ा, बरगद, विश्तेंदु, खिरनी, कदंब, पिलखन, कुलू, चिलबिल, भिलमा, टीक, जैसे पेड़ प्रदूषण को रोकने में अपनी भूमिका अदा करते हैं। तो आप अपने घर के आस-पास इन पेड़ों को लगाकर वायुमंडल को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं।

पॉपुलर बॉडी मसाज, दिनभर रखती हैं एनर्जेटिक!

आपने मसाज तो कभी ना कभी करवाई होगी और मसाज के बारे में सुना भी बहुत होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं मसाज कितने तरह की होती है। जी हां, आज हम आपको मसाज के टाइप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जानिए, कौन सी मसाज किस समस्या के लिए करवाई जाती है और किस मसाज थेरेपी के क्या फायदे हैं।

स्वीडिश मसाज थेरेपी- ये सबसे पॉपुलर मसाज है जिसे सिंपली मसाज थेरेपी के नाम से भी जाना जाता है। ये मसाज मसाज लोशन या ऑयल से होती है। ये बहुत ही कोमल और आरामदायक होती है। अगर आप पहली बार मसाज करवाने जा रहे हैं तो स्वीडिश मसाज थेरेपी ले सकते हैं।

अरोमाथेरेपी मसाज- अमरोमाथेरेपी मसाज में एक या इससे अधिक सेंट प्लांट्स का इस्तेमाल होता है जिसे एसेंशियल ऑयल कहा जाता है। इस मसाज में इस्तेमाल हुए ऑयल्स बॉडी को रिलैक्स करने के साथ-साथ एनर्जी देते हैं, स्ट्रेस कम करते हैं। अरोमाथेरेपी में सबसे ज्यादा जो एसेंशियल ऑयल इस्तेमाल होता है वो है लैवेंडर।

हॉट स्टोन मसाज- टाइट मांसपेशियों को लूज करने, बॉडी को गर्म करने और बॉडी की एनर्जी बैलेंस करने के लिए हॉट स्टोन मसाज का इस्तेमाल होता है। इस मसाज के दौरान गर्म और चिकने पत्थर बॉडी के कुछ चुनिंदा हिस्सों में रखें जाते हैं। मसाज थेरेपिस्ट गर्म स्टोन को होल्ड करके भी बॉडी के कई हिस्सों में प्रेशर बनाते हैं। होट स्टोन मसाज आमतौर पर उन लोगों के लिए बेस्ट है जिनको मसल्स टेंशन हैं।

डीप टिश्यूस मसाज - ये मसाज मसल्स की डीप लेयर और कनेक्टिव टिश्यूज के लिए की जाती है। मसाज थेरेपिस्ट स्लोअर स्ट्रोक्स और फ्रिक्शन टेक्नीक से मसल्स की मसाज करते हैं। ये मसाज बेहद टाइट की जाती है। ताकि मसल्स से दर्द को दूर किया जा सके। इससे पहले की इंजरी को भी रिकवर किया जा सकता है।

शिआस्तु मसाज थेरेपी - शिआस्तु एक जापानी मसाज थेरेपी है। इस थेरेपी में अंगूठे, उंगलियों और हथेलियों के साथ एक्यूप्रेशर के रूप में दबाव डाला जाता है। हर प्वॉइंट पर एनर्जी के साथ 2 से 8 सेकेंड तक प्रेशर डाला जाता है। इससे बॉडी का बैलेंस बनाने में मदद मिलती है। इस थेरेपी के बाद बॉडी में कोई सूजन नहीं आती और ना ही दर्द होता है।

थाई मसाज- शिआस्तु थेरेपी की तरह ही थाई मसाज में भी कुछ खास हिस्सों पर एनर्जी के साथ प्रेशर से दबाव डाला जाता है। इसमें योगा की तरह बॉडी स्ट्रेच होती है। ये सबसे ज्यादा एनर्जेटिक होती है। ये तनाव कम करती है और बॉडी को फ्लैसिबल करती है।

प्रेग्नेंसी मसाज- इसे प्रीनेटल मसाज के नाम से भी जाना जाता है। ये प्रेग्नेंट महिलाओं में काफी पॉपुलर मसाज है। इस मसाज को कुछ खास एक्सपर्ट्स द्वारा ही किया जाता है। ये महिलाओं में तनाव को कम करने, स्वैलिंग कम करने, दर्द से राहत दिलाने, डिप्रेशन से बचाने और एंजाइटी दूर करने में मदद करती है। प्रेग्नेंसी मसाज को महिला की जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज भी किया जा सकता है।

रिफ्लैक्सोलॉजी- इस मसाज को फूट मसाज के नाम से भी जाना जाता है। ये सिंपल फूट मसाज से कहीं ज्यादा होती है। पैरों में अलग-अलग हिस्सों पर प्रेशर डाला जाता है। ये मसाज उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो दिनभर खड़े रहकर काम करते हैं या फिर बहुत टायर्ड रहते हैं या फिर जिनके पैरों में दर्द रहता है।

स्पोर्ट्स मसाज- जो लोग फीजिकल एक्टिविटीज में रहते हैं स्पोर्ट्स मसाज उनके लिए फायदेमंद होती है। ये ना सिर्फ बॉडी को रिलैक्स करती है बल्कि स्पोर्ट्स के दौरान हुई इंजरी को भी ठीक करती है। साथ ही ये खिलाड़ी को परफॉर्मेंस को भी बेहतर करने में मदद करती है। बॉडी में लचीलापन बढ़ाने से लेकर ये मसाज मसल्स की स्टिफनेस को भी खत्म करती है।

मानसून में घूमने जा रहे हैं तो आपके काम की 10 बातें

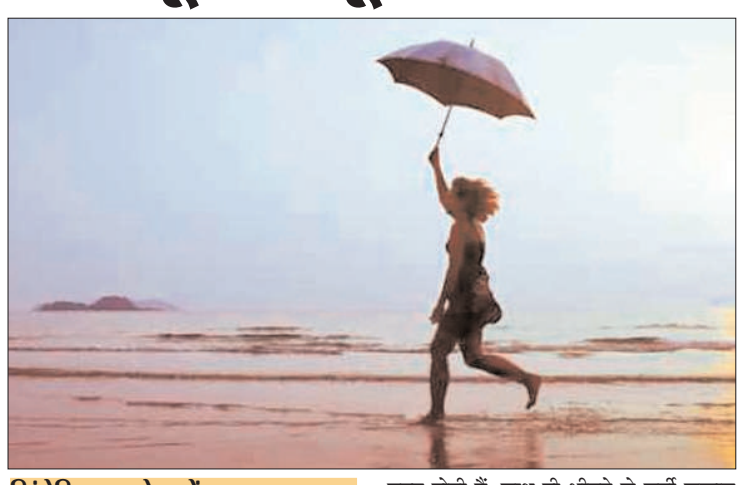

सिंथेटिक कपड़े रखें ज्यादा

सिंथेटिक कपड़े आसानी से सूख जाते हैं और प्रेस किए बिना भी कैरी किए जा सकते हैं। इसलिए मानसून में सफर पर जाते समय ज्यादा से ज्यादा ऐसे कपड़े ही पैक करें।

दवायें रखें साथ

इस मौसम में पेट और स्किन की प्राब्लम्स बहुत होती हैं, साथ ही भीगने से सर्दी जुकाम और बुखार भी होने का खतरा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि कि आप सामान के साथ कुछ एंटी सेप्टिक क्रीम और जरूरी दवायें साथ रख लें।

स्ट्रीट फूड खाने से बचें

स्ट्रीट फूड को विशेष तौर पर अवॉइड करें। इससे गैस, अपच और डिहाइड्रेशन जैसी प्राब्लम्स हो सकती हैं। ज्यादा ऑयली खाना खाने से भी बचें। ठंडे और लिक्वेड फूड जूस, तरबूज खाना प्रिफर करें। पानी भी सोच समझ कर पिएं। अगर आप आसपास के इलाके में ही जा रहे हों तो पानी साथ ही लेकर जाए।

वाटर प्रूफ बैग पैक

अपना सामान हमेशा वाटर प्रूफ बैग्स में पैक करें ताकि अगर अचानक बारिश का सामना करना पड़े तो सामान भीगने से बचा रहे। इसके अलावा अतिरिक्त तौलिए और टिशूज रखना ना भूलें।

मौसम के बारे में रखें जानकारी

अपने डेस्टिनेशन पर पहुंच कर घूमने निकलने के पहले मौसम की जानकारी कर लें। इसके लिए वेदर रिपोर्ट्स और भविष्यवाणियों के बारे में पता रखें।

हेयर ड्रेसर साथ रखें

गीले बाल बीमारी का बहुत बड़ा कारण बन सकते हैं और बारिश में बाल गिरे होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इसलिए बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रेसर साथ रखें।

छाते और बरसाती

सफर पर जाते हुए छाते और बरसाती रखना भी ना भूलें।

इलेक्ट्रानिक और तकनीकी समान की देखभाल

अपने फोन, कैमरा और रिस्ट वॉच जैसे समान का पानी से बचाने के लिए कवर करने की व्यवस्था कर के चलें।

बोर्ड गेम और किताबें

कई बार धूआंदार बारिश आपको अपने होटल रूम से निकलने का मौका नहीं देती ऐसे मौकों के लिए सामान के साथ किताबें और बोर्ड गेम जरूर रख लें ताकि बोरियत ना हो।

जूते चप्पल

बरसात के मौसम में फिसलने का डर रहता है इसलिए अपने फुटवियर ऐसे रखें जो फिसलने से बचाये। लेदर के जूते चप्पलों की बजाय रबड़ और कैनवस के बने फुटवियर लेकर चलें।

रेसिपी

रवा केसरी

सामग्री

सूजी/रवा- 1 कप
काजू- 1/3 कप
घी- 4 बड़ा चम्मच/ द कप
चीनी- 1 कप
पानी- 2 कप
हरी इलायच- 4
केसर- 12-14 धागे
दूध 2 बड़ा चम्मच

विधि

हरी इलायची के दाने निकाल कर पीस लें। 2 बड़े चम्मच गुनगुने दूध में केसर को भिगोकर अलग रख लें। एक कड़ाही में 1 छोटा चम्मच घी गरम करें अब इसमें काजू डालें और मध्यम आँच पर काजू के गुलाबी होने तक भूनें। अब काजू को निकालकर अलग रखें। उसी कड़ाही में 2 बड़े चम्मच घी गरम करके सूजी को भी दो से चार मिनट के लिए तेज आँच पर भूनें। सूजी को हल्का बस गुली बोने तक भूनें उसे निकाल कर अलग रख लें। अब चाशनी को लिए उसी कड़ाही में पानी और शक्कर को उबालें। पहले उबाल के बाद आँच को धीमा कर दें और इसमें भुनी हुई सूजी और काजू डालें। इसे अच्छी तरह से 4-5 मिनट तक मिलाएँ और सूजी को तब तक पकाएँ जब तक की यह पूरी तरह से गल जाए और पूरा पानी सोख ले। अब इसमें बाकी बचा 2 बड़े चम्मच घी, और साथ में केसर का दूध डालकर सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएँ। पिसी इलायची से सजाकर, गरमागरम परोसें इस स्वादिष्ट हलवे को।

किचन की बदबू को दूर करें ये घरेलू उपाय

किचन में खाना बनाने के कुछ समय बाद बदबू आने लगती है। ऐसे में जी मचलाने लगता है। कई बार घर पर आए मेहमानें को भी इससे परेशानी होती है। इससे घर का वातावरण भी कुछ समय के लिए खराब हो जाता है। आज हम आपको किचन की बदबू दूर करने के कुछ टिप्स बताएगें।

1. नींबू पानी : अगर घर में किसी भी जगह से बदबू आती है तो वहां नींबू पानी से भरी कटोरी रख दें।

2. सिरका : किचन की सेल्फ को साफ करते समय कुछ बूंद सिरके की डाल लें। इससे इस्तेमाल से किचन की बदबू दूर भाग जाती है।

3. संतरे के छिलके का पानी : बर्तन में 1 कप पानी उबालने के लिए रख दें। फिर उसमें संतरे के छिलके और दालचीनी मिक्स करें। इससे बजबू खतम हो जाएगी।

4. बेकिंग सोडा : इसे आप खाना बनाने वाली जगह पर छिड़क दें। इससे जलने की बदबू नहीं आएगी।

5. शूगर सोप : सी फूड बनाने के हबाद किचन और हाथों से बदबू आने लगती है। इसकी बदबू दूर करने के लिए शूगर सोप से हाथ धो लें।

6. टोस्ट : रसोई में अक टेस्ट खुला रख दें। इससे दुर्गंध चली जाएगी।

रेसिपी

हरे मटर की बर्फी

सामग्री

पिसी मटर- एक कप दरदरा
नारियल का बुरादा- आधा कप
पिसी शक्कर- आधी कप
दूध की पाउडर- एक चौथाई
इलाइची का पाउडर- आधी छोटी चम्मच
घी- एक बड़ा चम्मच
बादाम के टुकड़े - एक बड़ा चम्मच
घी बर्तन में लगाने के लिए- एक छोटी चम्मच

विधि

नॉन स्टिक कड़ाही में घी डाल कर गर्म कर लें । उसके बाद इसमें पिसी मटर डाल कर सुनहरा होने तक भूनें। पिसी शक्कर, दूध का पाउडर, इलायची पाउडर, नारियल का बुरादा डाल कर सूखने तक भूनें। एक समतल थाली में घी लगाकर उसे पहले चिकना कर लें। अब इसमें सारा मिश्रण डालकर बराबर से फैला दें। उपर से बादाम के टुकड़े डाल के दबा दें, जिससे वह बर्फी में चिपक जाए। अब इसे पूरी तरह से ठंडा होने पर मनचाहे आकार में काट लें और परोसें।

संपादकीय

बदतर होती बेरोजगारी

एक डाटा सामने आया है कि मोदी सरकार ने अपने 10 साला कार्यकाल के दौरान 51.40 करोड़ रोजगार मुहैया कराए हैं। इसमें सरकारी नौकरियां, स्वरोजगार और निजी क्षेत्र में नौकरियां और दिहाड़ीदार रोजगार आदि शामिल हैं। डाटा के अर्थ हैं कि हर साल औसतन 5.14 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा किए गए। यह भी दावा है कि 43 करोड़ से अधिक लोगों को मुद्रा लोन दिए गए। जाहिर है कि वे भी रोजगार का एक हिस्सा हैं। सरकार की 12 परियोजनाओं के तहत 19.79 करोड़ रोजगार दिए गए। यदि यूपीए सरकार मनरेगा दिहाड़ी को रोजगार मानती थी, तो मोदी सरकार के दौरान ऐसे अवसरों को 'रोजगार' क्यों नहीं माना जा सकता। करीब 180 देशों में रोजगार का यही प्रारूप लागू है। यह भी दावा किया गया कि रोजगार की 3.35 फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर दर्ज की गई है। इन दावों के विपरीत देश में बेरोजगारी का संकट बदतर होता जा रहा है। सरकारी आंकड़ा 6.7 फीसदी का बताया जा रहा है, लेकिन निजी सर्वेक्षण कंपनियों के निष्कर्ष हैं कि देश भर में, सभी धर्मों, समुदायों, जातियों, जमातों में बेरोजगारी का औसत 2023-24 के दौरान 8.03 फीसदी रहा है। रोजगार का यही औसत 37.18 रहा है। बहरहाल आम चुनाव के 6 चरणों में केरल, हरियाणा, महाराष्ट्र जैसे सम्पन्न राज्यों से लेकर बिहार, ओडिशा, राजस्थान सरीखे अपेक्षाकृत गरीब राज्यों तक बेरोजगारी सबसे बड़ी गूंज रही है। मतदाता, रिपोर्टर, चुनाव विश्लेषक, जनमत सर्वेक्षणों और पार्टी कार्यकर्ताओं आदि ने यह मुद्दा महसूस किया और उठाया है।

सरकार की 12 परियोजनाओं के तहत 19.79 करोड़ रोजगार दिए गए। यदि यूपीए सरकार मनरेगा दिहाड़ी को रोजगार मानती थी, तो मोदी सरकार के दौरान ऐसे अवसरों को 'रोजगार' क्यों नहीं माना जा सकता। करीब 180 देशों में रोजगार का यही प्रारूप लागू है। यह भी दावा किया गया कि रोजगार की 3.35 फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर दर्ज की गई है। इन दावों के विपरीत देश में बेरोजगारी का संकट बदतर होता जा रहा है। सरकारी आंकड़ा 6.7 फीसदी का बताया जा रहा है, लेकिन निजी सर्वेक्षण कंपनियों के निष्कर्ष हैं कि देश भर में, सभी धर्मों, समुदायों, जातियों, जमातों में बेरोजगारी का औसत 2023-24 के दौरान 8.03 फीसदी रहा है। रोजगार का यही औसत 37.18 रहा है। बहरहाल आम चुनाव के 6 चरणों में केरल, हरियाणा, महाराष्ट्र जैसे सम्पन्न राज्यों से लेकर बिहार, ओडिशा, राजस्थान सरीखे अपेक्षाकृत गरीब राज्यों तक बेरोजगारी सबसे बड़ी गूंज रही है। मतदाता, रिपोर्टर, चुनाव विश्लेषक, जनमत सर्वेक्षणों और पार्टी कार्यकर्ताओं आदि ने यह मुद्दा महसूस किया और उठाया है।

गहराता जा रहा है। दरअसल अवैतनिक काम बढ़ रहा है, गैर-श्वेत कॉलर के काम (हुनरमंद श्रम) घट रहे हैं, स्वरोजगार एक अंतिम विकल्प है, उसमें भी कम आय वर्ग वालों को घाटा ही हो रहा है। असल दिहाड़ी भी मिलना मुश्किल है। यह स्थिति तब है, जब औसतन 50 लाख लोग सालाना कार्यबल में शामिल हो रहे हैं। भारत की औसतन रोजगार दर, बीते आठ सालों के दौरान, 5.6 फीसदी गिरी है। श्रम बल भागीदारी दर के मद्देनजर देखें, तो सवर्णों में हिंदुओं की भागीदारी दर सबसे कम है। ओबीसी और अनुसूचित जातियों, जो दो सबसे बड़ी कामकाजी उम्र की आबादी हैं, उनमें सबसे तेज गिरावट देखी गई है। बेरोजगारी के कई बुनियादी कारण हैं। सबसे बड़ा कारण तो यही है कि सरकारी नौकरियां बेहद सीमित हैं। वे मायावी-सी हैं, दुष्प्राप्य हैं, 144 करोड़ के देश के हरेक पात्र नागरिक को सरकारी नौकरी नहीं दी जा सकती। नौकरियों के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं, तो पहले ही पेपर लीक हो जाते हैं। उसका माफिया भी देश में सक्रिय है। देश में निजी शैक्षणिक संस्थान, कॉलेज, विश्वविद्यालय कुकुरमुत्तों की तरह फैल गए हैं। यह भी एक विस्फोटक स्थिति है। वे अधकचरे स्नातक पैदा कर रहे हैं, लेकिन उनके लिए नौकरियां नहीं हैं। सभी की प्राथमिकता सरकारी नौकरी की है। ऐसी स्थिति में कोई भी सरकार बेरोजगारी को नियंत्रित कैसे कर सकती है? ऐसे में कई युवा रोजगार-घोटालों के शिकार होते हैं, विदेश भेज कर उन्हें सीधा युद्ध के मैदान में उतार दिया जाता है, नतीजतन कुछ युवा तो अनाम मौत के शिकार हुए हैं। ऐसा ही रूस का एक मामला सामने आया था। उसमें केंद्र सरकार ने हस्तक्षेप भी किया था। ऐसे उदाहरण बेरोजगारी की ही देन हैं।

वोटबैंक की राजनीति की आग में क्या एक बार फिर देश जलेगा?

आखिर किस करवट बैठेगा मुस्लिम आरक्षण का ऊंट ?

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

संविधान के अनुच्छेद 341 और अनुच्छेद 342 के तहत, किसी समुदाय विशेष को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति घोषित करना संसद में निहित शक्ति है। आरक्षण और योग्यता के बीच संतुलन रखना, समुदायों को आरक्षण देते समय प्रशासन की दक्षता को ध्यान में रखना भी आवश्यक है। यहां ध्यान देने की बात यह भी है कि भारत के संविधान में आरक्षण जातीय आधार पर है न कि धार्मिक आधार पर।

भारत में आरक्षण सदा से वोट बैंक की राजनीति साधने का माध्यम रहा है। सबको पता है कि भारत के संविधान द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए 10 वर्ष के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। प्रारंभ में इस आरक्षण की अवधि को आगे बढ़ते हुए वोट बैंक को साधा जाता रहा। लेकिन जब यह स्थायी सा हो गया तो अब वोट बैंक बनाने के लिए कुछ नया चाहिए था।

भारत के संविधान में अनुसूचित जाति जनजाति के लिए सीमित अवधि के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी लेकिन पदोन्नति में आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। लेकिन वोट बैंक को रिझाने और अपनी सत्ता पाने के लिए उन्होंने यह भी शुरू कर दिया जो कि पूर्णत: असंवैधानिक था। हालांकि जब किसी व्यक्ति ने इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी तो सर्वोच्च न्यायालय ने इसी असंवैधानिक घोषित किया। लेकिन वोट बैंक की राजनीति के चलते इसे संविधान संशोधन के माध्यम से संवैधानिक बना दिया गया।

तब कांग्रेस नेता और बाद में राजीव गांधी के बोफोर्स घोटाले में फंसने पर कांग्रेस विरोधी लहर के चलते कांग्रेस छोड़कर नए विपक्षी गठबंधन कंडीशनल फ्रंट में आए कांग्रेस के पूर्व नेता विश्वनाथ प्रताप सिंह जनता दल के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने सोचा कि आरक्षण के माध्यम से ऐसा कुछ किया जाए जिससे वे आजीवन प्रधानमंत्री बने रहें, इसके लिए उन्होंने रद्दी की टोकरी में पड़ी मंडल आयोग की रिपोर्ट को निकाला और रातों-रात लागू कर दिया। इस प्रकार भारत में पिछड़ी जातियों के नाम पर आरक्षण शुरू हो गया, जिसका सामान्य वर्ग द्वारा भारी विरोध भी हुआ। आजीवन प्रधानमंत्री बनने का सपना तो देखा लेकिन ऐसा हो नहीं सका। 1990 में उनके शासनकाल में, जब कश्मीर के नेता मुफ्ती मोहम्मद सईद भारत के गृहमंत्री थे कश्मीर घाटी से कश्मीरी हिंदुओं को बहुसंख्यक मुसलमानों द्वारा भारी हिंसा के साथ घाटी से निकाल दिया गया। जिसकी पूरे देश में तीव्र प्रतिक्रिया हुई। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी द्वारा राम रथयात्रा निकल गई और उसके बाद, भाजपा ने नेशनल फ्रंट से अपना समर्थन वापस ले लिया और विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार अविश्वास मत हार गई। सिंह ने 7 नवंबर 1990 को इस्तीफा दे दिया।

लेकिन वोट बैंक की राजनीति के चलते सभी दलों ने मंडल आयोग की सिफारिश के अनुसार पिछड़े वर्ग के आरक्षण को स्वीकार कर लिया। सामान्य वर्ग के लोगों में बढ़ते आक्रोश के चलते सरकार ने जनवरी 2019 में संविधान संशोधन करके सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए भी भी 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर दिया। अगर इतिहास टटोल कर देखें तो आरक्षण के माध्यम से वोट बैंक बनाकर सत्ता पाने का सर्वाधिक कार्य कांग्रेस द्वारा ही किया गया। वीपी सिंह भी मूलतः कांग्रेसी ही थे। उन्होंने भी आरक्षण का ही दांव खेला था, हालांकि वह उनके काम नहीं आया।जब कांग्रेस को कोई नया रास्ता दिखाई नहीं दिया। अब आरक्षण के जिन्न से कैसे नया वोट बैंक बनाया जाए इसके नए-नए रास्ते ढूंढे जाने लगे। तब उन्होंने विभिन्न राज्यों में वहां की तगड़ी और दबंग जातियों को आरक्षण के लिए भड़काया और उठाकर एक के बाद एक राज्य को आरक्षण के आंदोलन से दहलाना शुरू किया, यह प्रक्रिया अभी तक चल रही है। दबंग और लड़ाकू जातियों में से यादवों को तो पहले ही आरक्षण मिल गया था फिर कभी जाट आरक्षण के नाम पर पश्चिम उत्तर प्रदेश और हरियाणा, गुर्जर आरक्षण के नाम पर राजस्थान को दहलाया गया। फिर पाटीदार आरक्षण को लेकर गुजरात को दहलाया गया, मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र मैं भी ऐसा ही हुआ और इसी प्रकार कर्नाटक में भी किया गया। जब भी चुनाव आते हैं आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर निकाला जाता है। इस बार भी महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण में किस जाति को जोड़ा जाए, इसे लेकर बड़ा मुद्दा बनाया गया।

अब विपक्षी नेताओं को वोट बैंक साधने के लिए कोई नया रास्ता खोजना था। मुस्लिम तुष्टिकरण का मुद्दा तो पहले से ही लगातार सुर्खियों में रहा है। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस के शासनकाल में ही कई ऐसे कानून बनाए गए जो संविधान की मूल भावना के तथा समानता के अधिकार के ठीक प्रतिकूल थे। अब संविधान और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के प्रतिकूल कई राज्यों में मुसलमानों को आरक्षण देने का काम शुरू कर दिया गया।

अदालतों द्वारा इसे असंवैधानिक तथा गैर कानूनी मानते हुए रद्द किया जाने लगा। लेकिन मुसलमानों का हितैषी बनने और दिखाने के लिए फिर भी यह होता रहा। जैसे-जैसे मुसलमानों की आबादी बढ़ती जा रही है विपक्षी दलों को यह सबसे अच्छा रास्ता दिखाई दे रहा है। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार द्वारा हाल ही में आरक्षण में मुसलमानों को शामिल किए जाने और उसके आधार पर उन्हें नौकरियां दिए जाने का मामला जब उच्च न्यायालय में पहुंचा तो उसे गैर

> अब विपक्षी नेताओं को वोट बैंक साधने के लिए कोई नया रास्ता खोजना था। मुस्लिम तुष्टिकरण का मुद्दा तो पहले से ही लगातार सुर्खियों में रहा है। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस के शासनकाल में ही कई ऐसे कानून बनाए गए जो संविधान की मूल भावना के तथा समानता के अधिकार के ठीक प्रतिकूल थे। अब संविधान और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के प्रतिकूल कई राज्यों में मुसलमानों को आरक्षण देने का काम शुरू कर दिया गया। अदालतों द्वारा इसे असंवैधानिक तथा गैर कानूनी मानते हुए रद्द किया जाने लगा।

कानूनी पा कर कोलकाता उच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया। लेकिन क्योंकि बंगाल में मुसलमानों की जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ी है और जो ममता बनर्जी का वोट बैंक है, तो वे कहां मानने वाली हैं। उन्होंने कोलकाता उच्च न्यायालय के निर्णय को मानने से इनकार कर दिया । अब वे सर्वोच्च न्यायालय में जाएगी। उसमें कुछ वर्ष निकल जाएंगे तब तक असंवैधानिक आरक्षण के माध्यम से नौकरी पर लोगों को कई साल हो जाएंगे, तब उन्हें हटाना और कठिन हो जाएगा। यह हो या ना हो तो भी वे यह धारणा बनाने में तो सफल हो ही जाएँगी कि वे मुसलमानों के लिए संविधान के विरुद्ध जाकर भी कुछ भी करने को तैयार हैं। इससे उनका वोट बैंक तो बढ़ेगा ही।

इसी प्रकार कर्नाटक सहित कई राज्यों में संविधान विरुद्ध मुसलमानों को अनुसूचित जाति, जनजाति या पिछड़ा वर्ग में आरक्षण दिया जाने लगा है। उसके विरुद्ध अदालतों में भी लड़ाइयां जारी हैं। लेकिन अब विपक्षी दलों के कई नेताओं ने खुल्लम खुल्ला यह कहना शुरू कर दिया है कि वे मुसलमान के आरक्षण के पक्ष में हैं। यदि वे सत्ता में आएंगे तो मुसलमानों को आरक्षण देंगे। भले ही उसके लिए कानून यह संविधान बदलने पड़े। मुस्लिम-यादव समीकरण से बने दलों के मुखिया तो मंचों से मुसलमानों को आरक्षण देने की बात कर रहे हैं। यह कहना भी अनुचित न होगा कि इंडी गठबंधन कै ज्यादातर दल पुरजोर ढंग से मुस्लिम तुष्टिकरण में जुटे हुए हैं और उसके लिए कानून व संविधान को ताक पर रख रहे हैं।

अब यहां विचार का विषय यह है कि यदि मुसलमानों को हिंदुओं की तरह अनुसूचित जाति, जनजाति या पिछड़ा वर्ग में शामिल किया गया तो इस वर्ग के आरक्षण का सबसे ज्यादा फायदा कौन लेगा? आजादी के बाद जिस तेजी के साथ मुसलमान की आबादी बढ़ी है और लगातार बढ़ रही है तो इस आरक्षण का ज्यादातर लाभार्थी कौन होगा? इसका नुकसान किसका होगा? यह भारत के संविधान के प्रतिकूल तो होगा ही, इसे वर्तमान में आरक्षण का लाभ उठा रहे हिंदू बौद्ध आदि की अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़ी जातियों को तब आरक्षण का कितना हिस्सा मिल सकेगा?

मुस्लिम आरक्षण को लेकर अब विचार का विषय यह भी है कि लोकसभा चुनावों के पश्चात राजनीतिक समीकरण कैसे बनते हैं और सत्ता किसे मिलती है? जहां भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह संविधान के बाहर जाकर मुसलमानों को धार्मिक आधार पर आरक्षण देने की विरोध में है और वह ऐसी प्रयासों को सफल नहीं होने देगी। वहीं विपक्षी गठबंधन के घटक दल मुसलमानों को आरक्षण देने को लेकर तलवारें भांज रहे हैं।

यहां प्रश्न यह भी है कि क्या हिंदू, बौद्ध आदि की अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोग अपने आरक्षण का एक बड़ा हिस्सा मुसलमानों को देने के लिए तैयार होंगे, जिनकी आबादी लगातार बढ़ रहा है? क्या इसीलिए कारण देश में एक बार फिर हिंसा का तांडव होगा? वोटबैंक की राजनीति की आग में क्या एक बार फिर देश जलेगा। क्या धार्मिक आधार पर मुसलमान को अलग से आरक्षण दिया जाएगा और इसके लिए आरक्षण की निर्धारित सीमा को बढ़ाकर फिर एक नया विभाजन किया जाएगा। क्या ऐसे प्रयासों की देशभर में तीखी प्रतिक्रिया नहीं होगी? इसके सामाजिक स्तर और देश के विकास पर किस-किस तरह के प्रभाव पड़ेंगे? क्या प्रतिभा पलायन में और अधिक तेजी आएगी? प्रणाम जो भी हो लेकिन सत्ता पाने के लिए आतुर विपक्षी दल अब किसी भी कीमत पर मुसलमान को आरक्षण के दायरे में लाकर सत्ता पाने के लिए बेचैन हैं। इसके लिए वे संविधान में परिवर्तन करने के लिए भी तैयार हैं। इन सब प्रयासों का परिणाम क्या होगा, यह तो भविष्य बताएगा। लेकिन इतना तय है कि यह इतना सरल और शांतिपूर्ण तो नहीं होगा।

कुछ अलग

स्वाह हुईं मासूम जिंदगियां

आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए दो अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते राजकोट के गेमजोन में हुए अग्निकांड में बच्चों समेत 27 लोगों की मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर जिंदगी की उम्मीद को लेकर बेबी केयर होम में रखे सात बच्चे असमय काल-कवलित हो गए। हरियाणा के बहुचर्चित डबवाली अग्निकांड में भी आपराधिक लापरवाही से सौ से अधिक बच्चों के मरने का जो सिलसिला देखा गया था, वह अब भी खत्म नहीं हुआ है। विडंबना देखिए कि गुजरात के राजकोट स्थित जिस गेम जोन को चार साल से चलाया जा रहा था, उसके पास फायर विभाग की अनुमति नहीं थी। लापरवाही की इंतहा देखिये कि गर्मी के मौसम में तेज हवा के दौरान वहां बच्चों व अभिभावकों की उपस्थिति के बीच वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। जिसे आग लगने की वजह बताया जा रहा है। परिस्थितियां इतनी भयावह थी कि मृतकों के शव पहचानने मुश्किल हो रहे हैं और शवों के डीएनए नमूने लेकर उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है। भयावह हादसे के बाद सख्त कार्रवाई, जांच, दंड, संवेदना और मुआवजे की घोषणा की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। लेकिन यह कभी नहीं कहा जाता कि जिन अधिकारियों व विभागों की जिम्मेदारी इन लापरवाहियों पर नजर रखने की थी, उनके खिलाफ कौन सा सख्त कदम उठाया जा रहा है। बहरहाल, राजकोट में गेम जोन में हुए हादसे के बाद एक मैनेजर व अन्य व्यक्ति समेत दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। हर बार की तरह एसआईटी का गठन हुआ है। कोई आयोग भी बैठ सकता है। लेकिन सवाल वही है कि समय रहते फायर एनओसी क्यों नहीं लिया गया? प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी देर से पहुंची। राजकोट के सिविल अस्पताल के बाहर अपनों के शवों की तलाश में खड़े लोगों की आंखों के आंसू व आक्रोश व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बताते हैं कि गेम जोन से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। बता दें कि मोरबी सस्पेंशन ब्रिज त्रासदी में मरने वालों में एक तिहाई बच्चे थे। सूरत में तक्षशिला कांप्लेक्स आग त्रासदी में 22 छात्रों की मौत हुई थी। लेकिन इन घटनाओं से भी कोई सबक प्रशासन ने नहीं सीखा। लगता है मासूमों व निर्दोष लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ की अनदेखी करना सिस्टम की आदत बन गई है। वडोदरा की हरणी झील में भी जीवन रक्षक जैकेट के बिना नाव में सवार 12 बच्चों व दो शिक्षकों की मौत इस साल जनवरी में हुई थी। वहीं दिल्ली स्थित विवेक विहार के बेबी केयर सेंटर में सात नवजातों की मौत ने हर किसी को रुलाया। मां-बापों को अपने जिगर के टुकड़े खोने का समाचार सुबह टीवी व अखबारों से पता चला। एक बच्चे की देखभाल का प्रतिदिन पंद्रह हजार वसूलने वाले प्रबंधकों ने ही नवजातों को मौत की नींद सुला दिया। जिंदगियां छीनने वाले लोगों को शीघ्र सख्त सजा मिलनी चाहिए।

देश दुनिया से

निर्णायक क्षण- एक गलती से सदियों को सजा मिलेगी

पानीपत में एक निर्णय गलत हुआ- आपसी समझ और भोजन की जिम्मेदारी के अहंकार ने जीती बाजी हरवा दी। 1947 में सत्ताकामी नेताओं की महत्वाकांक्षाओं ने विभाजन का गलत निर्णय लिया, दस लाख हिन्दू सिखों का नरसंहार हुआ, उसके बाद आज तक हम युद्ध की निरंतर विभीषिका झेल रहें हैं। पटेल की जगह नेहरू को प्रथम प्रधानमंत्री बनाने का गलत निर्णय हुआ, देश ने तुरंत एक लाख पचीस हज़ार वर्ग किलोमीटर भूमि के हाथों खोयी, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सेना के स्थान पर केंद्रीय आरक्षी पुलिस की गश्ते लगवाईं। अक्साई चीन खोया। आज उसका दंश और निरंतर युद्ध हम झेल रहे हैं।

सही और गलत के मध्य बारीक धागे सा अंतर होता है लेकिन एक सही निर्णय राष्ट्र का निर्माण तो उसी गलत फैसला उस देश के लोगों को सदियों तक सजा देता है। ग़ज़नवी हज़ार मील से भारत आया, सोमनाथ तोड़कर हज़ारों को गुलाम बनाकर हमारी धरती से ले गया- सही निर्णय होता कि सब भेद स्वार्थ भूलकर उसको रोकते, ख़त्म कर देते। ऐसा नहीं हुआ, शताब्दियों तक भारत को दुःख और दासता झेलनी पडी। पानीपत में एक निर्णय गलत हुआ- आपसी समझ और भोजन की जिम्मेदारी के अहंकार ने जीती बाजी हरवा दी। 1947 में सत्ताकामी नेताओं की महत्वाकांक्षाओं ने विभाजन का गलत निर्णय लिया, दस लाख हिन्दू सिखों का नरसंहार हुआ, उसके बाद आज तक हम युद्ध की निरंतर विभीषिका झेल रहें हैं। पटेल की जगह नेहरू को प्रथम प्रधानमंत्री बनाने का गलत निर्णय हुआ, देश ने तुरंत एक लाख पचीस हज़ार वर्ग किलोमीटर भूमि के हाथों खोयी, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सेना के स्थान पर केंद्रीय आरक्षी पुलिस की गश्ते लगवाईं। अक्साई चीन खोया। आज उसका दंश और निरंतर युद्ध हम झेल रहे हैं। चुनाव भी केवल कुछ जाने अनजाने, अच्छे या कम अच्छे लोगों को लोकसभा भेजने का उपक्रम नहीं- यह राष्ट्र रक्षा के निमित्त युद्ध ही होता है जिसमें शताब्दियों भविष्य दांव पर लगा होता है। सही शासक राष्ट्र का नवीन निर्माण करते हैं- यदि विदेशी धन और मन वाले क्षुद्र विवेकी गए तो अच्छा खासा साम्राज्य ढहते देर नहीं लगती। देश रक्षा के निर्णायक क्षणों में भी बहुत से लोग कहते देखे गए- मोदी तो ठीक है लेकिन जिनको टिकट दिया गया उनमें बहुत से निकम्मे और संवेदनहीन हैं, या सारे कांग्रेसी भर दिए- अब हम किसको पहचाने? वे भूल जाते हैं की युद्ध के समय सेनापति के निर्णय पर बहस नहीं हो सकती- सिर्फ सेनापति को देखो, हर सैनिक में सेनापति की छवि देखो, देश विजयी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर जूझो और विजयी होकर निकलो- बस यही एक लक्ष्य होता है। ग़ज़नवी और गोरी हमारे अपने उन पूर्वजों की कमजोरियों और इन्ही स्वार्थों के कारण आए और हमें लूट गए जो कहते थे, हमारा क्या, हम अपनी जमींदारी, अपने हित संभाल रहे हैं। मुट्ठी भर अंग्रेज तीस करोड़ भारतीयों पर ढाई सौ वर्ष राज कर गए- इन्ही स्वार्थी कूप मंडूक भारतीयों की सहायता से। इन्हीं भारतीयों ने अपने ही भारतीयों पर विदेशी शासकों के आदेश से जलियांवाला में गोलियां चलाईं और सावरकर जैसे हज़ारों क्रांतिकारियों पर अत्याचार किये। भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव को फांसी देने के फैसले पर पाखंडी मुहर लगाने के लिए लाहौर के अंग्रेज जज को स्थानीय गवाहियां चाहिए थीं- तीन सौ सिख मुस्लिम और सनातनी हिन्दुओं ने गवाहियां दीं- वे सब भारतीय थे। उनके नाम राष्ट्रीय अभिलेखागार में फाइलों में हैं। सिर्फ राय साहबियत, राय बहादुरी खिताब लेने, साउथ नार्थ ब्लॉक बनाने की ठेकेदारी लेने हमने अपने देश के

खिलाफ खड़े होने में लज्जा महसूस नहीं की। मुझे क्या मिलेगा? इसी प्रश्न पर हम देश की सदियों को ग़ुलामी और विनाश के अँधेरे में झोंक देने में संकोच नहीं करते। देश सिर्फ पानी बिजली और सडकों से नहीं बनता। राष्ट्र की आत्मा और चैतन्य होता है। उस चैतन्य को जागृत होते हम देख रहें हैं तो विदेशी शक्तियां बौखला गयीं हैं। हर कीमत पर वे इस चैतन्य यात्रा को रोकना चाहते हैं- स्वार्थी विकृत सोच के भारतीयों की ही मदद से। पराक्रमी और विजय की ओर उन्मुख नेतृत्व राष्ट्र निर्माण करता है, मुफ्त पानी, बिजली और लैपटॉप नहीं देता। बलिदानी सैनिकों की स्मृति यदि नागरिकों को सशक्त नेतृत्व निर्माण हेतु प्रेरित नहीं उनको राष्ट्र की किसी भी कल्याण योजना का लाभ उठाने का भी अधिकार नहीं हो सकता। क्या आज का भारत, अपने राष्ट्र के मूल स्वभाव और सभ्यता की रक्षा करने वालों के साथ पराक्रम दिखते हुए खड़ा होगा या ग़ज़नवी को रास्ता देने वालों की तरह केवल अपने लिए मुफ्त बिजली पानी मिलने तक सीमित रहेगा? पिछले वर्षों में खालिस्तान का आतंकवाद, कश्मीर से कोयंबटूर तक के जिहादी विस्फोट, हिन्दुओं का हर कदम पर अपमान, हर वर्ष होने वाले दंगे, पाकिस्तानी आतंकवाद, गरीबी का फैलाव, सडकों की जगह गड्ढे। राशन की तरह खुशामद कर करके गैस के सिलिंडर लेने की कवायद, कठिन और बेतरतीब रेल यात्रायें, विदेशों में हमारे प्रति एक तिरस्कार और गरीब-पिछड़े-सबसे भ्रष्ट देश होने की दृष्टि से भारतीयों की ओर देखने वाले विदेशी- क्या यह सब हम भूल गए और इसमें हुआ विराट परिवर्तन हममें कोई उत्साह और जोश पैदा नहीं करता? पांच सौ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद भी अयोध्या में राम मंदिर का विरोध करने वाले हिन्दुओं ने अपनी पत्रिकाओं में वहां शौचालय बनाने के सुझाव दिए- इस मानसिकता को पराभूत किसने किया? किसने हिन्दू गौरव की पुनःस्थापना की? किसने कहा कश्मीर में एक भी सांप और जिहादी चोर को जिन्दा नहीं छोड़ेंगे? संघ के स्वयंसेवक और तपस्वी प्रचारक दीखते नहीं लेकिन देश बदल देते हैं। वे हज़ारों गैर काषाय वस्त्र धारी प्रचारक जिन्होंने मां से घर छोड़ते समय आशीर्वाद लेते हुए सिर्फ यही कहा था- भारत माता विजयी हो केवल यही अब जीवन का व्रत है- उनके तप के रंग के खिलने का समय यही है जब भारी मतदान द्वारा राष्ट्र घातक तत्वों को पराभूत करने का दम ख़म दिखाया जाये। उन्ही प्रचारकों में से एक नरेंद्र मोदी ने देश बदला, साहसिक निर्णय लिए और अब आधारभूत ऐसे परिवर्तन करने का समय है जिनसे आगामी सदियों का भारत सदैव के लिए शक्ति पथ पर चलेगा। यह नवीन भारत के लिए एक ऐतिहासिक निर्णायक क्षण है। कभी किसी को ऐसा लिखना न पड़े कि- लम्हों ने खता की थी- सदियों ने सजा पायी।

देशभर में अग्निकांड साजिश है या संयोग?

देश में बड़े उद्योगों, संगठनों, गेम सेंटरों, अस्पतालों, जंगलों और अन्य कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में आग लगने की घटनाएं इधर सिलसिलेवार बढ़ी हैं। घटनाएं लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। यह गहरी चिंता का विषय है। सवाल है कि क्या आग लगने की ये दुर्घटनाएं योजनाबद्ध हैं या यह महज एक संयोग है? इसका जवाब सरकार को तलाशना चाहिए।

अधिकांश लोगों का मानना है कि देश को अस्थिर करने के लिए इस प्रकार की आग की घटनाएं पहले से ही योजनाबद्ध तरीके से रची जा रही हैं। राजकोट में गेमिंग ज़ोन, दिल्ली में बेबी केयर सेंटर, उत्तराखंड में जंगल में आग और देश में हर जगह ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तो कहा भी है कि उन्हें आगजनी की घटनाओं में साजिश का संदेह है।

आग लगने की अधिकांश घटनाएं पूरे देश में हिंदुओं के इलाकों में हो रही हैं। यह तोड़फोड़ की घटना के अलावा और कुछ नहीं है। सरकार को दोषियों की पहचान करनी चाहिए और इस तरह के जघन्य अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। कड़ी कार्रवाई दूसरों के लिए एक उदाहरण होनी चाहिए जो इस तरह की आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। इसे आतंकी कृत्य माना जाना चाहिए।

बाहरी और आंतरिक ताकतें भारत की प्रगति नहीं देखना चाहती हैं और अराजकता और सांप्रदायिक हिंसा पैदा करने के लिए विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल कर रही हैं। सरकार को उन लोगों को भी चिन्हित करके दंडित करना चाहिए जो विभिन्न योजनाओं की खुलेआम आलोचना करते हैं और देश को विभाजित करने के लिए धर्म, जाति, पंथ और रंग की कीमत पर लोगों को भड़का रहे हैं।

डॉ. अजय कुमार अग्रवाल

स्पाइसजेट का पलटवार, केएएल व कलानिधि मारन के 1323 करोड़ के दावों को कानूनी रूप से गलत बताया

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां) ।

केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन के 1,323 करोड़ रुपये से अधिक के मुआवजे के दावे को स्पाइसजेट ने निराधार और कानूनी रूप से गलत बताया है। केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने कहा था कि वे स्पाइसजेट और उसके प्रमुख अजय सिंह से 1,323 करोड़ रुपये से अधिक के मुआवजे की मांग करेंगे। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में स्पाइसजेट ने कहा कि वह केएएल एयरवेज और मारन द्वारा 1,323 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग को सिरे से खारिज करती है। एयरलाइन ने फाइलिंग में कहा, ये दावे न केवल कानूनी रूप से आधारहीन हैं, बल्कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण और फिर दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पहले खारिज किए गए दावों के प्रतिशोध में किए गए हैं। विमानन कंपनी के मुताबिक, केएएल एयरवेज और मारन ने शुरुआत में मध्यस्थता प्रक्रिया के दौरान 1,300 करोड़ रुपये से अधिक के मुआवजे की मांग की थी। उन्होंने कहा, %इस दावे की गहनता से जांच की गई और बाद में उच्चतम न्यायालय के तीन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के पैनल ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद केएएल एयरवेज और कलानिधि मारन ने दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष अपील कर क्षतिपूर्ति राशि की मांग की, जिसे अदालत ने फिर खारिज कर दिया। स्पाइसजेट ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने अपीलीय क्षेत्राधिकार के समक्ष किसी भी अपील को आगे नहीं बढ़ाने का विकल्प चुना और परिणामस्वरूप, मामले को अंतिम रूप दिया गया। इससे पहले 17 मई को अदालत की खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश की उस पीठ के आदेश को निरस्त कर दिया था, जिसमें मारन को 579 करोड़ रुपये और ब्याज लौटाने के फैसले को बरकरार रखा गया था। पीठ ने 31 जुलाई, 2023 को पारित एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाले सिंह और स्पाइसजेट द्वारा दायर अपीलों को अनुमति देते हुए मध्यस्थ पुरस्कार को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर नए सिरे से विचार करने के लिए मामले को संबंधित अदालत में वापस भेज दिया था। उसके बाद, मारन और उनकी फर्म केएएल एयरवेज ने अपने अधिवक्ता के साथ परामर्श के बाद फैसले को चुनौती देने का निर्णय किया।

न्यूज ब्रीफ

वाबैग को ओमान से मिला 85 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट, डिसेलिनेशन प्लांट का रखरखाव करेगी कंपनी

मुंबई। पानी की तकनीक पर काम करने वाली कंपनी वा टेक वाबैग की ओर से कहा गया कि कंपनी को ओमान की नामा वाटर सर्विसेज से पांच वर्षों तक अल-दुक्म डिसेलिनेशन प्लांट के संचालन और रखरखाव का ठेका मिला है। इसके सौदे की वैल्यू करीब 85 करोड़ रुपये है। चेन्नई के मुख्यालय वाली कंपनी वाबैग द्वारा ही 10 वर्ष पहले इस डिसेलिनेशन प्लांट को निर्माण किया गया था और 2018 तक कंपनी ही इसके संचालन और ऑपरेशन का कार्यभार संभालती थी। कंपनी के जीसीसी के सेल्स और बिजनेस डेवलपमेंट डायरेक्टर, सुब्रमण्यम एम ने कहा कि ओमान में मिला यह ऑर्डर हमारी ग्रोथ की रणनीति के मुताबिक है। इससे हमारे संचालन और रखरखाव की ऑर्डर बुक मजबूत होगी। एन्युटी इनकम हमें बेहतर कैश फ्लो और अच्छी आय हासिल करने में मदद करेगी। कंपनी ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि इस प्लांट से उत्पादन होने वाले पानी का इस्तेमाल अल वुस्टा गवर्नरेट के दुक्म और हैमा क्षेत्रों में घरेलू खपत के लिए किया जाएगा। सुब्रमण्यम ने आगे कहा कि हम नामा वाटर सर्विसेज का धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने हमारी टेक्निकल क्षमता पर विश्वास जताया। इसके कारण हमें दोबारा ऑर्डर मिल रहे हैं। वाबैग एक वाटर टेक्नोलॉजी कंपनी है। यह राष्ट्रीय के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कार्य करती है। कंपनी सरकार के साथ इंडस्ट्रीज को भी वाटर सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है।

चौथी तिमाही में एलआईसी का मुनाफा 13762 करोड़ रुपए, यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पर आरबीआई की कार्रवाई

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी ने चौथी तिमाही के लिए अपने नतीजों का एलान कर दिया। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि मार्च तिमाही में कंपनी को 13,762 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। मार्च 2024 तिमाही के नतीजों के साथ ही कंपनी ने निवेशकों के लिए 6 रुपये प्रति शेयर के लाभांश का भी एलान किया है। मार्च 2024 तिमाही में कंपनी का मुनाफा पिछले वित्तीय वर्ष के समान तिमाही के 13,191 करोड़ रुपये की तुलना में 4.5 प्रतिशत अधिक है। आरबीआई ने यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पर जुर्माना लगाया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने निजी क्षेत्र के दो बैंकों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक कई नियमों का उल्लंघन करने के दोषी पाए गए हैं। इसके चलते आरबीआई ने यस बैंक पर 91 लाख रुपये और आईसीआईसीआई बैंक पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का फैसला किया। यस बैंक ने कस्टमर सर्विस से जुड़े नियमों का नहीं किया पालन आरबीआई ने जानकारी दी कि यह दोनों बैंक कई दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे। आरबीआई के मुताबिक यस बैंक पर ग्राहक सेवाओं और आंतरिक व ऑफिस अकाउंट से जुड़े दिशानिर्देशों के उल्लंघन का आरोप था।

नए फोन का टीज़र वीडियो लावा ने जारी किया

नई दिल्ली । भारत में लावा कंपनी ने अपने नए फोन का टीज़र वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी कर दिया है। नए फोन के डिज़ाइन की झलक देखी जा सकती है। टीज़र में आने वाले फोन के कुछ कैमरा फीचर्स को लेकर भी कंफर्मेशन हो गई है। बता दें कि इस साल के शुरुआत में कंपनी के एक और मॉडल को लेकर जानकारियां लीक हो रही हैं, और लावा युवा 4 प्रो 5जी की कुछ फोटो भी पहले ही लीक हो चुकी है। आधिकारिक तौर पर टीज़ किए गए डिज़ाइन को देख कर ये माना जा रहा है कि कंपनी इसी फोन को लावा युवा 5जी के रूप में लॉन्च किया जा सकता है। एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में, लावा मोबाइल के ऑफिशियल हैंडल ने 'युवा 5जी ड्ड कमिंग सून!' टेक्स्ट के साथ एक स्मार्टफोन का 14-सेकेंड का टीज़र जारी किया है। बता दें कि ये फोन कंपनी का पहला 5जी युवा-सीरीज़ फोन होगा। हालांकि कंपनी ने इसके किसी भी स्पेसिफिकेशन का खुलासा नहीं किया है, लेकिन जारी किए गए वीडियो में इसके डिजाइन और कैमरा सेटअप का खुलासा कर दिया गया है। फोन को देख कर ऐसा लगता है कि लावा युवा 5जी में लावा ब्रांडिंग के साथ एक रेक्टैंगुलर बॉक्सी डिज़ाइन होगा और 5जी टेक्स्ट वर्टिकली देखा जा सकेगा। फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप के साथ बीच में सर्कुलर कैमरा मॉड्यूल दिया जा सकता है। इसके प्राइमरी कैमरा में 50 मेगापिक्सल का सेंसर होगा, लेकिन फिलहाल सेकेंडरी कैमरे के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

सरकारी एजेंसियों के सरसों खरीदने से किसानों को राहत, पर कीमत बढ़ने से ग्राहक परेशान

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां) ।

सरकार की ओर से सरसों की खरीदारी करने से किसानों को तो लाभ मिल रहा है लेकिन इसकी वजह से सरसों के तेल के भाव में तेजी आई है और आदमी को सरसों के तेल के लिए अधिक खर्च करना पड़ रहा है। वहीं जीरे के दाम में भी तेजी देखी जा रही है। पिछले दिनों दाल के भाव में बढ़ोतरी देखने को मिली थी, तो अब सरसों के तेल के साथ मसाले में जीरे ने भी भाव का तड़का लगा दिया है। एक महीने में जीरे के भाव 260 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 385 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही सरसों के तेल के भाव में 16 रुपये प्रति किलो की तेजी आई है।

जानकारों का कहना है कि इसकी मुख्य वजह सरकारी एजेंसियों द्वारा सरसों की खरीदी की जानी है। इससे किसानों को तो राहत मिल गई है लेकिन आम आदमी को सरसों के तेल के लिए अधिक खर्च करना पड़ रहा है। सरसों का तेल 1030 रुपए प्रति 10 किलो से बढ़कर 1190 रुपये प्रति 10 किलो पर पहुंच गया है।

भाव बढ़ने के प्रमुख कारण - अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया (कैट) महाराष्ट्र के महामंत्री शंकर ठक्कर ने बताया कि सरसों तेलों में अचानक से तेजी आने की वजह कुछ बड़े खिलाड़ियों द्वारा खेल किया गया है ऐसा दिख रहा है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेलों के दामों में बड़ी वृद्धि नहीं हुई है लेकिन देसी तेल जिसमें खासकर मूंगफली और सरसों के दामों में बड़ी वृद्धि देखने को मिल रही है, हालांकि चुनाव के बीच सरकारी एजेंसियों ने आक्रामकता से सरसों की खरीदी की है। इससे किसानों को थोड़ी राहत मिली है और दाम एमएसपी के करीब पहुंच गए हैं। लेकिन ग्राहकों को परेशानी हो रही है।

जानकारों का कहना है कि बीते कुछ दिनों सरसों के दाम में जो तेजी है उसके पीछे का कारण सोयाबीन के उत्पादक देश ब्राजील में बाढ़ का आना है। इस वजह से सरसों के तेल की मांग बढ़ी है। विदेश में भी भाव बढ़े और वहां से आयात होते तेल के भाव में थोड़ी मजबूती आई। एक अन्य कारोबारी राहुल जैन का कहना है कि देश में सरसों की पैदावर अधिक होने की बात कही जा रही है, लेकिन अब पैदावार का अनुमान अब 25 प्रतिशत कम कहा जा रहा है।

सरसों तेल के उद्यमी गोविंद सिंह बताते हैं कि सरसों के तेल के दाम पिछले कुछ दिनों में बढ़े हैं। इसी तरह इसकी खली के दामों में बढ़ोतरी हो रही है। उनका कहना है तेजी आगे जारी रहने का अनुमान है। बड़ी फैक्ट्रियों की मांग पूरी न होने की वजह से भी सरसों के भाव में तेजी आई है।

जीरे के भी भाव बढ़े - जीरे के भाव में आई तेजी पर मुंबई के मसाला थोक व्यापारी हरि गाला का कहना है कि जीरा की पैदावार अधिकतर गुजरात में होती है। जबकि इस साल जीरा की पैदावार अच्छी हुई है लेकिन पिछले साल के भाव को देखते हुए कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भंडारण और किसानों ने जीरा को बाजार में आने से रोक लिया है इसके कारण जीरा के भाव में तेजी देखने को मिल रही है।

सरकारी कर्मचारियों के लिए बेहद खास है जुलाई, महीने की शुरुआत में ही अकाउंट में आएगा पैसा

नई दिल्ली। सरकारी कर्मचारी जुलाई के महीने का इंतजार रहता है। इस महीने सरकार कर्मचारियों को दोहरा फायदा देती है। जुलाई के महीने में महंगाई भत्ते में इजाफा होता है तो इसके साथ कर्मचारियों की सैलरी में भी बढ़ोतरी होती है। इसका फायदा निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर आला-अधिकारी तक को मिलता है। आपको बता दें कि सरकार साल में दो बार महंगाई भत्ता और एक बार सैलरी में बढ़ोतरी करती है। इस साल भी जुलाई में सरकारी कर्मचारियों की सैलरी इंक्रीमेंट और डीए में इजाफा होगा। वैसे तो जनवरी में सरकार ने महंगाई भत्ता बढ़ाया था पर जुलाई में फिर से डीए बढ़ता है। आइए, उदाहरण की मदद से समझते हैं कि डीए और सैलरी बढ़ने के बाद कर्मचारियों को कितना पैसा बढ़कर मिलेगा कितना बढ़ेगा डीए सरकार ने जनवरी में 4 फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ाया था। ऐसे में इस बार भी उम्मीद है कि जुलाई में फिर से 4 फीसदी डीए बढ़ जाएगा। इसे ऐसे समझिए कि अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 50,000 रुपये है तो उसका 4 फीसदी 2,000 रुपये होगा। इसका मतलब है कि कर्मचारी का डीए 2,000 रुपये बढ़ोगा यानी जुलाई की सैलरी में कर्मचारी को 2,000 रुपये ज्यादा मिलेगा। कितना होगा इंक्रीमेंट हर साल जुलाई में कर्मचारियों की सैलरी में लगभग 3 फीसदी का इजाफा होता है। इसका मतलब है कि अगर कर्मचारी की बेसिक सैलरी 50 हजार रुपये है तो उसका 3 फीसदी 1,500 रुपये होता है। यानी कि कर्मचारियों की सैलरी में 1,500 रुपये की बढ़ोतरी होती है। इस तरह जुलाई में कर्मचारियों को डीए और सैलरी में इजाफा होने से फायदा होगा। अगर अगर बात करें कि टोटल कितने पैसे बढ़कर अकाउंट में आएगा तो 50 हजार बेसिक सैलरी पर 2,000 रुपये का डीए और 1500 रुपये का सैलरी इंक्रीमेंट होगा।

अडाणी ग्रुप पर आया बड़ा अपडेट, गौतम अडाणी की कंपनी ने बोर्ड मीटिंग में लिए कई फैसले

नई दिल्ली, 28 मई ।

अदाणी ग्रुप को लेकर आज बड़ा अपडेट सामने आया है। अदाणी ग्रुप की बोर्ड मीटिंग में अदाणी एंटरप्राइजेज को फंड जुटाने की अनुमति मिल गई है। वहीं दूसरी तरफ खबर यह भी आ रही है कि अदाणी ग्रुप यूपीआई पेमेंट और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म सेक्टर आने की प्लानिंग कर रहा है। अदाणी ग्रुप के बोर्ड द्वारा लिए गए फैसलों का असर कंपनी के शेयरों पर पड़ सकता है। अगर बात करें आज कंपनी के शेयर की परफॉर्मेंस कैसी है तो बता दें कि करीब 1 बजे अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट, अदाणी पावर के लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे।

अदाणी एंटरप्राइजेज को फंड जुटाने के लिए मिली मंजूरी

बोर्ड ने अदाणी एंटरप्राइजेज को फंड जुटाने के लिए मंजूरी दे दी है। बोर्ड ने कंपनी को 16,600 करोड़ रुपये का फंड जुटाने के लिए मंजूरी दे दी है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया है कि अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी क्वालीफाई इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट या किसी अन्य मोड के माध्यम से धन जुटाएगी। कंपनी ने अभी तक जानकारी नहीं दी है कि वह कब तक फंड जुटाएगी। बीते दिन बताया था कि वह क्यूआईपी के जरिये 12,500 करोड़ रुपये जुटाएगी।

ई-कॉमर्स सेक्टर में होगी अदाणी ग्रुप की एंट्री

अदाणी ग्रुप जल्द ही ई-कॉमर्स सेक्टर में कदम रख सकता है। अदाणी ग्रुप डिजिटल पेमेंट नेटवर्क पर काम करने के लिए लाइसेंस के लिए एक आवेदन पर विचार कर रहा है। इसके अलावा कंपनी कई बैंकों के साथ बातचीत कर रहा है। गौतम अदाणी की कंपनी ई-कॉमर्स सेक्टर में एंट्री लेने के लिए ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स से बातचीत कर रहा है। ओएनडीसी सरकारी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। इसका मतलब है कि गौतम अदाणी अब यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस नेटवर्क यानी डिजिटल पेमेंट नेटवर्क और ई-कॉमर्स सेक्टर में अपना पैर जमाना चाहते हैं।

सोने में सुस्त कारोबार, चांदी चमकी, सोना 72 हजार, चांदी लगभग 94,700 रुपए

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां) ।

देश के शेयर बाजारों में सोने के वायदा कारोबार में नरमी देखने को मिल रही है। इसके वायदा भाव गिरावट के साथ खुले, जबकि इसके भाव में तेजी देखी गई थी। आज इसके वायदा भाव गिरकर 72 हजार रुपये से नीचे आ गए। सोने के विपरीत चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिली और इसके वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इसके वायदा भाव 94,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

सोने के वायदा भाव 71,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 16 रुपये की गिरावट के साथ 71,993 रुपये के भाव पर खुलकर 88 रुपये की गिरावट के साथ 71,921 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

इस समय इसने 72,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,859 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। सोने के विपरीत चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 100 रुपये की तेजी के साथ 94,708 रुपये के भाव पर खुलकर 72 रुपये की तेजी के साथ 94,680 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 94,778 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 94,551 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर छू लिया। इस महीने चांदी के वायदा भाव ने 95, 950 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

29,000 करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड की नीलामी 31 मई को

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 31 मई को मुंबई में आयोजित की जाने वाली नीलामी के जरिए तीन लॉट में 29,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड की बिक्री का ऐलान किया है. वित्त मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है. नीलामी के लिए प्रतिस्पर्धी और गैर-प्रतिस्पर्धी दोनों बोलियां 31 मई, 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (ई-कुबेर) सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में पेश की जानी चाहिए. गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10.30 से 11 बजे के बीच पेश की जानी चाहिए. वहीं प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10.30 बजे से 11.30 बजे के बीच पेश की जानी चाहिए.

कौन कर सकता है सरकारी बॉन्ड में निवेश

सरकारी बॉन्ड में निवेश करने की प्रक्रिया अब बहुत आसान हो चुकी है. चाहे भारत के निवासी भारतीय हों या अनिवासी भारतीय यानी एनआरआई, आसानी से भारत सरकार के बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं. सरकारी प्रतिभूतियां हों या सरकारी डेवलपमेंट लोन अथवा ट्रेजरी बिल, एनआरआई भी इन सभी में आसानी से निवेश करके फायदा ले सकते हैं.

जानें कैसे किया गया है नीलामी के लिए इंतजाम

पहले लॉट में कई मूल्य विधियों (प्राइस मैथड) का उपयोग करके उपज-आधारित नीलामी के जरिए 12,000 करोड़ की नोटिफाइ की गई रकम के लिए नई सरकारी प्रतिभूति 2029 शामिल है 6,000 करोड़ रुपये मूल्य की न्यू जीओआई एसजीआरबी 2034 की दूसरी खेप भी मल्टीपल प्राइस मैथड का इस्तेमाल करके नीलाम की जाएगी. 11,000 करोड़ कीमत की 7.34 फीसदी सरकारी सिक्योरिटीज 2064 का तीसरा सेट मल्टीपल मूल्य पद्धति का इस्तेमाल करके मूल्य आधारित नीलाम किया जाएगा. सरकारी सिक्योरिटीज की बिक्री के बदले सरकार के पास होगा ये ऑप्शन सरकार के पास तीनों सिक्योरिटीज में से हर एक के बदले 2000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सदस्यता बरकरार रखने का ऑप्शन होगा. गवर्नमेंट सिक्योरिटीज के ऑक्शन में नॉन-कॉम्पीटीटिव बोली सुविधा योजना के मुताबिक सिक्योरिटीज की बिक्री की नोटिफाइड रकम का पांच फीसदी तक एलिजिबल लोगों और संस्थानों को आवंटित किया जाएगा।

झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की याचिका पर ईडी से मांगा जवाब, सिब्बल ने की पूर्व सीएम की पैरवी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां) ।

झारखंड उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दायर जमानत याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। एक कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किए गए सोरेन ने उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की और मामले की जल्द सुनवाई का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय की पीठ के समक्ष सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि झामुमो नेता राजनीतिक साजिश के शिकार हुए हैं। अदालत ने ईडी को मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और सुनवाई की अगली तारीख 10 जून तय की। अपनी याचिका में सोरेन ने अदालत से कहा कि उनका नाम साढ़े आठ एकड़ जमीन की सौदेबाजी के किसी भी दस्तावेज में नहीं है और उनके खिलाफ धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत कोई अपराध नहीं बनता। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईडी केवल कुछ लोगों के बयानों पर भरोसा कर रहा है, जिन्होंने कहा है कि जमीन उनका (हेमंत सोरेन का) है, लेकिन ऐसे बयानों की पुष्टि के लिए कोई दस्तावेज नहीं है। सोरेन ने 31 जनवरी को अपनी गिरफ्तारी से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और अब वह झारखंड की राजधानी रांची के होटवार में बिरसा मुंडा जेल में बंद हैं। उन पर रांची के बार्गेन में एक प्लॉट के लिए जमीन के दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है। सोरेन ने दलील दी कि जमीन का मालिक राजकुमार पाहन नाम का व्यक्ति है, जिसने बार्गेन सर्कल अधिकारी के कार्यालय में शिकायत की थी कि उसकी जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि पाहन ने कहीं भी हेमंत सोरेन के नाम का उल्लेख नहीं किया था, फिर भी ईडी ने दावा किया कि जमीन उनके (सोरेन के) कब्जे में थी। इससे पहले सोरेन को 22 मई को उच्चतम न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली थी। अदालत ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका में तथ्यों को छिपाने के लिए उन्हें फटकार लगाई थी।

106 साल पहले छपे 10 रुपए के दो नोटों की होगी नीलामी

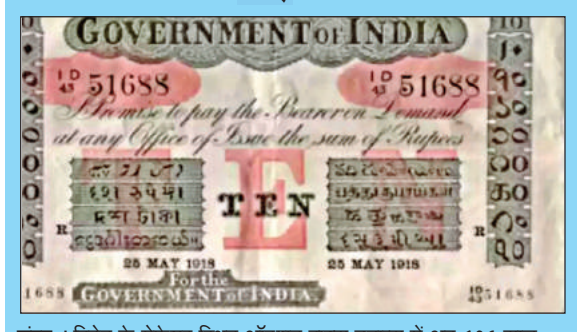

लंदन । ब्रिटेन के मेफेयर स्थित ऑक्शन हाउस नूनान्स में अब 106 साल पहले छपे 10 रुपये के दो नोटों की नीलामी होगी। इन नोटों की भी अजीब दास्तां है। आइए इस 106 साल पुराने नोट की कहानी बताते हैं। जानकारी के अनुसार, इन्हें बैंक ऑफ इंग्लैंड ने छापा था, जहाज में लाद कर भारत भेजा जा रहा था। लेकिन दुर्भाग्यवश वह जहाज डूब गया। उस जहाज पर लदे अधिकतर भारतीय करेंसी नोटों को तो नष्ट कर दिए गए। लेकिन ये दो नोट अभी भी किसी के पास सुरक्षित हैं। यह नीलामी 29 मई 2024 को होनी है। हालांकि ये बिना हस्ताक्षर के नोट हैं, लेकिन सुपर क्वालिटी ऑरिजिनल पेपर पर छपे हैं। इनका सीरियल नंबर भी अभी तक ज्यों का त्यो हैं। बताया जाता है कि इन दो नोटों की नीलामी का लॉट 474 और 475 तय किया गया है। इन दोनों लॉटों की नीलामी 29 मई को होगी। ऐसा अनुमान है कि इनकी नीलामी रुपए 2.1 लाख से 2.7 लाख में हो सकती है। बता दें कि पुराने और दुर्लभ नोटों और सिक्कों, पेंटिंग आदि के कद्रदान की कोई कमी नहीं है। ऐसी वस्तुओं की ब्रिटेन के मेफेयर स्थित ऑक्शन हाउस नूनान्स में नीलामी होती है।

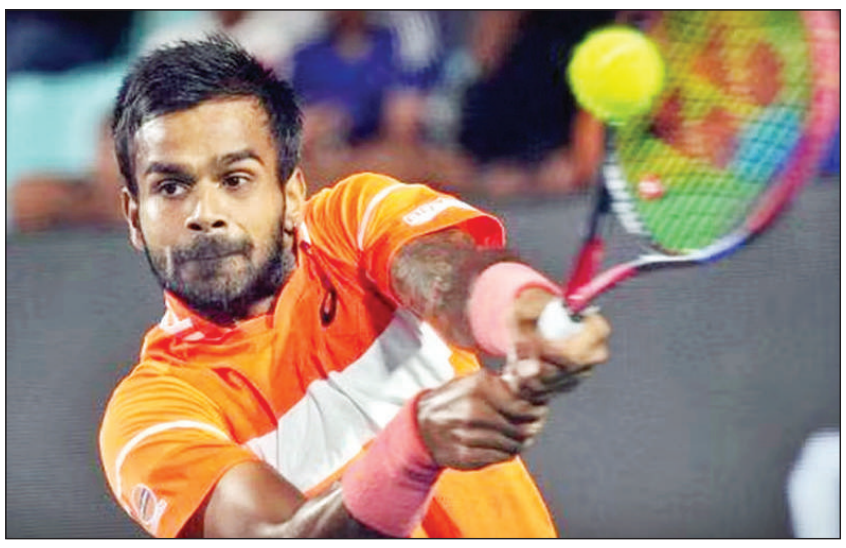

वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम में प्रभावित नहीं कर सके सुमित नागल, पहले दौर में खाचनोव से मिली हार

पेरिस, 28 मई (एजेंसियां)।

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में प्रभावित नहीं कर सके और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पदार्पण मैच के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। नागल को रूस के कारेन खाचनोव ने हराया। विश्व रैंकिंग में 95वें नंबर पर काबिज नागल के पास खाचनोव की दमदार सर्विस और करारे शॉट का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने तीसरे सेट में जरूर शानदार खेल दिखाया लेकिन इसके बावजूद वह 2-6, 0-6, 6-7 (5-7) से हार गए। नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में दुनिया के 31वें नंबर के अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर चौंका दिया था लेकिन लाल बजरी पर वह अपना यह करिश्मा नहीं दोहरा पाए।

अच्छी शुरुआत को बरकरार नहीं रख सके नागल - मैच से पहले बारिश आने के कारण कोर्ट थोड़ा धीमा हो गया था जो लंबी रैलियों के लिए आदर्श था। भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की लेकिन वह खाचनोव थे जिन्होंने तीसरे गेम में नागल की सर्विस तोड़ी। इसके बाद बारिश के कारण 21 मिनट तक खेल रुका रहा। खेल शुरू होने पर रूसी खिलाड़ी ने जबरदस्त खेल दिखाया और नागल को पस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। खाचनोव ने दोनों छोर से शॉट लगाए और ऐसे में भारतीय खिलाड़ी के लिए अंक बनाना मुश्किल हो गया।

खाचनोव के आगे टिक नहीं सके नागल - पहले सेट के सातवें गेम में नागल एक समय 30-0 से आगे थे लेकिन खाचनोव ने लगातार चार अंक बनाकर दूसरा ब्रेक प्वाइंट लिया। रूसी खिलाड़ी ने इसके बाद अगले गेम में फोरहैंड विनर लगाकर पहला सेट अपने नाम किया। नागल को दूसरे सेट में अच्छी शुरुआत की जरूरत थी लेकिन उन्होंने पहले गेम में ही अपनी सर्विस गंवा दी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी के पास भी दो बार ब्रेक लेने का मौका था लेकिन खाचनोव ने दोनों अवसरों पर अच्छी वापसी की। नागल इसके बाद अपनी अगली दोनों सर्विस का भी बचाव नहीं कर पाए और खाचनोव ने आसानी से यह सेट जीता। नागल ने तीसरे सेट में वापसी करके अपनी पहली सर्विस बचाई लेकिन तीसरे गेम में वह ऐसा नहीं कर पाए। इस बीच नागल ने दूसरे गेम में खाचनोव की सर्विस तोड़ने के दो मौके गंवाए।

न्यूज ब्रीफ

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 से पहले भारत ए का सामना ऑस्ट्रेलिया ए से होगा

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाले भारत ए के शेड्यूल और वेन्यू की घोषणा की। ऑस्ट्रेलिया ए और भारत ए के बीच दो चार दिवसीय मैच और एक तीन दिवसीय मैच खेला जाएगा, जिसमें भारतीय टेस्ट टीम और भारत ए के खिलाड़ी शामिल होंगे। यह सभी मैच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला से पहले होंगे। लीड-अप गेम्स का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया मेजबानी करेगा, जिसमें भारतीय पुरुष और महिला टीमें ऑस्ट्रेलिया में 69 दिनों में आठ अलग-अलग स्थानों पर खेलेंगी। ऑस्ट्रेलिया ए बनाम भारत ए मैच क्रमशः मैकाय (31 अक्टूबर-3 नवंबर) और एमसीजी (7-10 नवंबर) में ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले जाएंगे, जबकि भारतीय आंतरिक मैच वाका ग्राउंड (15 -17 नवंबर) में होगा। इसके जरिए खिलाड़ी वेस्ट टेस्ट से पहले चयन के लिए अपना दावा पेश करेंगे । ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम दिसंबर में तीन एकदिवसीय मैचों में भारत से भिड़ेगी क्योंकि विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई और तेजी से सुधार कर रहे भारत के बीच प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई है। सीए के क्रिकेट संचालन प्रमुख पीटर रोच ने कहा, 2024-25 की गर्मियों को पांच टेस्ट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला द्वारा उजागर किया गया है, जो 30 से अधिक वर्षों में दो दिग्गजों के बीच पहली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला है। महिला वनडे के साथ-साथ और उससे पहले दो महत्वपूर्ण ऑस्ट्रेलिया ए बनाम भारत ए मैचों का आयोजन हमारे प्रशंसकों के लिए बहुत अच्छा होगा। उन्नत ग्रेट बैरियर रीफ एरेना और एमसीजी में उन ए मैचों की मेजबानी इन ए मैचों को महत्वपूर्ण दर्जा देती है और दोनों पक्षों के खिलाड़ियों को चयन के लिए अपना हाथ बढ़ाने का शानदार अवसर प्रदान करेगी। भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 2024: पुरुष ऑस्ट्रेलिया ए बनाम भारत ए सीरीज 31 अक्टूबर- 3 नवंबर, 2024: ग्रेट बैरियर रीफ एरिना, मैकाय 7 नवंबर-10 नवंबर, 2024: एमसीजी, मेलबर्न भारत पुरुषों का आंतरिक मैच 15 नवंबर-17 नवंबर: वाका ग्राउंड, पर्थ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 22-26 नवंबर, 2024: पर्थ स्टेडियम, पर्थ 6-10 दिसंबर, 2024: एडिलेड ओवल, एडिलेड (डे/नाइट) 14-18 दिसंबर, 2024: गाबा, ब्रिस्बेन दिसंबर 26-30, 2024: एमसीजी, मेलबर्न 3-7 जनवरी, 2025: एससीजी, सिडनी महिला वनडे सीरीज - ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत 5 दिसंबर, 2024: एलन बॉर्डर फील्ड, ब्रिस्बेन (डे/नाइट) 8 दिसंबर, 2024: एलन बॉर्डर फील्ड, ब्रिस्बेन (डे) 11 दिसंबर, 2024: वाका ग्राउंड, पर्थ (डे/नाइट)।

टी20 क्रिकेट पर ध्यान देने को एक दिवसीय प्रारुप छोड़ सकते हैं स्टार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि वह लंबे समय तक अधिक से अधिक टी20 प्रारुप खेलना चाहते हैं। इसलिए वह एकदिवसीय प्रारुप छोड़ सकते हैं। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने स्टार्क को नीलामी में रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था और आईपीएल 2024 के अंत में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो नॉकआउट मैचों में पांच विकेट के साथ ही टूर्नामेंट में कुल 17 विकेट लिए थे। स्टार्क ने कहा कि अब आने वाले समय में वह टी20 क्रिकेट पर सबसे ज्यादा ध्यान देंगे। स्टार्क ने कहा, ''पिछले नौ साल में मैंने निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को प्राथमिकता दी है। मैं अपने शरीर को आराम देने और परिवार के साथ कुछ समय बिताने का मौका पाने के लिए अधिकतर इन टूर्नामेंटों से हट गया इसलिए निश्चित रूप से पिछले नौ वर्षों में मेरा दिमाग इसी पर केंद्रित रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं निश्चित रूप से अपने करियर के अंत के करीब हूं। इसलिए एक प्रारूप को हटाया जा सकता है। इससे उनके पास काफी फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने का अवसर रहेगा।

15 साल बाद भारत में होगी विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप

नई दिल्ली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप अगले साल 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था। वहीं इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजनप और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।

रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने, इस खिलाड़ी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)।

स्टार फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और वह सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ अल नासर के अंतिम मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की। रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ मुकाबले में दो गोल किए जो उनका इस लीग के मौजूदा सीजन में 34वां और 35वां गोल था। इसी के साथ रोनाल्डो ने सीजन का समापन रिकॉर्ड बनाकर किया।

अल नासर की जीत में रोनाल्डो ने निभाई भूमिका - रोनाल्डो ने अपने दो गोल के दम पर अल नासर की जीत में अहम भूमिका निभाई। रोनाल्डो ने अल इतिहाद के खिलाफ पहले हॉफ के स्टॉपेज समय (45+3 मिनट) में इस मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद रीयल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाईटेड के इस पूर्व खिलाड़ी ने 69वें मिनट में हेडर के जरिये अपना दूसरा गोल किया। इसके साथ ही वह सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। रोनाल्डो के दो गोल की मदद से अल नासर ने अल इतिहाद को 4-2 से हराया। इस तरह रोनाल्डो की टीम ने 34 मैचों में 26 जीत के साथ 82 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान रहकर सीजन का समापन किया। अल हिलाल 34 मैचों में 31 जीत के साथ 96 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर रहा।

रिकॉर्ड तोड़ने के बाद रोनाल्डो ने इस तरह दी प्रतिक्रिया - सऊदी प्रो लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा गोल करने के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये अपनी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, मैं रिकॉर्ड के पीछे नहीं भागता, रिकॉर्ड मेरे पीछे भागते हैं।

अब्देराजाक हमदल्लाह को पीछे छोड़ा - रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में सर्वाधिक गोल करने के मामले में मोरक्को के अब्देराजाक हमदल्लाह को पीछे छोड़ा। अब्देराजाक हमदल्लाह ने 2018-19 सीजन में कुल 34 गोल किए थे, लेकिन पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो ने इस हमदल्लाह को पीछे छोड़ते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में इस लीग से जुड़े थे। रोनाल्डो पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 206 मैच खेले हैं और रोनाल्डो के नाम रिकॉर्ड 128 गोल हैं।

भारतीय शैली की कुश्ती को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले थे रोशन लाल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्वारा गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार से पुरस्कृत दिवंगत रोशन लाल की 27 मई को चौथी पुण्यतिथि है। इस मौके पर भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के सभी पदाधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी, सभी ने एक स्वर में कहा कि भारतीय शैली की कुश्ती के उत्थान के लिए हमेशा स्व. गुरु रोशन लाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही, वे और उनके कार्य कई सदियों तक याद किए जाएंगे। इस मौके पर भारतीय शली कुश्ती महासंघ के कार्यवाहक अध्यक्ष जितेंद्र नफे राठी ने कहा कि दिवंगत गुरु रोशन लाल द्वारा भारतीय शैली कुश्ती के उत्थान के लिए किया गया कार्य ऐतिहासिक है। भारतीय शैली कुश्ती, कुश्ती की जननी मां है, भारत का हर पहलवान पहले भारतीय शैली कुश्ती के द्वारा ही एक संपूर्ण पहलवान बनता है । भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के महासचिव गौरव रोशन लाल ने बताया कि वह अपने पिता तथा पूर्व द्रोणाचार्य पुरस्कृत कोच साहब के इस सपने को भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के माध्यम से पूरा करने के लिए प्रयासरत है। इस मौके पर महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा जिनमें विशेष रूप से, रामाश्रय यादव (चेयरमैन), शिव कुमार शर्मा (वरि. उपाध्यक्ष), अर्जुन यादव (उपाध्यक्ष), मो. हनीफ़ राज (कोषाध्यक्ष), यशपाल बक्शी (सलाहकार), ज्ञान सिंह, (ओलंपियन, ध्यानचंद अवार्ड), कृपाशंकर पटेल (अर्जुना अवार्ड), ओमबीर सिंह (अर्जुना अवार्ड) आदि लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

दो महीने तक ब्रश नहीं किया, सबसे बुरे समय को याद करते हुए भावुक हुए ऋषभ पंत, इतने महीने दर्द से बुरी तरह तड़पे

नई दिल्ली, 28 मई ।

भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल समय के बारे में खुलासा किया। ऋषभ पंत ने हाल ही में शिखर धवन के नए शो धवन करेंगे में शिरकत की थी। 26 साल के पंत ने इस दौरान गंभीर कार दुर्घटना के बाद असहनीय दर्द झेलने के बारे में खुलकर बताया।

ऋषभ पंत को कई फ्रैक्चर हुए, लिगामेंट के लिए उन्हें घुटने की सर्जरी से गुजरना पड़ा। यह चोटें उनके करियर के लिए भयावह थी, लेकिन उन्होंने हाल ही में 15 महीने के अंतराल के बाद आईपीएल 2024 में वापसी की और टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय स्क्वाड में शामिल किया गया।

ऋषभ पंत का बड़ा खुलासा

ऋषभ पंत ने चोट के बाद के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, चोट से उबरने के लिए आत्म निर्भरता और आत्म विश्वास बहुत जरूरी है क्योंकि आपके आस-पास लोग सभी तरह की बातें करते हैं। व्यक्तिगत रूप से आपको सोचना रहता है कि आपके लिए क्या बेहतर है। कार एक्सीडेंट मेरे लिए जिंदगी बदलने वाला अनुभव रहा। जब मेरी आंख खुली तो मुझे विश्वास नहीं था कि जी पाऊंगा। मगर भगवान ने मुझे बचा लिया।

उन्होंने आगे कहा, मैंने दो महीने तक ब्रश भी नहीं किया था। करीब छह से सात महीने तक मैंने असहनीय दर्द सहा। मैं एयरपोर्ट नहीं जाना चाहता था क्योंकि व्हीलचेयर पर बैठकर लोगों का सामना करने में हिचकिचाहट होती थी। अब जब मैंने क्रिकेट में वापसी की है, तो दबाव से ज्यादा मैं उत्साहित महसूस कर रहा हूं। मुझे महसूस होता है कि यह दूसरी जिंदगी की तरह है। मैं उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ा घबराया हुआ हूं। पंत का आईपीएल 2024 में प्रदर्शन बता दें कि ऋषभ पंत ने आईपीएल 2024 में वापसी की और दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वोट के समय देश...

स्थिति बदली है उसके संदर्भ में मैं सबसे पहले देश के न्यायतंत्र को प्रार्थना करना चाहता हूं। सरकार के काम करने की रणनीति होती है। उसके लिए कभी मुझे इंटरनेट बंद करना पड़ा, कोई एनजीओ कोर्ट चला गया और कोर्ट में वे मुद्दा बन गया। भले मैंने कुछ समय के लिए इंटरनेट बंद किया था लेकिन आज वहां के बच्चे बहुत गर्व के साथ कहते हैं कि 5 साल से इंटरनेट बंद नहीं हुआ है। 5 साल से हमें सब सुविधाएं मिल रही हैं। कुछ दिन तकलीफ हुई लेकिन अच्छे काम के लिए हुई थी। जो ऐसे एनजीओ हैं जिन्होंने अदालतों के भरोसे लड़ाई शुरू की है उनसे देश को बचाना बहुत जरूरी है।पीएम मोदी ने कहा, धारा 370 सिर्फ 4-5 परिवारों का एजेंडा था, ये न तो कश्मीर के लोगों का एजेंडा था और न ही देश के लोगों का एजेंडा था। अपने फायदे के लिए उन्होंने 370 की ऐसी दीवार बनाई थी और कहते थे कि 370 हटाओगे तो आग लग जाएगी। आज ये सच हो गया है कि 370 हटने के बाद और एकता का एहसास हो रहा है। कश्मीर के लोगों में अपनेपन की भावना बढ़ रही है और इसलिए इसका सीधा परिणाम चुनाव, पर्यटन में भी दिख रहा है।ओड़ीशा विधानसभा चुनाव पर पीएम मोदी ने कहा, 25 साल से ओड़ीशा में प्रगति नहीं हो रही है। सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि कुछ ऐसे लोगों की टोली है जिसने पूरे ओड़ीशा की व्यवस्था पर कब्जा कर लिया है। ओड़ीशा अगर उन बंधनों से बाहर आएगा तो ओड़ीशा खिलेगा। उन्होंने कहा, ओड़ीशा के पास इतने प्राकृतिक संसाधन हैं, इतने समृद्ध राज्य में गरीब लोगों को देखकर दुख होता है। ओड़ीशा का भाग्य बदलने वाला है। ओड़ीशा की वर्तमान सरकार की एक्सपायरी डेट 4 जून है।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि पीएम मोदी तय करते हैं कि कौन जेल जाएगा। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बेहतर होगा कि ये लोग संविधान पढ़ लें, देश के कानून पढ़ लें, मुझे किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

चुनाव प्रचार खत्म...

देश में आखिरी चरण का मतदान 1 जून को होना है। चुनाव के लिए प्रचार अभियान चुनाव से दो दिन पहले समाप्त हो जाता है। नतीजे चार जून को आएंगे।

उन्होंने बताया कि जिस चट्टान पर प्रधानमंत्री ध्यान करेंगे, उसका विवेकानंद के जीवन पर बड़ा प्रभाव था और यह भिक्षु के जीवन में गौतम बुद्ध के लिए सारनाथ के समान ही महत्व रखता है। पूरे देश में घूमने के बाद विवेकानन्द यहीं पहुंचे थे और तीन दिनों तक ध्यान किया था। उन्होंने यहां विकसित भारत का सपना देखा था। भाजपा नेता ने बताया कि उसी स्थान पर ध्यान करना स्वामी जी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को जीवन में लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस स्थान को पवित्र ग्रंथों में भगवान शिव के लिए देवी पार्वती के ध्यान के स्थल के रूप में भी जाना जाता है। यह स्थान भारत का सबसे दक्षिणी छोर है। यह वही जगह है, जहां पूर्वी और पश्चिमी तट रेखाएं मिलती हैं। यह हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का मिलन बिंदु भी है। एक नेता ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी कन्याकुमारी जाकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दे रहे हैं। यह तमिलनाडु के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता और स्नेह को भी दर्शाता है।

संदेशखाली का,...

माना जा रहा है कि ईडी के रुख के बाद शेख को जमानत मिलने में काफी मुश्किल होगी। शेख को महिलाओं के उत्पीड़न और जमीन हथियाने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह काफी समय तक छिपा रहा था। सूत्रों के अनुसार, अब तक जमीन कब्जाने की कई शिकायतें मिल चुकी हैं। ईडी ने जमीन हड़पने के आरोपों की जांच शुरू की थी।अधिकारियों को जांच में अब तक करीब 180 बीघे जमीन कब्जाने का पता चला है। आरोप है कि इस तरह से उसने 261 करोड़ रुपए की अवैध सम्पत्ति कब्जाई। इसमें से ईडी पहले ही 27 करोड़ रुपए जब्त कर चुकी है। इन सभी मामलों का जिक्र ईडी की ओर से सौंपी गई चार्जशीट में किया गया है।

बांग्लादेश को ...

लेकिन उनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने नया ईसाई मुल्क बनाने के बारे में कहा कि साजिश करने वालों की नजरें बंगाल की खाड़ी पर हैं। शेख हसीना ने अपने बयान में नए मुल्क बनाने की कोशिश करने वाले देश का नाम नहीं लिया लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि उनका इशारा अमेरिका की तरफ था। इससे पहले भी वह आरोप लगा चुकी हैं कि अमेरिका उनकी सरकार का तख्तापलट करके इस्लामी कट्टरपंथियों को सत्ता में बिठाना चाहता है।अमेरिका बांग्लादेश के चुनावों पर भी लगातार प्रश्न उठाता आया है, उसने बांग्लादेश के कई अधिकारियों पर अमेरिका में घुसने पर रोक लगाई थी। वहीं शेख हसीना ने पूर्वी तिमोर का उदाहरण दिया जो कि एक ईसाई मुल्क है और 2002 में ही बना है। तिमोर द्वीप के एक हिस्से में बसे इस देश को पुर्तगाल ने 1974 में छोड़ दिया था, इसके बाद इस पर इंडोनेशिया का कब्जा हो गया। हालांकि, यहां कई समूह पैदा हो गए जिन्होंने तिमोर के एक हिस्से को आजाद करवा लिया। तिमोर में 99 प्रतिशत जनता ईसाई है।

चार जून के...

प्रधानमंत्री ने कहा- इंडी गठबंधन की देशविरोधी राजनीति का यह एक खतरनाक फॉर्मूला है। इनका फॉर्मूला है- घोर सांप्रदायिक राजनीति करो, घोर तुष्टीकरण की राजनीति करो, अलगाववादियों को संरक्षण दो, आतंकवादियों का बचाव करो और जो उसका विरोध करे, उस पर हिन्दू-मुसलमान करने का आरोप लगा दो। भाजपा दलित, वंचित और आदिवासियों के लिए समर्पित है, समर्पण और सेवा भाव से काम करती है। हमने आदिवासी कल्याण के लिए 4 गुणा से ज्यादा बजट बढ़ाया। हम जनजातीय इलाके में 400 से ज्यादा एकलव्य आवासीय विद्यालय बना रहे हैं। आदिवासी इलाकों में खनिज का पैसा आपके बच्चों के लिए खर्च हो, हमने इसके लिए कानून बनाया है। हमारी सरकार भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाती है।प्रधानमंत्री ने कहा- 2014 में जब आपने मोदी को आशीर्वाद दिया था। तब पूरा देश कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुका था। रोज-रोज घोटाले होते थे। कांग्रेस गरीबों के नाम पर पैसे लूटने में 24 गुणा 7 लगी हुई थी। मोदी ने आकर वो सब बंद कर दिया। जनता का पैसा आज जनता के हित में इस्तेमाल हो रहा है।श्री मोदी ने कहा- संताल की ये धरती क्रांति की धरती है। ये देश के लिए जीने-मरने वालों की धरती है। इस धरती पर ये जनसैलाब और इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें हमें आशीर्वाद देने आई हैं। आपके आशीर्वाद ने ये पक्का कर दिया है कि देश में भाजपा नीत राजग की सरकार बनना तय है।

उन्होंने कहा- जो काम 10 साल में हुआ है। अब अगले 5 साल उसे और आगे बढ़ाना है। अगले 5 साल में 3 करोड़ माताओं-बहनों को लखपति दीदी बनाने का मेरा संकल्प है। 4 जून के बाद नई सरकार बनेगी। सरकार बनने के बाद 3 करोड़ गरीबों के लिए और पक्के मकान बनाये जायेंगे। । इसका सबसे ज्यादा लाभ हमारे गांव, गरीब, दलित और आदिवासी परिवारों को हुआ। हमारी माताएं-बहनें, जिन्हें पहले की सरकारों ने पूछा तक नहीं, मोदी ने उन्हें पूजा है। हमने उनका जीवन बदला, उनकी परेशानी दूर हुई है।संथाल परगना के विभिन्न क्षेत्रों से उमड़े विशाल जन सैलाब को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, दुमका प्रत्याशी सीता सोरेन, गोड्डा प्रत्याशी निशिकांत दुबे, राजमहल प्रत्याशी ताला मरांडी, पूर्व मंत्री और प्रदेश उपाध्यक्ष डाक्टर लोइस मरांडी ने भी संबोधित किया। जन संकल्प सभा में मंच पर प्रतिपक्ष के नेता अमर बाउरी, दुमका के सांसद सुनील सोरेन, सारठ विधायक रणधीर सिंह, पूर्व सांसद अभय कांत प्रसाद सहित कई प्रमुख नेता भी मौजूद थे।

केजरीवाल की ...

मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा कि याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए पिछले सप्ताह तब क्यों इसका उल्लेख नहीं किया गया, जब मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ में शामिल न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता अवकाश पीठ में बैठे थे। मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने वाली पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने की थी।पीठ ने कहा, जब न्यायमूर्ति दत्ता पिछले सप्ताह अवकाश पीठ में बैठे थे, आपने तब इसका उल्लेख क्यों नहीं किया? सीजेआई को निर्णय लेने दें क्योंकि यह औचित्य का मुद्दा उठाता है, हम इसे सीजेआई को भेजेंगे। इस पर सिंघवी ने कहा कि चिकित्सकीय परामर्श परसों मिला था और इसलिए पिछले सप्ताह उस अवकाश पीठ के समक्ष इसका उल्लेख नहीं किया जा सका जिसमें न्यायमूर्ति दत्ता शामिल थे। दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी केजरीवाल ने अपनी याचिका में दावा किया है कि गिरफ्तारी के बाद उनका वजन सात किलोग्राम कम हो गया है। उनका कीटोन लेवल बहुत ज्यादा है, जो किसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा, वर्तमान में उनका इलाज कर रहे मैक्स अस्पताल के संबंधित डॉक्टरों ने कुछ जांच करने की सलाह दी है, जिसके लिए सात दिनों का समय चाहिए। याचिका में कहा गया है कि के उन्हें पीईटी-सीटी स्कैन और अन्य जांच करने की सलाह दी गई है।

आपा नेता...

भाजपा नेता और नई दिल्ली संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली की मंत्री आतिशी ने बिना किसी तर्क के, बिना किसी सबूत के ऑपरेशन लोटस जैसा घिनौना आरोप पार्टी पर लगाया। तब प्रवीण शंकर कपूर की ओर से दिल्ली की मंत्री पर मानहानि का मामला दायर कराया गया।दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, मैंने पहले ही कहा था कि वे (केंद्र सरकार) अगली बार आतिशी को गिरफ्तार करेंगे। वे अब आतिशी की गिरफ्तारी की साजिश रच रहे हैं। यह पूरी तरह से तानाशाही है। झूठे मामलों में वे एक-एक करके आपा के सभी नेताओं को गिरफ्तार कर रहे हैं। अगर मोदी जी दोबारा सत्ता में आए तो हर एक विपक्षी नेता को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पीएमएलएन अध्यक्ष पद पर फिर से होगी नवाज शरीफ की ताजपोशी, छह साल बाद होगी वापसी

इस्लामाबाद, 28 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ एक बार फिर पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएलएन) पार्टी के अध्यक्ष चुने जाएंगे। लाहौर के एक स्थानीय होटल में पीएमएलएन की जनरल काउंसिल की बैठक होगी, जिसमें नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए पार्टी के 11 नेताओं को नामांकन पत्र मिले हैं, लेकिन माना जा रहा है कि नवाज शरीफ निर्विरोध पार्टी के नए अध्यक्ष चुने जा सकते हैं।

11 मई को होनी थी बैठक - लंदन में चार साल का स्व-निर्वासित जीवन बिताने के बाद नवाज शरीफ बीते साल अक्तूबर में पाकिस्तान वापस लौटे थे। पहले पीएमएलएन की जनरल काउंसिल की बैठक 11 मई को होनी थी, लेकिन पाकिस्तान के परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने के 26 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में हुए जश्न के चलते यह बैठक टाल दी गई थी।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और पार्टी की पंजाई इकाई के अध्यक्ष राणा सनाउल्लाह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संकेत दिए कि नवाज शरीफ निर्विरोध पार्टी के नए अध्यक्ष बन सकते हैं। पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव में लोकतांत्रिक प्रक्रिया न अपनाने के आरोप पर राणा सनाउल्लाह ने कहा पार्टी पहले सत्ता केंद्रित थी, लेकिन नवाज शरीफ ने ही पार्टी को जनता की पार्टी बनाया। उन्होंने कहा कि कायद-ए-आजम मोहम्मद अली जिन्ना के बाद नवाज शरीफ ने ही पार्टी को जीवंत बनाया है। नवाज शरीफ के 8 फरवरी को हुए आम चुनाव के बाद से सक्रिय राजनीति से दूर रहने की वजह पूछने पर राणा सनाउल्लाह ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री किसी से नाराज नहीं हैं और वह पार्टी में लगातार सक्रिय हैं। पार्टी और सरकार के सभी बड़े फैसले उनके द्वारा ही लिए जा रहे हैं।

शहबाज शरीफ ने छोड़ा पार्टी अध्यक्ष का पद - गौरतलब है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बीते दिनों तक पार्टी अध्यक्ष का पद संभाल रहे थे, बीते महीने ही उन्होंने पद से इस्तीफा दिया है। शहबाज शरीफ ने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफे के बाद कहा कि अब समय आ गया है कि नवाज शरीफ पार्टी अध्यक्ष का पद संभालें। छह साल पहले भी पीएमएलएन अध्यक्ष पद पर नवाज शरीफ ही थे, लेकिन उनके इस्तीफे के बाद शहबाज शरीफ ये जिम्मेदारी निभा रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर कोरिया के अंतरिक्ष कार्यक्रम को बड़ा झटका, हवा में ही फटा जासूसी उपग्रह को ले जा रहा रॉकेट

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया ने अंतरिक्ष कार्यक्रम को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल एक जासूसी उपग्रह को ले जा रहे रॉकेट में हवा में ही विस्फोट हो गया। स्थानीय रिपोर्ट्स में बताया गया है कि उत्तर कोरिया के पड़ोसियों ने इस रॉकेट के प्रक्षेपण की कड़ी आलोचना की थी। पहले चरण की उड़ाने के दौरान हुआ विस्फोट बताया गया है कि उत्तर कोरिया ने उत्तर-पश्चिमी अंतरिक्ष केंद्र से एक नए रॉकेट को प्रेक्षेपित किया था। इस रॉकेट के साथ एक जासूसी उपग्रह भी प्रक्षेपित किया गया था। पहले चरण की उड़ान के दौरान ही रॉकेट हवा में फट गया। बताया गया है कि रॉकेट के इंजन में कुछ समस्या आ गई थी। इस वजह से वह हवा में ही फट गया। रॉकेट लॉन्च करने से पहले जापान के कोस्ट गार्ड को उत्तर कोरिया के प्लान के बारे में पता चला था। इसके तुरंत बाद जापान द्वारा उत्तर कोरिया को चेतावनी दी गई थी। दक्षिण कोरिया और जापान ने बताई ये बातें उधर दक्षिण कोरिया के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें उत्तर कोरिया के जासूसी उपग्रह के लिए उठाए गए कदम का पता चला था। इसके चार मिनट में पानी में कुछ टुकड़े देखे गए। इसके अलावा जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने उत्तर कोरिया के प्रक्षेपण कार्यक्रम के तुरंत बाद ओकिनावा द्वीप के लिए मिसाइल अलर्ट जारी किया था। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अनुसार पहले आसमान में एक नारंगी रंग की रोशनी देखी गई और इसके कुछ ही समय बाद एक विस्फोट हुआ। नवंबर 2023 में अंतरिक्ष में भेजा था पहला जासूसी उपग्रह इससे पहले वर्ष 2023 के नवंबर महीने में नॉर्थ कोरिया ने अंतरिक्ष में अपना पहला जासूसी उपग्रह भेजा था। बताया गया था कि अमेरिका की धमकियों का जवाब देने के लिए यह प्रक्षेपण किया गया था। इसके बाद उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा था कि 2024 में ऐसे तीन और अंतरिक्ष उपग्रहों का प्रक्षेपण किया जाएगा। नवंबर 2023 में जासूसी उपग्रह भेजने से पहले उत्तर कोरिया के दो प्रयास विफल रहे थे। पहले प्रयास में प्रक्षेपित किया गया रॉकेट समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसके बाद दूसरा प्रयास भी विफल रहा था। यह तीसरी बार है, जब उत्तर कोरियाई रॉकेट में हवा में विस्फोट हो गया।

77वीं बैठक की शुरुआत, 7 अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य, गेब्रेयेसस ने भारतीय पारंपरिक चिकित्सा का जिक्र किया

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोविड-19 के मद्देनजर अगली महामारी से निपटने के लिए वैश्विक तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से सदस्य देशों के मंत्रियों और अन्य शीर्ष प्रतिनिधियों के साथ अपनी वार्षिक बैठक शुरू की। सर्वाधिक महत्वाकांक्षी परियोजना महामारी को लेकर एक संधि पर हस्ताक्षर करना है लेकिन मसौदा नहीं तैयार किए जा सकने के चलते यह ठंडे बस्ते में है। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक टेड्रॉस गेब्रेयेसस ने कहा, इस पर एकजुट ना हो पाना कोई नाकामी नहीं है और इस हफ्ते वर्ल्ड हेल्थ असेंबली आगे की राह तैयार कर सकती है। प्रतिनिधियों, स्वास्थ्य अधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा अब भी एक मसौदा संधि तैयार करने की कोशिश की जा रही है। टेड्रॉस ने अनुमान जताया कि यह बैठक डब्ल्यूएचओ के 76 वर्षों के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र की 194 सदस्यीय स्वास्थ्य एजेंसी की बैठक में कई देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सात अरब डॉलर की सहायता की दरकार डब्ल्यूएचओ ने एक नया निवेश दौर शुरू करते हुए 7 अरब डॉलर की धनराशि जुटाने का लक्ष्य रखा है। 77वीं विश्व स्वास्थ्य सभा से पहले महानिदेशक टेड्रॉस गेब्रेयेसस ने कहा, प्रतिबद्धता बढ़ने से 2025 से 2028 तक चार वर्षों में एजेंसी को लक्ष्य बढ़ाना पड़ा है। उन्होंने कहा, निवेश दौर यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया है ताकि स्वैच्छिक योगदान अधिक टिकाऊ हो सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रॉस गेब्रेयेसस ने भारत में स्थापित वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र का जिक्र किया। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा पर पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन का उल्लेख भी किया। उन्होंने जिनेवा में 77वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए दवाओं और अन्य स्वास्थ्य उत्पादों तक पहुंच के समर्थन का आह्वान भी किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह शीर्ष संगठन सात अरब डॉलर जुटाने में कामयाब रहेगा। बता दें कि मार्च 2022 में, भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष स्वास्थ्य एजेंसी- डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा के लिए डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर की स्थापना का एलान किया था। इसके लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए थे।

रफाह पर इजराइली हमलों में 45 की मौत, शरणार्थी शिविरों के मलबे में कई और मौतों की आशंका

जेरूसलम, 28 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका समेत अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की चेतावनी के बावजूद इजराइली सेना ने गाजा के दक्षिणी शहर रफाह पर हवाई हमले किए। फलस्तीनी स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि रफाह में विस्थापित लोगों के लिए बने तंबुओं पर इजराइल के हवाई हमलों में 45 लोगों की मौत हो गई और कई लोग अब भी मलबे में फंसे हैं। मृतकों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जबकि कई लोग हमले में घायल हुए हैं। ये हवाई हमले उत्तरी गाजा से विस्थापित लोगों के शिविरों पर हुए। इन हमलों से पहले वैश्विक अदालत (आईसीसी) ने इजराइल को रफाह में सैन्य कार्रवाई रोकने के आदेश दिए थे। इस माह की शुरुआत में इजराइली हमले से पहले तक रफाह में गाजा की आधी से ज्यादा आबादी ने शरण ली हुई थी। इलाके में हजारों लोग अब भी रह रहे हैं जबकि बहुत से लोग यहां से भाग निकले हैं। सबसे बड़े हवाई हमले की फुटेज से इलाके में भारी तबाही का मंजर दिखाई दे रहा है। इजराइली सेना ने हमले की पुष्टि की और कहा कि उसने हमास के एक ठिकाने को निशाना बनाया और इसमें हमास के दो आतंकी भी मारे गए। सेना ने बताया कि वह नागरिकों को हुई क्षति की जांच करेगी। इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट को यहां तेज होते अभियान की जानकारी दी गई।

मृतक संख्या और बढ़ेगी

फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी के एक प्रवक्ता ने बताया कि इजराइली सेना के हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। दरअसल, रफाह के तल अल सुल्तान में खोज-चाव अभियान जारी रहा। सोसायटी ने दोहराया कि इजराइल ने खुद इस इलाके को एक 'मानवीय क्षेत्र' नामित किया था। यहां इजराइल ने ही पूर्व में लोगों को शरण के लिए कहा था। वेस्ट बैंक में फलस्तीनी की हत्या इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में भी तनाव बढ़ गया है। फलस्तीनी अधिकारियों के मुताबिक, इजराइली बलों ने दक्षिणी वेस्ट बैंक शहर सायर के पास एक 14 वर्षीय लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी।

इजराइली सेना ने कहा कि बेइत इइनुन जंक्शन पर इजराइली बलों पर चाकू से हमला करने की कोशिश के बाद इस फलस्तीनी को गोली मारी गई। ईयू-इजराइल संबंधों में गिरावट आई ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देश आयरलैंड व स्पेन द्वारा फलस्तीन को देश की राजनयिक मान्यता देने के बाद से इजराइल-ईयू के रिश्तों में भी गिरावट आई है। स्पेन ने सुझाव दिया है कि रफाह में लगातार हमलों के लिए इजराइल के विरुद्ध प्रतिबंधों पर विचार होना चाहिए।

पापुआ न्यू गिनी में अब तक 2000 से ज्यादा मौतें, राहत-बचाव कार्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद की गुहार

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी में पहाड़ी पर हुए भूस्खलन में अब तक सरकार ने मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की थी, लेकिन उसने स्पष्ट किया कि इस हादसे में 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए हैं। सरकार ने बताया कि उसने राहत कार्यों के लिए औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है। राजधानी पोर्ट मोरेस्बी से 600 किमी दूर उत्तर-पश्चिम में एंगा प्रांत में यह भूस्खलन हुआ था। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने पापुआ न्यू गिनी में 670 लोगों की मौत होने की आशंका जताई थी। सरकार का आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी के आंकड़ों से करीब तिगुना है। संयुक्त राष्ट्र को लिखे गए एक पत्र में राष्ट्रीय आपदा केंद्र के कार्यवाहक निदेशक ने कहा, भूस्खलन में 2000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए और 'बड़ा विनाश' हुआ। विदेश मंत्री जयशंकर ने दुख जताया विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से हुए जानमाल की हानि पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमारी संवेदनाएं सरकार व लोगों के साथ हैं। भारत इस कठिन समय में अपने दोस्तों के साथ एकजुटता से खड़ा है। जयशंकर ने कहा, भूस्खलन से क्षेत्र को भारी क्षति हुई है।

पोप फ्रांसिस ने समलैंगिक लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्द का किया इस्तेमाल, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा

रोम, 28 मई (एजेंसियां) ।

पोप फ्रांसिस ने समलैंगिक लोगों के लिए एक आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पोप फ्रांसिस इटैलियन बिशप्स के साथ बंद दरवाजों के पीछे एक बैठक कर रहे थे। इसी बैठक में उन्होंने समलैंगिक लोगों के लिए इटैलियन भाषा का एक आपत्तिजनक शब्द इस्तेमाल किया।

इटली के मीडिया संस्थानों ने किया दावा

इटली के दो शीर्ष मीडिया संस्थानों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया कि पोप फ्रांसिस ने कहा कि सेमिनरीज या धार्मिक संस्थानों में समलैंगिक लोग भर गए हैं। इस बयान में पोप फ्रांसिस ने समलैंगिकों के लिए इटैलियन भाषा के शब्द का इस्तेमाल किया, जिसे इटैलियन भाषा में बेहद आपत्तिजनक माना जाता है। हालांकि इन आरोपों पर अभी तक वेटिकन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में अज्ञात बिशप और अज्ञात सूत्रों का हवाला दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया है अर्जेंटीना मूल के पोप फ्रांसिस को शायद इटैलियन भाषा के शब्द का अर्थ नहीं पता होगा, तभी उन्होंने अनजाने में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

समलैंगिकों के प्रति उदार रहा है पोप फ्रांसिस का रवैया

रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 20 मई की है, जब पोप फ्रांसिस इटली के बिशप की कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए थे। 87 वर्षीय पोप फ्रांसिस पर अब समलैंगिकों के लिए आपत्तिजनक शब्द के इस्तेमाल का आरोप लगा है, लेकिन पोप फ्रांसिस को ही रोमन कैथोलिक चर्च में समलैंगिकों के प्रति उदार रवैया रखने के लिए जाना जाता है। साल 2013 में पोप फ्रांसिस ने अपने एक बयान में कहा था कि अगर कोई व्यक्ति समलैंगिक है और भगवान की शरण में आना जाता है तो ये भगवान की मर्जी है और मैं इसका फैसला करने वाला कौन होता हूं। बीते साल ही उन्होंने चर्च के पुजारियों को निर्देश दिया था कि वे समलैंगिक जोड़ों को भी आशीर्वाद दें। हालांकि उनके इस कदम की कुछ कट्टरपंथियों ने आलोचना भी की थी।

आंख मलने के कारण अंधा होते-होते बचा बच्चा, लगातार आंखें मलने की वजह से कार्निया को नोच डाला

कुआलालंपुर, 28 मई (एजेंसियां) ।

मलेशिया में रहने वाले एक लड़के को आंखें मलने की आदत थी। वो छोटा था, तब से एलर्जी की वजह से उसकी आंखों में खुजली होती थी। ये कई बार लाल भी हो जाती थी। ऐसी समस्या बच्चों में कई बार देखी जाती है लेकिन इसे लोग घरेलू इलाज से ही सही कर लेते हैं। लड़के के घरवाले भी शायद यही करते रहे, जब तक कि उसे धुंधला नहीं दिखने लगा। 21 साल के मलेशियन लड़के मुहम्मद ज़बिदी के साथ जो हुआ, वो सभी को जानना चाहिए। उसने बताया कि बचपन में उसे एलर्जी होती थी, जिसकी वजह से उसकी आंखें लाल हो जाती थीं और इसमें खुजली होती थी। 15 साल की उम्र तक उसकी दायीं आंख से थोड़ा धुंधला दिखाई देने लगा। वक्त के साथ-साथ ये समस्या बढ़ती गई। आखिरकार जब उसने डॉक्टर को दिखाया तो अजीबोगरीब चीज़ सामने आई। दरअसल लगातार आंखें मलने की वजह से उसने अपने कॉर्निया को नोच डाला था। यही वजह है कि उसकी एक आंख अंधेपन के

कगार पर थी।

लड़के ने खुद सोशल मीडिया पर बताया कि आंखें मलने की वजह से उसकी आंखें धुंधली हुईं और 21 साल का होते-होते कॉर्निया पर एक दाग सा बन गया था। उसे आखिरकार कॉर्निया ट्रांसप्लांट की सर्जरी करानी पड़ी। अब सर्जरी की वजह से उसे 2 महीने तक आंख खोलने से मना किया गया है और पूरी तरह से रिकवरी होने में 2 साल लग जाएंगे। मालूम हो कि कई बार कोई सामान्य सी घटना बड़े कांड की वजह बन जाती है। हम जिसे नॉर्मल मानते हैं, वो किसी बड़े खतरे का कारण बन रहा होता है।

आम चुनाव के लिए अक्षता मूर्ति ने भी कसी कमर, सोशल मीडिया पर कहा- हमेशा प्रधानमंत्री सुनक के साथ खड़ी हूं

लंदन, 28 मई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन में इस साल आम चुनाव होने वाले हैं। ब्रिटेन की सत्तारूढ़ दल की जिम्मेदारी इस बार प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के हाथों में है। प्रधानमंत्री सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति ने भी चुनाव के लिए कमर कस लिया है। उन्होंने आज एक संदेश पढ़ते हुए कहा कि वह हर कदम पर उनके साथ खड़े हैं। बता दें, प्रधानमंत्री सुनक ने हाल ही में आम चुनाव की घोषणा की थी।

हम मूल्यों को साझा करते हैं

सोशल मीडिया पर अक्षता और पीएम ने एक संयुक्त बयान में कहा कि लोग हमेशा हमसे पूछते हैं कि आपमें सबसे अधिक समानता क्या है। हम सिर्फ वेबसीरीज, स्पेनिश भोजन और प्यार ही साझा नहीं करते बल्कि हम मूल्यों को भी साझा करते हैं। हम उस विश्वास को साझा करते हैं, जिससे यह साफ हो जाएं कि हम अपने जीवन में कहा जाएंगे। हम इस विश्वास को साझा करते हैं कि बदलाव के लिए साहसिक कार्रवाई की आवश्यकता है। हम इस विश्वास को साझा करते हैं कि हमारे बच्चों को आज की दुनिया से बेहतर दुनिया विरासत में मिलेगी।

चार जुलाई को आम चुनाव

23 मई को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटेन के आम चुनाव की तारीख का एलान किया था। एलान के मुताबिक ब्रिटेन में 4 जुलाई को आम चुनाव होंगे। इस दौरान ऋषि सुनक ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा था कि आर्थिक स्थिरता बहुत मुश्किल से मिली है और यह सिर्फ शुरुआत है। सवाल ये है कि आप कैसे इस पर विश्वास दिखाते हैं और इस नींव को अपने, अपने परिवार और देश के एक सुरक्षित भविष्य में बदलते हैं। 4 जुलाई को आम चुनाव का एलान पीएम ऋषि सुनक ने कैबिनेट बैठक के बाद किया। दरअसल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कैबिनेट की बैठक बुलाई थी, जिसके बाद से ही कयास लग रहे थे कि सुनक आम चुनाव जुलाई में कराने का एलान कर सकते हैं और अब ये कयास सही साबित हुए हैं।

सुनक का विपक्ष पर निशाना

सुनक ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हम सभी जानते हैं कि लेबर पार्टी के पास कोई योजना नहीं है। लेकिन अगर वे सत्ता में आए तो इसका क्या मतलब है अनिश्चितता। कौन जानता है कि वे सरकार में क्या करेंगे वे हमें नहीं बताएंगे कि वे अपनी किसी भी नीति को कैसे फंड करेंगे। इस अनिश्चितता की कीमत क्या है

शव न मिलने के कारण सांसद की सीट को खाली घोषित करना कठिन, अधिकारी ने बताई परेशानी

ढाका, 28 मई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेशी सांसद हत्याकांड इन दिनों विवादों में बना हुआ है। इस बीच बांग्लादेश के अधिकारियों का कहना है कि सांसद का शव न मिलने के कारण उन्हें परेशानी हो रही है। बांग्लादेश के एक अधिकारी ने बताया कि संसद सचिवालय और चुनाव आयोग अनवारुल अजीम अनार का शव न मिलने के कारण उनकी संसदीय सीट जेनाइदाह-4 को खाली घोषित नहीं कर पा रहा है।

संविधान विशेषज्ञ शाहदीन मलिक ने संवाददाताओं से कहा कि बांग्लादेश के कानून के अनुसार, यदि कोई संसदीय सीट किसी भी कारण से खाली होती है तो 90 दिनों के भीतर उपचुनाव कराने होते हैं। लेकिन शव न मिल पाने के कारण सीट को खाली घोषित करने में कठिनाई का

सामना करना पड़ रहा है। संसद सचिवालय के वरिष्ठ सचिव केएम अब्दुस सलाम ने कहा कि स्पीकर शिरुन शर्मिन चौधरी कानूनी विशेषज्ञों और अन्य संबंधित लोगों के साथ परामर्श करेंगे, इसके बाद ही कोई निर्णय होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश के अधिकारी पहुंचे कोलकाता

हत्याकांड में जानकारी जुटाने के लिए अब पड़ोसी मुल्क के खुफिया विभाग के प्रमुख भारत आए हैं। उनके साथ बांग्लादेश की खुफिया विभाग शाखा के दो अन्य अधिकारी भी कोलकाता पहुंचे हैं। बांग्लादेश डिटेक्टिव ब्रांच की एक टीम, जिसमें डिटेक्टिव चीफ हारुनन राशिद मिंटो सहित तीन शीर्ष अधिकारी शामिल हैं, कोलकाता पहुंची। उनके साथ अन्य दो अधिकारी सईदुर रहमान और अब्दुल अहर भी आए हैं।

इलाज के लिए कोलकाता आए थे बांग्लादेशी सांसद

बांग्लादेशी सांसद इलाज के लिए कोलकाता आए थे। उप उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सांसद अजीम 12 मई को कोलकाता पहुंचे थे और शहर के उत्तरी इलाके में बारानगर में अपने दोस्त के घर पर ठहरे थे। 13 मई को वह किसी से मिलने गए लेकिन वापस नहीं लौटे। मामले का खुलासा 18 मई को हुआ, जब बांग्लादेशी सांसद के परिचित गोपाल बिस्वास ने थाने में उनके लापता होने की जानकारी दी। अनार कोलकाता में बिस्वास के घर पर ही रुके थे। बिस्वास ने दावा किया कि सांसद 17 मई से उनके संपर्क में नहीं थे। इसलिए उन्होंने एक दिन बाद गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। उनके फोन से परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए थे कि वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। उनका कोई पता नहीं है।

हनी ट्रैप का मामला आया सामने

पश्चिम बंगाल सीआईडी ने हत्या के पीछे हनी ट्रैप की आशंका जताई है। पुलिस का मानना है कि सांसद को एक महिला न्यू टाउन के एक फ्लैट में प्रलोभन देकर ले गई, जिसके बाद भाड़े के बदमाशों द्वारा उनकी हत्या की गई होगी। वहीं, हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक से मुलाकात की थी। यह व्यक्ति बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब पश्चिम बंगाल के एक इलाके का निवासी है। पुलिस अधिकारी ने हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान बताए बिना कहा कि जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह व्यक्ति सांसद से क्यों मिला और उन्होंने क्या चर्चा की थी।

जांच से संकेत मिला कि बांग्लादेशी सांसद एक महिला द्वारा बिछाए गए हनी ट्रैप में फंस गए, जो सांसद के दोस्त की भी करीबी थी। ऐसा लगता है कि महिला ने सांसद को न्यू टाउन के फ्लैट में जाने का प्रलोभन दिया था। हमें आशंका है कि वहां पहुंचते ही उनकी हत्या कर दी गई।

विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र का पाठ करते समय इन 5 नियमों का जरूर रखें ध्यान

भक्त भगवान विष्णु की पूजा अर्चना के लिए हर माह एकादशी का व्रत रखते हैं । हर दिन भगवान विष्णु की पूजा करने और विष्णु सहस्रनाम का पाठ करने से प्रभु भक्तों की सभी समस्याएं दूर कर सकते हैं। विष्णु सहस्रनाम की रचना प्राचीन समय में ऋषि मुनियों ने की है और इसमें प्रभु के हजारों नाम बताए गए हैं। इस स्तोत्र का पाठ करते समय कुछ नियमों का ध्यान रखना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए विष्णु सहस्रनाम का पाठ करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पाठ करने का समय

विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र का पाठ भक्त कभी भी कर सकते हैं लेकिन सूर्योदय का समय सबसे अच्छा माना जाता है। स्नान के बाद श्रद्धाभाव से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को स्मरण करने के बाद पाठ करना शुरू करें।

सफाई का ध्यान

विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र का पाठ करने से पहले भक्तों को साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिए। स्नान करने के साथ स्वच्छ वस्त्र धारण करना चाहिए और जहां पाठ करने वाले हैं वहां की भी सफाई कर लेनी चाहिए।

पीले वस्त्र

विष्णु सहस्रनाम का पाठ करते समय पीले रंग के वस्त्र धारण करना चाहिए। यह भगवान विष्णु के प्रिय रंग है। इससे भगवान विष्णु अत्यंत प्रसन्न होते हैं।

पानी का कलश

विष्णु सहस्रनाम पाठ करते समय मंदिर में या जहां पाठ करने बैठे हैं, वहां पानी से भरा कलश या गिलास जरूर रखना चाहिए।

सही उच्चारण

विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र का पाठ करते समय स्तोत्र में आए भगवान विष्णु के नामों को उच्चारण सही तरीके से करना चाहिए। पाठ पूरा होने पर भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए और गुड़ या पीले रंग की मिठाई का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण करना चाहिए। पाठ करते समय पूरा ध्यान पाठ पर ही रखना चाहिए।

विष्णु सहस्रनाम पाठ का महत्व

विष्णु सहस्रनाम के नियमित पाठ से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और जीवन की परेशानियां दूर हो जाती है। इसके पाठ से विवाह में आ रही बाधा भी दूर हो जाती है। नियमित पाठ से मन से भय और तनाव हट जाता है।

बहुत शुभ है सपने में शिवलिंग के दर्शन

जानिए क्या है ऐसे सपने का महत्व और जीवन पर क्या पड़ता है प्रभाव

सपने में आने वाली चीजों का हमारे जीवन से गहरा संबंध होता है। ज्योतिष शास्त्र में सपनों और उनके संकेत पर विस्तार से बताया गया है। माना जाता है कि सपनों में दिखाई देने वाली चीजों में हमारे वर्तमान और भविष्य के संकेत छिपे होते हैं। कुछ सपने जहां शुभ फलों की ओर संकेत करते हैं वहीं कुछ भविष्य में होने वाली चीजों के प्रति आगाह होने का संकेत देते हैं। अगर किसी को सपने में शिवलिंग के दर्शन हो रहे हैं तो इसे बहुत शुभ माना जाता है। यह भगवान शिव की कृपा का संकेत माना जाता है। इससे पता चलता है जीवन में आने वाला समय अच्छा होने वाला है। आइए जानते हैं सपने में शिवलिंग के दर्शन होना और किन बातों का संकेत होता है।

सपने में शिवलिंग देखने का अर्थ

प्राप्त होने वाली है भगवान शंकर की कृपा :- सपने में बार-बार शिवलिंग के दर्शन होना इस बात का संकेत माना जाता है कि आप पर भगवान शिव की कृपा होने वाली है। सपने में शिवलिंग के दर्शन से प्रभु आपको आपके जीवन में आने वाले बेहतर समय का संकेत दे रहे हैं। यह धन की प्राप्ति का भी संकेत माना जाता है।

भाग्योदय का संकेत

अगर सपने में आपको शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ा दिखाई दिया है तो इसे भाग्योदय का संकेत माना जाता है। बेलपत्र चढ़े शिवलिंग को सपने में देखना बहुत शुभ प्रभाव वाला माना जाता है।

जरूर करें पूजा

सपने में शिवलिंग दिखाई देने पर सुबह उठने के बाद जरूर मंदिर जाकर शिवलिंग के दर्शन करना चाहिए और भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा कर उनका आभार व्यक्त करना चाहिए।

सफेद शिवलिंग के दर्शन

अगर सपने में सफेद शिवलिंग के दर्शन होते हैं तो यह संकेत माना जाता है कि आपके घर से बीमारियां दूर होने वाली हैं और ऐसा माना जाता है कि आपकी कोई पुरानी अधूरी मनोकामना पूरी होने वाली है।

परेशानियां होंगी दूर

सपने में शिवलिंग के दर्शन इस बात का संकेत माने जाते हैं कि आप पर भगवान शिव की कृपा होने वाली है और सभी तरह की परेशानियां और समस्याओं का अंत होने वाला है।

शनिवार की शाम जरूर करें कपूर और लौंग का ये उपाय

घर की नकारात्मकता होगी दूर, परिवार का माहौल रहेगा अच्छा

वास्तु शास्त्र में जीवन में सुख और समृद्धि लाने के कई उपाय बताए गए हैं। कपूर और लौंग को बहुत शुभ माना जाता है और इससे जुड़े उपायों से सभी परेशानियों को दूर किया जा सकता है। कपूर और लौंग का उपयोग पूजा पाठ में किया जाता है और घर में इन्हें जलाने से कई तरह के लाभ होते हैं। खासकर शनिवार की शाम कपूर और लौंग के उपाय से बहुत लाभ हो सकता है। आइए जानते हैं शनिवार शाम कपूर और लौंग जलाने से क्या क्या फायदे हो सकते हैं।

शनिवार शाम कपूर और लौंग जलाने से होने वाले लाभ

सुख और समृद्धि- शनिवार शाम को घर में लौंग और कपूर जलाने से सुख और समृद्धि आती है। घर में किसी तरह की परेशानी नहीं रहती है और परिवार के लोग मिलजुल कर प्रेम भाव से रहते हैं।

नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति- घर में हमेशा बनी रहने वाली परेशानियों का कारण नकारात्कम ऊर्जा हो सकती है। शनिवार की शाम को कपूर और लौंग जलाने से नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर रहती है।

आर्थिक परेशानियों से छुटकारा- आर्थिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए शनिवार रात को सोने से पहले चांदी की कटोरी में लौंग और कपूर जलाने का उपाय करना चाहिए। इस उपाय से पैसे की तंगी दूर हो सकती है।

विरोधियों से मुक्ति- विरोधियों और शत्रुओं से मुक्ति पाने के लिए भी कपूर और लौंग जलाने का उपाय किया जा सकता है। यह उपाय आपको विरोधियों और शत्रुओं का मुकाबला करने में सक्षम बनाएगा।

मनमुटाव से मुक्ति-घर में लड़ाई झगड़ों से मुक्ति पाने के लिए भी लौंग और कपूर जलाने का उपाय कारगर साबित हो सकता है। शनिवार की शाम लौंग और कपूर जलाने से घर में खुशहाली आती है।

सुखी वैवाहिक जीवन- वैवाहिक जीवन की परेशानियों को समाप्त करने के लिए शनिवार को कपूर और लौंग जलाने का उपाय बहुत अच्छा माना जाता है। इस उपाय से दांपत्य जीवन सुखमय होता है।

करियर में सफलता-कभी कभी बहुत प्रयास के बावजूद करियर में सफलता प्राप्त नहीं होती है। ऐसे में कपूर और लौंग का उपाय काम आ सकता है। इस उपाय को नियमित रूप से करने से करियर में मनचाही सफलता प्राप्त हो सकती है।

इस वजह से तिरुपति बालाजी की आखें रहती हैं बंद

देश में ऐसे कई मंदिर हैं, जो अपने रहस्य की वजह से बेहद प्रसिद्ध हैं। इनमें से एक है तिरुपति बालाजी मंदिर। यह आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में स्थित है। यह मंदिर अपनी कई मान्यताओं की वजह से मशहूर है। तिरुपति बालाजी मंदिर जगत के पालनहार भगवान विष्णु के एक रूप भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है। मान्यता के अनुसार, भगवान वेंकटेश्वर ने अपने भक्तों को समस्याओं से बचाने के लिए कलयुग में अवतार लिया था।

कहा जाता है कि भगवान वेंकटेश्वर के रहने से कलयुग का अंत नहीं हो सकता। भगवान वेंकटेश्वर की पूजा करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अगर आप कभी तिरुपति बालाजी मंदिर गए होंगे या फिर सुना होगा कि भगवान वेंकटेश्वर की आंखें बंद रहती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान वेंकटेश्वर की आंखों को बंद रखने की क्या वजह है? अगर नहीं पता, तो आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

भगवान वेंकटेश्वर की आंखे बंद रहने का ये है रहस्य

धार्मिक मान्यता के अनुसार, कलयुग में तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर का वास माना जाता है। प्रभु वेंकटेश्वर को उनकी चमकीली और शक्तिशाली नेत्रों के लिए जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान वेंकटेश्वर की आंखों में ब्रह्मांडीय ऊर्जा होने की वजह से भक्त उनके नेत्रों में सीधा नहीं देख सकते हैं। इसलिए भगवान वेंकटेश्वर की आंखों को सफेद मुखौटे से ढक दिया जाता है। भगवान वेंकटेश्वर की आंखों से केवल गुरुवार के दिन ही मुखौटा बदला जाता है, तो ऐसे में इस दौरान क्षण भर के लिए भक्त उनकी आंखों के दर्शन कर सकते हैं।

इस दिन होता है चंदन से स्नान

गुरुवार को भगवान वेंकटेश्वर का चंदन से स्नान कराया जाता है और इसके बाद उनकी मूर्ति पर चंदन लगाया जाता है। कहा जाता है कि भगवान वेंकटेश्वर के हृदय पर चंदन लगाने से धन की देवी मां लक्ष्मी की छवि देखने को मिलती है।

नौतपा में सूर्यदेव को जल चढ़ाने का सही नियम व तरीका

साल 2024 में 2 जून तक रहेगा। इस दौरान गर्मी अपने चरम पर रहती है और इसे ही नौतपा कहा जाता है। हिंदू धर्म में इन 9 दिनों का विशेष महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र की मानें तो अगर इस दौरान सूर्यदेव की विधिपूर्वक पूजा की जाए तो इससे जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। साथ ही घर में बरकत और खुशहाली में बढ़ोत्तरी होती है। लेकिन ये तभी मुमकिन हो पाएगा जब आप सूर्यदेव को सही विधि से जल अर्पित करेंगे। ऐसे में आइए आज हम आपको बताते हैं नौतपा में सूर्य देव को जल अर्पित करने की सही विधि। साथ ही जानिए नौतपा में सूर्य देव को अर्घ्य देने के लाभ के बारे में।

नौतपा में सूर्यदेव को अर्घ्य देने की विधि

सूर्योदय से पहले स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहन लें। उसके बाद भगवान सूर्य देव को जल अर्पित करें। जल में लाल फूल, अक्षत, कुमकुम और हल्दी अवश्य डालें। जल अर्पित करते समय अपना मुख पूर्व दिशा की ओर रखें। ज्योतिष में सूर्योदय के समय सूर्य देव को जल चढ़ाना सबसे शुभ माना गया है। मंत्र बोलते हुए अर्घ्य देना शुभ माना जाता है। इसलिए जल अर्पित करते समय सूर्य देव के मंत्रों या गायत्री मंत्र का जाप जरूर करें। मंत्र का उच्चारण सही से करें और एक पैर ऊपर उठा कर ही सूर्य देव को अर्घ्य दें।

नौतपा में सूर्य देव को अर्घ्य देने के लाभ

सूर्यदेव को उदयकाल के समय अर्घ्य देना हिंदू धर्म में अत्यंत शुभ माना जाता है। नौपता के समय सूर्यदेव को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है। इस दौरान सूर्यदेव को अर्घ्य देने से कई फायदे होते हैं। सूर्यदेव की कृपा से रोग, शत्रु, भय से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही घर से दरिद्रता दूर होती है और स्वास्थ्य, धन, सुख-समृद्धि और सफलता की प्राप्त होती है। आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता बढ़ती है। ग्रहों की दशा में सुधार होता है। मन शांत होता है और एकाग्रता बढ़ती है।

सूर्यदेव के मंत्र

ॐ सूर्याय नमः
ॐ घृणि सूर्याय नमः
ॐ ह्रीं ह्रीं सूर्याय सहस्रकिरणराय मनोवांछित फलम् देहि देहि स्वाहा।।
ॐ ऐहि सूर्य सहस्त्रांशों तेजो राशे जगत्पते, अनुकंपयेमां भक्त्या, गृहाणार्घय दिवाकरः।
ॐ ह्रीं घृणिः सूर्य आदित्यः क्लीं ॐ ।

गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

कल मासिक जन्माष्टमी

करें ये आसान उपाय, जीवन में नहीं रहेगी कोई समस्या

हर महीने में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मासिक कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। इस दिन मुख्य रूप से भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान पूर्वक उपासना की जाती है। मई में मासिक जन्माष्टमी 30 मई गुरुवार के दिन मनाई जाएगी। ऐसे में चलिए जानते हैं कि मासिक कृष्ण जन्माष्टमी पर किस प्रकार भगवान श्री कृष्ण की कृपा प्राप्त की जा सकती है।

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी को भगवान श्री कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए एक उत्तम तिथि माना जाता है। ऐसे में यदि आप मासिक कृष्ण जन्माष्टमी के दिन कुछ आसान उपाय करते हैं, तो आपको कान्हा जी की कृपा प्राप्त हो सकती है, जिससे आपको जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

इस तरह करें पूजा

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सबसे पहले लड्डू गोपाल को दक्षिणावर्ती शंख में पंचामृत डालकर उनका अभिषेक करें। कान्हा जी को पीले रंग के वस्त्र पहनाए और पीले फूलों से उनका श्रृंगार करें। पूजा के दौरान लड्डू गोपाल जी को तुलसी की माला अर्पित करें। अब प्रतिमा के सामने घी का एक दीपक जलाएं और 'ओम् नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें।

लगाएं ये भोग

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा के दौरान उन्हें खीर का भोग लगाना चाहिए। ऐसा करने से श्रीकृष्ण प्रसन्न होते हैं, जिससे साधक की धन संबंधित परेशानी दूर हो सकती हैं। इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण को माखन और मिश्री बेहद प्रिय मानी गई है। ऐसे में मासिक जन्माष्टमी पर माखन और मिश्री का भोग लगाकर भी आप भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

अर्पित करें ये चीजें

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण की पूजा में उन्हें मोर पंख भी अर्पित कर सकते हैं। इससे घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। इसके साथ ही अगर आपकी संतान के जीवन में कोई समस्या बनी हुई है तो मासिक जन्माष्टमी के दिन संतान गोपाल स्तोत्र का पाठ करें। इससे आपको स्थिति में लाभ देखने को मिलेगा।

नकियाह हाजी शैतानी रस्में में निक्की बनाम मलिक मुकाबले के लिए तैयार

नकियाह हाजी, जो शैतानी रस्में में मलिक और निक्की के बीच अंतिम मुकाबले की तैयारी कर रही हैं, ने साझा किया कि कैसे, शॉट के बीच में, अभिनेत्री ने सांस लेने और खुद को संभालने के लिए एक पल लिया, उन्होंने आगे कहा कि वह दर्शकों के रोमांच महसूस करने का इंतजार नहीं कर सकतीं।निक्की का किरदार निभाने वाली नकियाह ने इस प्रमुख लड़ाई अनुक्रम की तैयारी करते समय खुद को अभिभूत महसूस किया।उसी के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा: ईमानदारी से, यह विशेष लड़ाई पूरी टीम के लिए एक प्रमुख बिंदु है।

दर्शकों ने निक्की को कपालिका को हराते और छाया को मारते देखा है, और अब वह अपने सबसे बड़े दुश्मन का सामना करती है। यह उसके लिए एक बार का अवसर है मलिक को पूरी तरह से हराने और एक बड़ी जीत हासिल करने के लिए यह सीक्वेंस एक्शन और रोमांच से भरपूर है और हम सभी इसे परफेक्ट बनाने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं।मैं अभिभूत हूं क्योंकि मुझे लगता है कि सभी की निगाहें मुझ पर हैं, और मुझे पूरी टीम और सबसे महत्वपूर्ण रूप से दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरना है। उसने साझा किया शॉट के बीच में, मुझे सांस लेने और खुद को संभालने में कुछ समय लगता है।अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं पूरे समय अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं, और मैं दर्शकों के रोमांच को महसूस करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। अगर मेरा अभिनय वांछित तीव्रता व्यक्त करता है, मैं पूरी तरह संतुष्ट हो जाऊंगा और मेरी कड़ी मेहनत सफल हो जाएगी।यह देखना दिलचस्प होगा कि निक्की अपनी सबसे बड़ी लड़ाई के लिए कैसे तैयारी करती है और क्या वह अपने सबसे बड़े दुश्मन मल्लिक को हराने में सक्षम है। यह शो, जिसमें पीयूष के रूप में विभव रॉय और कपालिका के रूप में शेफाली जरीवाला भी हैं, स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

करण जौहर ने धड़क 2 का किया ऐलान

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी लीड रोल में आएंगे नजर

करण जौहर ने अपकमिंग रोमांटिक इमोशनल ड्रामा फिल्म धड़क 2 का पहला क्लासिकल मोशन पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया है। इस पोस्टर को पोस्ट करते हुए फिल्म की कहानी को लेकर भी हिंट दी गई है। फिल्म मेकर करण ने धड़क 2 की स्टार कास्ट और रिलीज डेट को लेकर भी नई अपडेट शेयर की है। पिछले कुछ समय से इसके सीक्वल को लेकर दर्शकों के बीच खूब चर्चा हो रही थी। इस बीच अब जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर की धड़क का सीक्वल की रिलीज डेट आ चुकी है। ये फिल्म लोगों को इतनी पसंद आई थी कि वह इसके दूसरा पार्ट का इंतजार कर रहे थे।करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अपकमिंग फिल्म धड़क 2 की घोषणा करते हुए बताया है कि इस फिल्म में सिद्धांत चतुवेर्दी और तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आने वाले हैं। बता दें कि दोनों को पहली बार एक-दूसरे के साथ स्क्रीन पर रोमांस करते देखा जाएगा। इस फिल्म का मोशन पोस्टर लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। फिल्म धड़क 2 की पहली झलक शेयर कर दी गई है जो एक एनिमेटेड रोमांटिक वीडियो है।करण जौहर ने धड़क 2 की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है। सिद्धांत चतुवेर्दी और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म सिनेमाघरों में 22 नवंबर 2024 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं इस बार धड़क 2 की प्रेम कहानी बहुत अलग होने वाली है। इस फिल्म की कहानी का खुलासा हो चुका है। करण जौहर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, यह कहानी है थोड़ी अलग क्यूंकि एक था राजा, एक थी रानी, जात अलग थी... खत्म कहानी।सिद्धांत चतुवेर्दी और तृप्ति डिमरी की धड़क 2 का निर्माण करण जौहर की होम प्रोडक्शन धर्मा मूवीज करेगी। इस फिल्म में अधूरी प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। इस फिल्म का निर्देशन शाजिया इकबाल करेंगी। बता दें, जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर स्टारर धड़क 2016 में रिलीज हुई थी। यह मराठी फिल्म सैराट का हिंदी रीमेक थी। इस फिल्म से जाह्नवी कपूर ने अपना बॉलीवुड डेब्यू भी किया था।

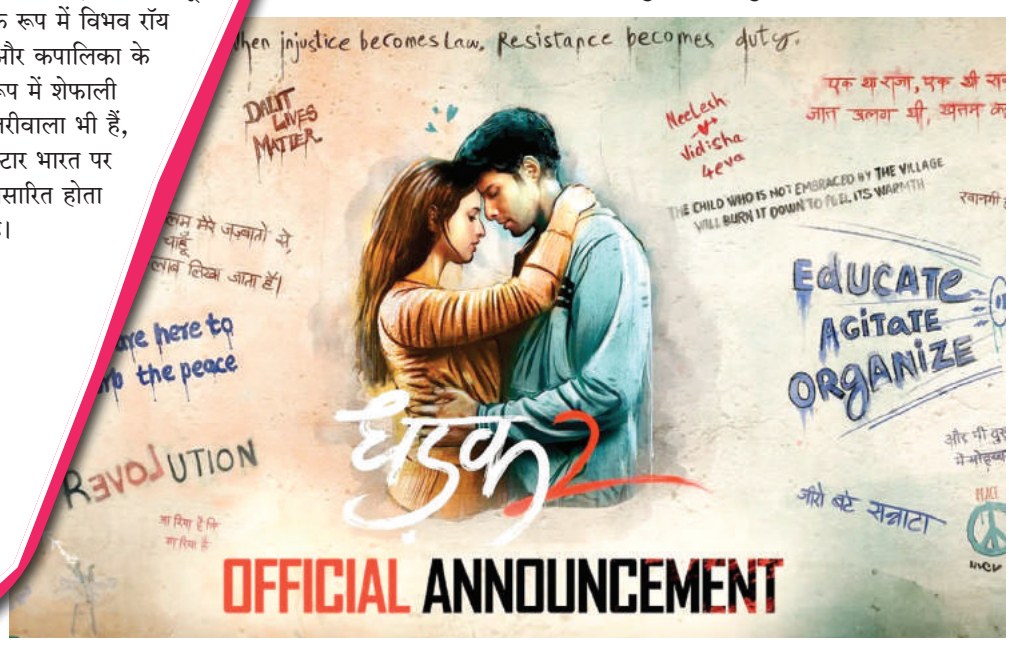

आलिया भट्ट ने साड़ी पहन दिखाया देसी लुक, अदाओं पर फिदा हुआ हॉलीवुड

दुनिया के सबसे बड़े फैशन इवेंट मेट गाला 2024 की 6 मई को न्यूयॉर्क में शुरुआत हो चुकी है। मेट गाला में हमेशा की तरह हॉलीवुड स्टार्स के साथ ही बॉलीवुड हसीनाओं ने अपने हुस्न का जलवा दिखाया। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट भी मेट गाला में नजर आईं और उन्होंने साड़ी पहनकर लोगों का ध्यान खींचा है। आलिया भट्ट का देशी लुक विदेश में छा गया। आलिया भट्ट के लुक ने मेट गाला की पूरी महफिल अपने नाम कर ली।आलिया भट्ट ने मेट गाला में साड़ी पहनकर देश से लेकर विदेश तक लोगों को दीवाना बना लिया है। आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी तस्वीरें शेयर कर लोगों का ध्यान खींचा है।आलिया भट्ट ने मेट गाला के दौरान सब्यसाची की बनाई हुई फ्लोरल साड़ी पहनी थी। आलिया भट्ट जब न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में नजर आईं तो लोगों की नजरें उन पर टिक गईं।मेट गाला 2024 की थीम 'स्लीपिंग ब्यूटीजः रीअवेकनिंग' फैशन है। इस हिसाब से सभी सितारे व्हाइट कारपेट पर तैयार होकर आए। आलिया भट्ट ने साड़ी पहनकर देशी लुक दिखाया।आलिया भट्ट के देशी लुक पर हॉलीवुड भी फिदा हो गया। आलिया भट्ट की एंट्री ने तो लोगों की उनकी साड़ी पर भी नजर टिक गईं। उन पर ग्रीन पेस्टल रंग की लहंगा साड़ी खूब जच रही थी।आलिया भट्ट की साड़ी को लेकर बताया जा रहा है कि इसे बनाने में सब्यसाची को 2 महीने से ज्यादा का समय लगा। आलिया भट्ट की हैंडमेड साड़ी बनाने में 1965 घंटे और 163 कारीगर लगे थे। आलिया भट्ट की साड़ी के अलावा उनका मेकअप और उनके बालों का स्टाइल फैंस का दिल धड़का रहा था। आलिया भट्ट ने एक से बढ़कर एक पोज दिए जिन पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं।आलिया भट्ट ने साल 2023 में मेट गाला में डेब्यू किया था। आलिया भट्ट ने मेटा गाला डेब्यू के दौरान एक लाख व्हाइट मोतियों से बना गाउन पहना था। इसे फेमस डिजाइनर प्रबल गुरुंग ने डिजाइन किया था।

64 साल की नीना गुप्ता ने शॉर्ट्स में दिखाया ग्लैमरस अंदाज

प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'पंचायत 3' रिलीज हो चुकी है और लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। वेब सीरीज 'पंचायत 3' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी अच्छे रिव्यू मिल रहे हैं। वेब सीरीज की एक दिन पहले यानी 27 मई को स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी जिसमें तमाम स्टार्स नजर आए। 'पंचायत 3' की स्क्रीनिंग में मंजू देवी यानी नीना गुप्ता भी पहुंची थीं और उन्होंने अपने अंदाज से लोगों का ध्यान खींचा है। दरअसल, नीना गुप्ता ने व्हाइट कलर का को-आर्ड सेट पहना था। 64 साल की नीना गुप्ता का ग्लैमरस अंदाज देखकर लोग जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। नीना गुप्ता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। हालांकि, तमाम सोशल मीडिया यूजर्स फनी कमेंट कर रहे हैं।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस नीना गुप्ता इन दिनों अपनी वेब सीरीज पंचायत 3 को लेकर चर्चा में हैं। ये वेब सीरीज 28 मई को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो चुकी है। पंचायत 3 की सोमवार को स्क्रीनिंग हुई थी जिसमें 64 साल की नीना गुप्ता ने ग्लैमरस अंदाज दिखाया है। दरअसल, नीना गुप्ता ने व्हाइट कलर का को-आर्ड सेट पहना था और उनको इस अंदाज में देखकर लोग उन्हें निशाना बना रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों ने फनी रिएक्शन दिए हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'इनके लिए उम्र सिर्फ एक नंबर है।' एक यूजर ने लिखा है, 'प्रधान जी तो फ्लैट हो जाएंगे।' एक यूजर ने लिखा है, 'इस उम्र में ऐसा अंदाज।' एक यूजर ने लिखा है, 'क्या कॉन्फिडेंस है।'

पंचायत' के पहले और दूसरे सीजन को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

वेब सीरीज 'पंचायत 3' को लेकर रिलीज से पहले ही काफी बज बना हुआ था और इसे काफी पसंद किया जा रहा है। बताते चलें कि वेब सीरीज 'पंचायत' का पहला सीजन साल 2020 में आया था और दूसरा सीजन 2022 में आया था। वेब सीरीज दोनों सीजन को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। 'पंचायत' की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीता गुप्ता, चंदन रॉय, फैसल मलिक, अशोक पाठक, पंकज झा, सुनीता राजवर जैसे स्टार्स हैं।

लौकी का पर्स लेकर सड़क पर निकलीं उर्फी जावेद

उर्फी जावेद आए दिन अपने अतरंगी फैशन और ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं। उर्फी जावेद की तस्वीरें सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होती हैं और लोग इन पर रिएक्शन देते हैं। उर्फी जावेद एक बार फिर पैपराजी के कैमरे में कैद हुई हैं और लोगों का ध्यान खींचा है। दरअसल, उर्फी जावेद लौकी का पर्स बनाकर सड़क पर निकली थीं और लोगों को अपनी तरफ आकर्षित किया। उर्फी जावेद की तस्वीरें वायरल होते ही लोग कमेंट कर रहे हैं। यहां पर आप उर्फी जावेद की नई तस्वीरें देख सकते हैं।उर्फी जावेद को देखते ही पैपराजी के कैमरे एक्टिव हो जाते हैं। उर्फी जावेद रविवार को पैपराजी के कैमरे में कैद हुई हैं और उनके अतरंगी अंदाज ने लोगों का ध्यान खींचा है। उर्फी जावेद की ड्रेस ने इस बार ध्यान ना खींचकर उनके हैंड पर्स पर लोगों की निगाहें टिक गईं। दरअसल, उर्फी जावेद ने लौकी से बना हुआ हैंड पर्स लिया हुआ था।उर्फी जावेद ने हाथ में लौकी वाला पर्स डालकर एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं। उर्फी जावेद का ये अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।उर्फी जावेद के आउटफिट की बात करें तो उन्होंने शॉर्ट ड्रेस पहनी थी और ऊपर से स्वेटर पहना हुआ था। उर्फी जावेद की लेटेस्ट तस्वीरों पर लोग कमेंट कर रहे हैं।उर्फी जावेद को लेकर एक यूजर ने लिखा है, 'इतनी गर्मी में स्वेटर कौन पहनता है।' एक यूजर ने लिखा है, 'पंचायत 3 का प्रमोशन किया जा रहा है।'

'आपकी फिल्मों को देखते हुए जवान हुए', पुनीत तिवारी ने इमरान हाशमी संग 'ग्राउंड जीरो' में काम करने पर की बात

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' का इस साल अनाउंसमेंट हुआ है। इस फिल्म की घोषणा होते ही इमरान हाशमी के फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' बीएसएफ ऑफिसर नरेंद्र नाथ धर दुबे की लाइफ पर बनेगी। फिल्म में उनका रोल इमरान हाशमी करने वाले हैं। फिल्म 'ग्राउंड जीरो' में एक्टर पुनीत तिवारी भी नजर आएंगे जिन्होंने 'चाचा विधायक हैं हमारे' और 'संदीप भैया' जैसी वेब सीरीज में काम किया है। पुनीत तिवारी ने इमरान हाशमी के साथ फिल्म 'ग्राउंड जीरो' में काम करने का अनुभव शेयर किया है। इसके साथ ही पुनीत तिवारी ने बताया है कि इमरान हाशमी के साथ काम करने उनके लिए सपने जैसा है।

इमरान हाशमी संग काम करके काफी खुश हैं पुनीत तिवारी

पुनीत तिवारी ने बताया, 'इमरान हाशमी के साथ काम करना अद्भुत था। उनके शुरुआती दिनों के समय में मैं स्कूल में था और हम उन्हें बहुत देखते थे। मैं शायद 11वीं क्लास में था जब उनकी फिल्म आशिक बनाया आपने रिलीज हुई थी। एक बार शूटिंग के दौरान मैंने उनसे कहा, आप ही की फिल्मों ने हमें जवान किया है। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, तुम लोगों को जवान करते हुए मैं खुद ही बूढ़ा होने जा रहा हूं।' पुनीत तिवारी ने बताया कि

जिसे आप फिल्मों में देखते थे फिर उसके साथ काम करने का मौका मिले तो सपना सच होने जैसा लगता है।

फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की कहानी

बताते चलें कि प्राइम वीडियो ने इस साल 19 मार्च को अपनी तमाम वेब सीरीज और फिल्मों का अनाउंसमेंट किया था, जिसमें फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की भी घोषणा की गई थी। इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल बना रहा है। इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' को विजय देवस्कर और तेजस प्रभा डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की कहानी की बात करें तो इमरान हाशमी बीएसएफ अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे और एक खतरनाक मिशन पर अपने काम को अंजाम देंगे।

चूरू में पारा 50 पार, पिलानी में टूटा रिकॉर्ड

जयपुर,28 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान में मंगलवार को गर्मी ने नए रिकॉर्ड बना दिए। चूरू में अधिकतम तापमान 50.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं, पिलानी में अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। यहां अधिकतम तापमान 49 डिग्री पहुंच गया। इससे पहले 2 मई 1999 को पिलानी में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 48.6 डिग्री रहा था।

राजस्थान में मंगलवार को इस मौसम का सबसे गर्म दिन रहा। चूरू में अधिकतम तापमान 50.5 डिग्री पहुंच गया। हालांकि चूरू में 2019 में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 50.8 डिग्री दर्ज किया जा चुका है। पिलानी में पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए पारा 49 डिग्री जा पहुंचा। वहीं राजधानी जयपुर में भी इस मौसम का सबसे गर्म दिन रहा। जयपुर में आज अधिकतम तापमान 46.6 डिग्री रहा।

जयपुर में हीटवेव की चपेट में आए एक छात्र की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक 22 साल के युवक जयपुर में एग्जाम देने आया था। एग्जाम देकर कॉलेज से बाहर निकलते वक्त बेहोश हो गया। इसके बाद जयपुरिया हॉस्पिटल के डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर का कहना है कि प्रथम दृष्टया गर्मी से तबीयत खराब होना लगती है।

जयपुर में छात्र तो बूंदी में दस मोरों की मौत

बूंदी में भीषण गर्मी का सितम रामगढ़ अभयारण्य में हीट स्ट्रोक से 10 मोरों की मौत

राजस्थान में इन दिनों भीषण गर्मी का दौर जारी है। आम लोगों के साथ-साथ अब जंगली जानवरों पर भी गर्मी कहर ढहाने लगी है। बूंदी के रामगढ़ अभयारण्य में हीट स्ट्रोक के चलते 10 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की मौत हो गई। मोर की मौत के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने डॉक्टरों की मौजूदगी में मोर का पोस्टमार्टम करवाया। डॉक्टरों ने भीषण गर्मी के चलते मोर की मौत की पुष्टि की है। पोस्टमार्टम के बाद मोरों के शव को दफना दिया गया। मोरों में 5 नर 5 मादा शामिल हैं, जिनकी मौत हुई है। ये मोर सभी अलग-अलग इलाकों में मृत पाए गए। मामला बूंदी जिले के इंद्रगढ़ रेंज के महुआ देवा जी क्षेत्र का है।

उधर, वन विभाग के डीएफओ संजीव शर्मा का कहना है कि रामगढ़ अभयारण्य में पानी की कोई कमी नहीं है। भीषण गर्मी के चलते मोर की मौत हुई है। हमारी कोशिश है कि जितने भी पानी की स्रोत है उन्हें समय पर भरा जा रहा है, ताकि कोई भी वन्य जीव पानी की तलाश में आबादी इलाके में नहीं पहुंचे। लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए वह विभाग ने आमजन से भी सहयोग की अपील की है।

गौरतलब है की जिस इलाके में मोरों की मौत हुई है, उसी इलाके के 15 दिन पूर्व एक भालू भी पानी की तलाश में भटकता हुआ आबादी में आ गया था। यहां यह भी बताते चले कि अब तक बूंदी जिले में चार लोगों की गर्मी की चपेट में आने से मौत भी हो चुकी है। गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन लगातार अलर्ट मोड पर है।

वन विभाग बोला, पानी की माकूल व्यवस्था

बूंदी रामगढ़ अभयारण्य के डीएफओ संजीव शर्मा ने बताया कि बूंदी रामगढ़ अभ्यारण में गर्मी को देखते हुए पानी की माकूल को व्यवस्था की गई है। हमें पहले से ही जानकारी थी कि आने वाले समय में भीषण गर्मी का दौरा होगा, पानी की भी कमी होगी। उसको देखते हुए हमने पहले ही पानी के स्रोतों को मजबूत करने का काम शुरू कर दिया था। जैसे ही गर्मी आई तो हम लगातार टीम बनाकर इन पानी के स्तोत्र को भरवा रहे हैं। अभी तक कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई है ना ही कोई पानी के चलते आबादी क्षेत्र में कोई जंगली जानवर का मूवमेंट देखा गया है। 10 मोरों की मौत के मामले में डीएफओ शर्मा ने कहा कि वह हमारे रामगढ़ क्षेत्र से सीमावर्ती क्षेत्र था। जहां पर 10 मोरों की मौत हुई है फिर भी हमने पोस्टमार्टम करवाया है। पानी से उनकी मौत नहीं हुई है उनकी मौत भीषण गर्मी के कारण हुई है। सभी मोर अलग-अलग स्थान पर मिले हैं।

हरियाणा में गर्मी का कहर, सिरसा में तापमान 50 डिग्री से पार

हरियाणा,28 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा में गर्मी का कहर जारी है। मंगलवार को सिरसा में पारा 50.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हिसार में के अलावा कई जिलों में 48 डिग्री से उपर तापमान दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार सिरसा ऑटोमेटिक वेदर सिस्टम के मापक यंत्र के अनुसार तापमान 50 डिग्री पार कर गया है। दूसरे नंबर पर हिसार के बालसमंद में 49.3 डिग्री सेल्सियस तामपान पहुंच गया है। वहीं नूंह में तापमान 49 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं महेंद्रगढ़ में 48.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है।

आईएमडी के अनुसार सोमवार के मुकाबले प्रदेश में औसत 1.1 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ा है। जोकि सामान्य से 6.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा है। हिसार में गर्मी के कारण भारत नगर में रहने वाले 24 साल के युवक पवन को अचानक चक्कर आ गए। परिजन उसे नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां आपातकालीन कक्ष में उपचार के दौरान पवन की मौत हो गई। सूचना मिलने पर एचटीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। गर्मी के कारण शहर में यह तीसरी मौत है। पिछले सप्ताह दो लोगों की गर्मी के कारण मौत हुई थी।

परिजनों के मिली जानकारी के अनुसार भारत नगर निवासी रमेश कुमार का 24 साल का बेटा पवन मजदूरी करता था। दोपहर को वह घर पर मौजूद था। घर की पहली मंजिल से जब वह सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था तो गर्मी के कारण उसको अचानक चक्कर आ गए। उसके बाद उल्टी शुरू हो गई और बेहोशी की हालत में चला गया। पवन की गंभीर हालत को देखते हुए अस्पताल लेकर आए। आपातकालीन कक्ष में चिकित्सकों ने पवन का उपचार शुरू किया, लेकिन कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि गर्मी के कारण पवन की मौत हो गई। बाकी पोस्टमार्टम होने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। सूचना मिलने पर एचटीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

गत बुधवार को आजाद नगर स्थित किसान कॉलोनी में अत्यधिक शराब के सेवन और गर्मी के कारण 34 साल के सिकंदर की मौत हो गई थी। वहीं उकलाना क्षेत्र में गर्मी के कारण व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई थी।

मतगणना की तैयारियों का जिला निर्वाचन अधिकारी ने लिया जायजा

पाली,28 मई (एजेंसियां)।

लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए मतगणना 4 जनू को जिला मुख्यालय स्थित बांगड़ कॉलेज में होगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव के लिए 4 जून को होने वाली मतगणना को लेकर सोमवार को राजकीय बांगड़ कॉलेज में जिला निर्वाचन अधिकारी और क्लक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मतगणना को लेकर की गई सभी प्रकार की तैयारियों के बारे में समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

मंत्री ने बताया कि मतगणना स्थल पर अधिकृत व्यक्ति ही प्रवेश ले पाएंगे तथा प्रवेश के लिये सक्षम अधिकारी द्वारा जारी पास दिखाना अनिवार्य होगा। मतगणना स्थल पर मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। सभी विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम मशीनें जिला मुख्यालय पर बांगड कॉलेज में बनाए गए मतगणना स्थल के स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखी गई हैं। सभी

निर्देशों का करना होगा पालन

मतगणना कक्ष संबंधित स्ट्रांग के पास ही है एवं स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष तक ईवीएम के परिवहन के लिए बेरीकेटिंग सुनिश्चित कर ली गई है।

प्रशासन की ओर से मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ, आरएसी एवं राजस्थान पुलिस के जवानों की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा कैमरे भी लगाए गए हैं तथा प्रत्येक गतिविधि की वीडियोग्राफी करवाई जा रही है। अग्निशमन यंत्र आदि के भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मतगणना से संबद्ध अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए गए निर्देशानुसार निर्धारित समय पर मतगणना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही मतगणना में लगे सभी कार्मिकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था सुरक्षा व्यवस्था, भोजन, पर्यवेक्षक कक्ष, व्यवस्था राउंड वॉर गणना ,पानी बिजली,गर्मी को देखते हुए उस अनुरूप सभी व्यबस्थाओ के बारे में मेडिकल व्यवस्थाओं आदि के बारे में विस्तार से निर्देश दिये।

शादी में हथकढ़ शराब और विषाक्त भोजन से तीन की मौत

24 गंभीर बीमारों का चल रहा है इलाज

उदयपुर,28 मई (एजेंसियां)।

जिले की सबसे उपेक्षित व सुविधाओं की कमी वाली कोटड़ा तहसील में बीती शाम एक शादी समारोह में हथकढ़ शराब पीने और विषाक्त भोजन करने से आदिवासी समुदाय के तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 24 लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए, जिनका इलाज गुजरात और राजस्थान के अस्पतालों में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार बोरडी कला निवासी कालूलाल आदिवासी के बेटे मनु की बारात सावन क्यारा गांव में चतराराम के यहां सोमवार शाम को गई थी। बारातियों ने रात 8 बजे बाद लड़की वालों के घर मनुहार कर परोसी हथकढ़ शराब पीकर खाना खाया, जिनमें वधू पक्ष के लोग भी शामिल थे। इसके बाद अधिकांश बाराती रात में ही बोरडी कला लौट आए।

रात में कुछ लोगों को उल्टी-दस्त होने पर किसी ने उस तरफ ध्यान नहीं दिया लेकिन मंगलवार सुबह तक दो दर्जन से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर रूप से बिगड़ गई। इलाज के लिए उन्हें कोटड़ा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां दो बाराती मसरू व बाबूलाल निवासी बोरडी कला और वधू पक्ष की एक महिला अमिया की उपचार के दौरान मौत हो गई। कोटड़ा के नजदीक होने के कारण ज्यादातर बीमारों को गुजरात के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री मरीजों और उनके परिजनों से मिलने अस्पताल पहुंचे।

गर्मी के कारण एक कमरे में सो रहा था परिवार

फायदा उठाते हुए दूसरे कमरे पर हाथ साफ कर गए चोर

अलवर,28 मई (एजेंसियां)।

शहर के शिवाजी पार्क थाना अंतर्गत शिव नगर तिजारा फाटक स्थित एक मकान में हुई चोरी की वारदात को लेकर पीड़िता बबीता चौधरी ने शिवाजी पार्क थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि वह शिव कॉलोनी में किराए के मकान में रहती है। कल रात घर में घुसे अज्ञात चोर मकान के दूसरे कमरे में चोरी करके फरार हो गए। घटना के समय पूरा परिवार घर के एक कमरे में सो रहा था।

पीड़िता का कहना है कि चोरों ने पहले उनके कमरे की कुंडी को बाहर से लॉक कर दिया, उसके बाद चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने उनके घर से 40 हजार नकद, सोने का लॉकेट, दो जोड़ी पाजेब के अलावा घर में पड़ा 5 किलो घी और घर का अन्य सामान चोरी किया और फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुटी है।

इलाज के नाम पर जान से खिलवाड़

डॉक्टर ने संक्रमित की जगह निकाल दी मरीज की सही किडनी

झुंझुनू,28 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान के झुंझुनू से डॉक्टरों की लापरवाही का मामला सामने आया है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में झुंझुनू का एक ऐसा मरीज भर्ती हुआ, जिसकी जांच में पता चला कि दूसरे अस्पताल में उसकी संक्रमित किडनी का इलाज करने के बजाय डॉक्टरों ने मरीज की सही किडनी बाहर निकाल दी। मरीज का संक्रमण जब ज्यादा बढ़ा तो ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर ने पूरे मामले को मैनेज करने की कोशिश की और मरीज के घर तक पहुंच गया।

जब बात नहीं बनी तो मरीज के घरवालों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल जाने से रोका और इलाज का पूरा खर्चा उठाने की बात कही। मरीज जब जयपुर के एसएमएस अस्पताल में आया तब जांच के बाद डॉक्टर को इस मामले का पता चला। उन्होंने तुरंत इस मामले की जांच के लिए एक बोर्ड का गठन किया। बोर्ड में नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी के डॉक्टर से लेकर मेडिकल जूरिस्ट भी शामिल हैं। इस मामले में एसएमएस मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी को लिखित में शिकायत भी दी गई है।

ये पूरा मामला झुंझुनू के धनखड़ हॉस्पिटल का है, जहां मंडावा की रहने वाली 54 साल की मरीज बानो को पिछले दिनों स्टोन का दर्द लगातार हो रहा था। उन्होंने झुंझुनू के धनखड़ हॉस्पिटल के डॉक्टर संजय धनखड़ के पास चेक-अप करवाया। डॉक्टर ने कहा कि स्टोन के कारण बार-बार दर्द हो रहा है इसलिए किडनी को निकालना पड़ेगा। यदि किडनी को नहीं निकाला गया तो किडनी खराब हो जाएगी। बिना किडनी निकाले यह समस्या जिंदगी भर मरीज को झेलनी पड़ेगी।

सरकारी अस्पताल में जाने से किया मना

डॉक्टर संजय ने धनखड़ हॉस्पिटल में मरीज की 15 मई को सर्जरी की। 17 मई को मरीज की हालत खराब होने लगी और मरीज की समस्या बढ़ गई। मरीज के घरवालों ने जब डॉक्टर को इस बारे में बताया तो डॉक्टर संजय धनखड़ ने जयपुर के किसी अस्पताल में दिखाने को कहा। मरीज के घरवालों ने जब 21 मई को बानो को जयपुर में भर्ती करवाया तो मरीज की जांच में पूरे मामले का पता चला। डॉक्टरों ने बानो की बाईं किडनी निकाल दी, जबकि उसकी दाईं किडनी में संक्रमण था। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच मेडिकल बोर्ड कर रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने-समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई ग़लती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच-समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट-पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना-कूदना। इसलिए माता-पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ट्रैंस-फ़ैट कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को ख़ुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप-दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और रआस-पास छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा ख़र्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे- कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली-भांति पड़ताल कर लें। जाँच करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेंगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 29 मई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 01:42 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रात: 08:39 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 11:33 तक
करण : वणिज दोपहर 01:42 तक
चन्द्रराशि : मकर रात्रि 08:06 तक
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : पंचक आरंभ रात्रि 08:06 से , भद्रा दोपहर 01:40 से रात्रि 12:44 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वाल्मिकी विकास निगम अधिकारी की आत्महत्या मामला

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मंत्री नागेंद्र को तत्काल करें बर्खास्त : सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व राज्य मंत्री सीटी रवि ने शिवमोग्गा में वाल्मिकी विकास निगम के अधिकारी चंद्रशेखर की आत्महत्या का कारण बनने वाले अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागेंद्र को तत्काल बर्खास्त करने, गिरफ्तार करने और जांच की मांग की है। एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि आत्महत्या करने वाले अधिकारी चन्द्रशेखर द्वारा लिखे गए डेथ नोट में स्पष्ट है किअनुसूचित जनजाति के गरीबों के 87 करोड़ रुपये मंत्री के निर्देश पर फर्जी खातों में ट्रांसफर किये गये थे। निगम के प्रबंध निदेशक और अधिकारियों ने फर्जी खाते खोलकर यह पैसा ट्रांसफर किया है। इसलिए उन्होंने इन सभी के

खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के लिए इससे बड़े किसी सबूत की जरूरत नहीं है। उस समय जब बीजेपी सरकार सत्ता में थी, तब तत्कालीन विपक्ष के नेता और वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने संतोष पाटिल की आत्महत्या के मामले में तत्कालीन राजस्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा को बर्खास्त करने की मांग की थी। उन्होंने कानून और संविधान के बारे में बड़ी-बड़ी बातें करके खूब हंगामा मचाया। अब उनकी अपनी सरकार है। आइए अब वही शब्द कहें। उन्होंने मांग की कि इस मामले में मंत्री नागेंद्र और विभाग के आरोपी अधिकारियों के खिलाफ एससी और एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाए और जांच की जाए। इस सरकार में जो हो रहा है वह सिर्फ लूट नहीं है, वह दिनदहाड़े लूट है। सीटी रवि ने कहा कि अधिकारी चन्द्रशेखर की मौत के लिए सीधे तौर पर मंत्री जिम्मेदार हैं और इस मामले की व्यापक जांच हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से करायी जानी चाहिए और दोषियों को सजा दी जानी चाहिए।

परिषद चुनाव में एनडीए को छह सीटें

उन्होंने कहा कि विधान परिषद के तीन स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों और तीन शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी-जेडीएस गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत निश्चित है। हमारे उम्मीदवार अमरनाथ पाटिल ने इस क्षेत्र में चुनाव लड़ा है। उन्होंने अतीत में स्नातक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अच्छा काम किया है। सीटी रवि ने कहा कि इस बार भी मैं अपने सभी बुद्धिमान मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे उनका समर्थन करें और उन्हें जिताकर विधान परिषद के लिए चुनें।

विधान परिषद सदस्यता के लिए रमेश कुमार ने की पैरवी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री रमेश कुमार ने विधान परिषद की एक सीट के लिए पैरवी की है। मंगलवार सुबह, कोलार जिले के विधायक प्रदीप ईश्वर, कोट्टानूर मंजूनाथ, विधान परिषद सदस्य नजीर अहमद और अनिलकुमार के साथ एक प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के घर का दौरा किया और रमेश कुमार को विधान परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त करने का दबाव डाला। विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद रमेश कुमार की जिले की राजनीति में मजबूत पकड़ है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन को लेकर हुई गंभीर चर्चा के दौरान रमेश कुमार मंत्री के.एच. मुनियप्पा के खिलाफ जवाबी रणनीति तैयार

करने में सफल रहे। रमेश कुमार, जिन्होंने मुनियप्पा द्वारा अपने दामाद को टिकट देने के लिए की गई पैरवी का विरोध किया था, विधायकों और मंत्रियों से इस्तीफा देने के लिए तैयार थे। अंत में दोनों गुटों की भरपाई के लिए आलाकमान ने दूसरे उम्मीदवार को मैदान में उतारकर अपना पल्ला झाड़ लिया। अब विधान परिषद सदस्य की सीट के लिए रमेश कुमार ने जोरदार पैरवी शुरू कर दी है। मुनियप्पा का गुट कैसे प्रतिक्रिया देगा इसका इंतजार है।

शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

प्रधानाध्यापक समेत 16 शिक्षकों के वेतन पर रोक

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार में शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रधानाध्यापक समेत 16 शिक्षकों के वेतन पर रोक लगा दी। यह मामला मुंगेर जिले के जमालपुर प्रखंड अंतर्गत +2 फरदा उच्च विद्यालय एवं फरदा मध्य विद्यालय का है।

शिक्षा विभाग का कहना है कि शिक्षा विभाग स्थापना शाखा के प्रधान लिपिक सरोज कुमार जमालपुर प्रखंड के +2 फरदा उच्च विद्यालय एवं फरदा मध्य विद्यालय पहुंचे तो सबसे पहले अनुपस्थित प्रधानाचार्य की खोज की। उनकी खोजबीन होने पर वहां मौजूद अन्य शिक्षकों ने उन्हें छुट्टी का अतिरिक्त आवेदन दिखा दिया। प्रधानाचार्य के कार्यप्रणाली की पोल उस समय खुल गई जब छुट्टी का आवेदन जमा करने वाले प्रधानाचार्य निरीक्षी पदाधिकारी के सामने ही विद्यालय पहुंच गए।

विधान परिषद सदस्यों के चयन के संबंध में

वरिष्ठों और दिग्गजों से परामर्श किए बिना अचानक निर्णय लेना सही नहीं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने विधान परिषद सदस्यों के चयन के संबंध में वरिष्ठों और दिग्गजों से परामर्श किए बिना अचानक निर्णय लिया। केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार को हमारे सहित पार्टी के वरिष्ठों से चर्चा करनी चाहिए। जो लोग पार्टी और सरकार में काम कर चुके हैं और उनके संपर्क में हैं उनकी भी चर्चा होनी चाहिए। इससे पार्टी को फायदा होगा। केपीसीसी अध्यक्ष को उन लोगों की सलाह और निर्देश लेना चाहिए जो पार्टी में कई जिम्मेदारियां संभालने में अनुभवी हैं। जिलेवार, जातिवार और पार्टी संगठन में मदद करने वालों के लिए चर्चा करनी चाहिए कि कौन सी जाति कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि दो लोगों का एक साथ बैठकर अचानक फैसला लेना ठीक नहीं है। भाजपा कोई भी मुद्दा रखे और विरोध करे, यह उनका अधिकार है। उन्होंने कहा कि हम उनकी आलोचनाओं का उचित जवाब देंगे।

सरकार के मंत्रियों को पार्टी कार्यालय आना चाहिए। इससे पहले जब मैं आठ साल तक पार्टी अध्यक्ष था तब भी मैंने यही काम किया था। पार्टी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने देखा कि मंत्री हाल ही में पार्टी कार्यालय नहीं आ रहे थे। कार्यालय आने का निर्देश देना सराहनीय कार्य है। केपीसीसी अध्यक्ष को बदलना है या नहीं, यह पार्टी आलाकमान के नेता तय करते हैं। अन्यथा वे जारी रहेंगे। मैं आठ साल तक अध्यक्ष रहा। हालाँकि दो बार चर्चा हुई, लेकिन इसे बिना किसी बदलाव के जारी रखा गया। अब भी हाईकमान यही फैसला करेगा। इस मुद्दे पर न तो डीके शिवकुमार और न ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया फैसला करेंगे। डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष दोनों पद संभालने में सक्षम हैं। अगर आलाकमान को लगता है कि जिम्मेदारी बढ़ी है तो बदलाव की संभावना है। लेकिन कोई भी निर्णय लेने के लिए वरिष्ठ निर्णय लेंगे। बताया गया है कि जिस महिला ने पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के खिलाफ फॉक्सो एक्ट के तहत शिकायत दर्ज कराई थी, उसे एक हफ्ते पहले कैंसर के कारण एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि सभी घटनाक्रम की समीक्षा की जा रही है। मंत्री केएन राजन्ना के इस बयान पर कि अगर उन्हें पार्टी अध्यक्ष बनाया जाता है तो वह इसे संभालने के लिए तैयार हैं, परमेश्वर ने कहा कि पार्टी के लिए बलिदान देने के लिए कई लोग हैं। ये संख्या कम नहीं है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि राजन्ना ने कहा है कि वह मंत्री पद का त्याग कर देंगे। यौन उत्पीड़न के मामले में सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ कानूनी कार्रवाई लंबित है। ब्लू कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है।

नोटिस जारी किया गया है

एसआईटी अधिकारियों की ओर से सीआरपीसी 41ए नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने और विदेश से लाने की सभी प्रक्रियाएं प्रगति पर हैं और कोई देरी नहीं है। सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास राजनयिक पासपोर्ट की सुविधा है। इस बीच केंद्र सरकार ने राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। यह सब जानते हुए ही प्रज्वल रेवन्ना ने कहा होगा कि वह भारत लौटेंगे। हम 31 तारीख तक इंतजार करेंगे। यदि नहीं तो आगे कदम उठाया जाएगा। परमेश्वर ने कहा कि एसआईटी अधिकारी इस बात पर निर्णय लेंगे कि प्रज्वल रेवन्ना को आत्मसमर्पण करने की अनुमति दी जाए या उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

वोटिंग की लाइव वेबकास्टिंग का आग्रह

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को सौंपी याचिका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव 3 जून को होंगे। जिसके मद्देनजर भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने कनकपुरा, होसकोटे, अनेकल, देवनहल्ली विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था करने का अनुरोध प्रस्तुत किया है। प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग कार्यालय का दौरा करने के बाद एक याचिका दायर की। इस याचिका पर भाजपा विधि आयोग के राज्य समन्वयक वसंत कुमार, वरिष्ठ नेता दत्तगुरु हेगड़े, आयोग के सदस्य यशवंत, वीणा अरुण, केपी विश्वनाथ, बेंगलूरु उत्तर जिला समन्वयक शिवानंद ने हस्ताक्षर किए हैं।

याचिका में जिन विधानसभा क्षेत्रों का जिक्र किया गया है उनमें अति संवेदनशील मतदान केंद्र भी शामिल हैं।

उपरोक्त निर्वाचन क्षेत्रों में सुचारू एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदान के दिन लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया।

पटना लॉ कॉलेज में मर्डर: मंत्री की बेटी के साथ सक्रियता पीयू चुनाव या दो हॉस्टल की लड़ाई में हर्ष की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

और कितनी पहुंच होनी चाहिए बिहार में जिंदगी बचाने के लिए? किसी तस्वीर में वह केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के साथ था। कहीं, सांसद चिराग पासवान के पास। समस्तीपुर से लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन प्रत्याशी शांभवी चौधरी के साथ पूरे चुनाव साये की तरह नजर आया। वही शांभवी चौधरी, जिनके पिता बिहार के कद्दावर मंत्री डॉ. अशोक चौधरी हैं और जिनके ससुर पूर्व आईएएस अधिकारी व धार्मिक न्यास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष किशोर कुणाल हैं। वह बिहार के चर्चित आईपीएस विकास वैभव के सामाजिक अभियान लेट्स इंस्पायर बिहार में भी नजर आता था। पटना विश्वविद्यालय के पांच प्रमुख-सक्रिय छात्र नेताओं में था। तो, क्या यही बढ़ती पहचान हर्ष राज की हत्या की वजह बनी?

आदर्श आचार संहिता लागू है। सबकुछ एक तरह से चुनाव आयोग के नियंत्रण में है। तो क्या राजधानी पटना में इस तरह पटना लॉ कॉलेज के अंदर 15 मिनट तक पीटते-पीटते की गई हत्या के लिए चुनाव आयोग चुपचाप रहेगा? वह भी तब, जबकि

समस्तीपुर लोकसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी की प्रत्याशी शांभवी चौधरी के साथ साये की तरह सक्रिय रहे एक राजनीतिक कार्यकर्ता की वहां से पटना आने के बाद हत्या हो गई। पटना में एक जून को मतदान होना है, उसके पांच दिन पहले सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों से भरे अशोक राजपथ से लगे लॉ कॉलेज परिसर में परीक्षा देकर निकलते छात्र की हत्या बिहार पुलिस महकमे के तमाम दावों की बखिया उधेड़ दे रहा है। पटना विवि को अब भी डर है कि कुछ बड़ा हो सकता है, इसलिए सारी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं।

सत्तारूढ़ राजग के नेताओं के साथ सक्रिय रहे हर्ष राज की हत्या के बाद विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल ने उसकी पिटाई का वीडियो जारी करते हुए हत्यारों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की। समस्तीपुर से राजग प्रत्याशी शांभवी चौधरी ने अपने भाई जैसे सहयोगी की इस हत्या पर गुस्सा प्रकट किया। लेकिन, सोमवार को दिन के करीब एक बजे हुई इस हत्या के मामले में मंगलवार सुबह तक पुलिस कुछ घोषित तौर पर नहीं बता सकी है। तीन कारणों की चर्चा है, लेकिन पुलिस किसी एक को अंतिम नहीं बता सकी है।- 1. हर्ष राज वैशाली के पुराने पत्रकार का इकलौता बेटा था और निकटवर्ती जिले समस्तीपुर में राजग प्रत्याशी को जिताने में जी-जान से जुटा था। तो, क्या यह हत्या समस्तीपुर में उसकी सक्रियता के कारण हुई है? 2. लोकसभा चुनाव 2024 और विधानसभा चुनाव 2025 के बीच पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव होना है और हर्ष राज को इसका मजबूत प्रत्याशी माना जा रहा था।

तो, क्या चुनाव के पहले ही प्रतिद्वंद्वी को मैदान से हटा दिया गया? 3. पिछले साल अक्टूबर में हर्ष राज ने पटना में जदयू मुख्यालय के बगल में डांडिया नाइट कार्यक्रम कराया था। इसमें स्टेज पर मनमाने तरीके से कब्जा जमाने के प्रयास में पटना विवि के कुख्यात हॉस्टलों जैक्सन और पटेल छात्रावास के लड़कों के बीच मारपीट हुई थी। तो, क्या हर्ष राज से उसकी खुन्नस इतने समय बाद आचार संहिता और परीक्षा में पुलिस की ड्यूटी के बीच निकाली गई?

पटना के लॉ कॉलेज में यह हत्या हुई। वह भी लॉ की परीक्षा के दिन लॉ एंड ऑर्डर से खिलवाड़ हुआ। बहुत सारे लड़के-लड़कियां यहां इस मर्डर को लाइव देख रहे थे। कुछ वीडियो भी बना रहे थे। यहां पुलिस भी सुरक्षा में तैनात थी। इन सभी के बीच एक पत्रकार के इकलौते जवान बेटे की हत्या का तमाशा देखने वालों ने प्रतिरोध नहीं किया। वहां इतनी ईंटें तो जरूर थीं, जिन्हें बरसाकर दूर से भी उन हमलावरों को भगाया जा सकता था, लेकिन किसी ने जहमत नहीं उठाई। जरूरत नहीं समझी। 15 मिनट तक हर्ष को पीटा गया। उसके साथ रहा दोस्त भागने में कामयाब रहा, लेकिन निशाने पर रहा हर्ष भाग नहीं सका। जिस जगह पर हत्या हुई, वहां लॉ की पढ़ाई करने वालों ने लॉ एंड ऑर्डर से खिलवाड़ होते भी देखा, लेकिन हिम्मत नहीं दिखाई।

शिवमोग्गा में लेखा अधिकारी की आत्महत्या के बाद 3 शीर्ष अधिकारियों पर मामला दर्ज

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के 48 वर्षीय लेखा अधीक्षक की यहां उनके गृहनगर स्थित आवास पर आत्महत्या से मौत होने की आशंका है।

उन्होंने बताया कि बेंगलूरु में तैनात चंद्रशेखरन पी ने रविवार शाम को अपने आवास पर छत के पंखे से लटकने से पहले कथित तौर पर छह पन्नों का एक नोट छोड़ा था। पुलिस ने बताया कि कथित सुसाइड नोट में उन्होंने अपनी मौत के साथ-साथ करीब 87 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी के लिए अपने तीन वरिष्ठ सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने विभिन्न जमाओं के माध्यम से लगभग 87 करोड़ रुपये की हेराफेरी और अपने चरम कदम के पीछे के कारणों का उल्लेख किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके तीन सहयोगियों ने उन्हें परेशान किया, जिन्होंने कथित तौर पर व्यक्तिगत लाभ के लिए धन के दुरुपयोग के लिए उनका इस्तेमाल किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा बाद में, जब उसे पता चला कि अगर जांच शुरू की गई और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई, तो उसे जेल हो जाएगी तो इसने उसे यह कठोर कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

नोट में उन्होंने कहा, मृतक ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर निगम के प्राथमिक खाते से बेहिसाब धन को निकालने के लिए एक समानांतर बैंक खाता खोलने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें एक मंत्री और एक अधिकारी द्वारा स्वीप-इन और स्वीप-आउट खाता खोलने का निर्देश दिया गया था, जो ग्राहकों को बचत और चालू खातों के बीच धन हस्तांतरित करने और एमजी रोड पर एक बैंक शाखा में सावधि जमा खातों को जोड़ने की अनुमति देता था। पुलिस के अनुसार, वह शुक्रवार को सप्ताहांत के लिए बेंगलूरु से अपने गृहनगर लौटा और रविवार को जब घर पर कोई नहीं था, तब उसने आत्महत्या कर ली। घटना उसी शाम सामने आई जब उनकी पत्नी कविता और बेटा भद्रावती से घर लौटे, जहां वे एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने गए थे। शुरुआत में, हमने शिवमोग्गा में विनोबा नगर पुलिस में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया, लेकिन बाद में, जब हमें डेथ नोट मिला, तो हमने तीन सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया। उन्होंने बताया कि आर-ोपी सरकारी कर्मचारी फिलहाल फरार हैं। अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र के अनुसार, मामला सीआईडी को सौंप दिया गया है और केएमवीएसटीडीसी के प्रबंध निदेशक जे जी पद्मनाभ, दुर्गान्ना और सुचिस्मिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जो कोई भी इसमें शामिल है और चाहे वे कितने भी प्रभावशाली हों, हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने इसे गंभीरता से लिया है। अगर फोरेंसिक रिपोर्ट में कहा गया है कि एमडी ने इस पर हस्ताक्षर किए थे, तो हम उन्हें निलंबित कर देंगे। हम सार्वजनिक धन का रिसाव नहीं होने देंगे। नागेंद्र ने कहा कि यह घोटाला एक बैंक से दूसरे बैंक में पैसे ट्रांसफर करने के दौरान किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com